THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 36 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.5 2083 गुरुवार, 7 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव बाद हिंसा पर सीईसी सख्त, हिंसा में शामिल लोगों की तुरंत गिरफ्तारी के दिए आदेश

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद से कई जगहों से हिंसा की खबरें सामने आई है। इन हिंसा पर चुनाव आयोग सख्ती दिखाया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को हिंसा और तोड़फोड़ में शामिल लोगों को तत्काल गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी बुधवार को एक अधिकारी ने दी है। राज्य में मंगलवार को चुनाव के बाद हुई हिंसा की कथित घटनाओं में दो लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद भी सामने आई है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम सरकार को भेजेगा। इससे पहले 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी।

'एक दशक में दोगुना हुआ द्विपक्षीय व्यापार'

> भारत और वियतनाम ने 13 समझौतों पर किए हस्ताक्षर > साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले पीएम मोदी

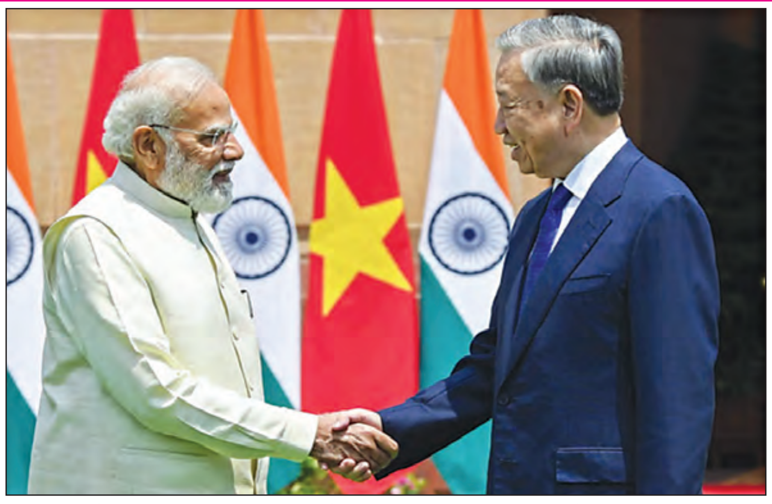

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम ने बुधवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले साल जब भारत से पवित्र बौद्ध अवशेष वियतनाम भेजे गए, तो डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने उनके दर्शन किए थे। हम चंपा संभ्यता की पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखेंगे और इस अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखेंगे।

उन्होंने कहा, एक दशक पहले वियतनाम की मेरी यात्रा के दौरान वियतनाम आसियान में भारत का पहला 'व्यापक रणनीतिक साझेदार' बना था। तब से हमारे संबंधों और हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। सभ्यताओं के साथ-साथ हमारे व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन के संबंध भी मजबूत हुए हैं। इसी मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए आज हम अपने संबंधों को 'आधुनिक व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जा रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

साझेदारी में विरासत और विकास अहम

इसके अलावा, उन्होंने अपने भारत दौरे की शुरूआत बोधगया से की। यह हमारे दोनों देशों की साझा सभ्यतागत और आध्यात्मिक परंपराओं को दर्शाता है। उनके इस दौरे और हमारी सार्थक चर्चाओं के माध्यम से हम अपनी आपसी सद्भावना को ठोस नतीजों में बदल रहे हैं। भारत और वियतनाम के बीच साझेदारी में विरासत और विकास, दोनों ही अहम हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे भारत में राष्ट्रपति तो लाम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ उनका भारत दौरा स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि वह भारत-वियतनाम संबंधों को कितनी प्राथमिकता देते हैं।

दोनों देशों के बीच 13 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। जो इस प्रकार से हैं-

> आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड और वियतनाम के इंस्टीट्यट फॉर टेक्नोलॉजी ऑफ रेडियोएक्टिव ऐंड रेयर एलिमेंट्स (आईटीआरआरई) के बीच आपसी सहयोग पर समझौता।

> भारत के संस्कृति मंत्रालय और वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय के बीच 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।

> भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और वियतनाम के स्टेट बैंक (एसबीवी) के बीच भुगतान प्रणालियों और डिजिटल भुगतान में नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता। >14

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा जुर्माना, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान :

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे। केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। >14

'बंगाल में बंदूक की नोक पर लोकतंत्र'

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र 'बंदूक की नोक पर' रखा जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनावी जनादेश को स्वीकार न करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि जनादेश को लोगों की आवाज की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे सुझाव की तरह देखा जा रहा है, जिसे ठुकराया जा सकता है। इससे यह सवाल उठता है कि सत्ता को क्या जिम्मेदारी माना जा रहा है या सिर्फ अधिकार समझा जा रहा है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की स्थिति बहुत खराब है और चुनाव के नतीजों को मानने से इनकार करना इस सच्चाई को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का जनादेश स्वीकार न करना गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या सत्ता को जिम्मेदारी माना जा रहा है या सिर्फ अधिकार। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का नेतृत्व जवाबदेही से बच रहा है और सत्ता को बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।

ममता और अभिषेक बनर्जी के आवास से हटाई गई सुरक्षा

पुलिस ने स्पष्ट की स्थिति

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। कोलकाता के पुलिस आयुक्त (सीपी) अजय कुमार नंदा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवासों से सुरक्षा हटाए जाने की खबरों पर स्थिति साफ की है।

उन्होंने बताया कि वहां पुलिस कर्मियों की एक अतिरिक्त यूनिट तैनात थी, इसलिए हमने उसे बस कम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन पर जो सुरक्षा व्यवस्था है, वह नियमों के अनुसार ही पूरी तरह तैनात है। राज्य में चुनाव के बाद हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच कोलकाता के पुलिस आयुक्त नंदा ने बुधवार को कहा कि जुलूसों में बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोई बुलडोजर किराये पर ऐसे कामों के लिए देता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि अगर किसी को कोई परेशानी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। साथ ही उन्होंने बताया कि शहर में सुरक्षा बलों की 65 यूनिट तैनात की गई हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में सामने आया, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा पर बर्दाश्त न करने की नीति (जीरो टॉलरेंस) लागू करने और तोड़फोड़ व झड़पों में शामिल लोगों को जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।

कच्छ तट पर मिली संदिग्ध पाकिस्तानी नाव, बीएसएफ अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

अहमदाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले के समुद्री तट पर ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से पहले एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव परित्यक्त अवस्था में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के मुताबिक, यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास एक क्रीक क्षेत्र में मिली है। प्रारंभिक जांच के दौरान नाव में मछली पकड़ने के उपकरण मिले हैं, हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि नाव को किसने और कब छोड़ा, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, बीएसएफ के जवान नियमित गश्त के दौरान इस नाव तक पहुंचे। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल, अरब सागर के क्रीक क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के प्रवेश पर प्रतिबंध है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे अवैध रूप से भारतीय सीमा में मछली पकड़ने के लिए घुस आते हैं। ऐसे मामलों में, जब वे बीएसएफ की गश्ती टीम को देखते हैं, तो अक्सर अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं।

ईरान जंग 48 घंटे में खत्म हो सकती है!

> 14 शर्तों का समझौता तैयार, अमेरिका ईरानी प्रॉपर्टी लौटाएगा
> ईरान होर्मुज खोलेगा, न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 6 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान में युद्ध खत्म करने और परमाणु बातचीत का रास्ता तय करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान 48 घंटे के भीतर सीजफायर को लेकर सहमति दे सकता है।

दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता (एमओयू) तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है।

समझौते की अहम शर्तें...

> सबसे पहले युद्ध खत्म करने की घोषणा होगी

> 30 दिनों तक दोनों देशों की विस्तृत बातचीत होगी

> इसमें होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दे होंगे

> दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद या फिर जिनेवा जैसे शहरों पर विचार हो रहा है। ड्राफ्ट के मुताबिक, ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को कुछ समय के लिए रोक सकता है। बदले में अमेरिका धीरे-धीरे प्रतिबंध कम करेगा और ईरान के जब्त किए हुए अरबों डॉलर जारी कर सकता है।

साथ ही, होर्मुज में दोनों तरफ से लगाई गई पाबंदियों में भी ढील दी जाएगी। हालांकि सबसे बड़ा विवाद न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की अवधि को लेकर है। ईरान 5 साल का प्रस्ताव दे चुका है, जबकि अमेरिका 20 साल चाहता था। अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हो रही है, जिसमें 12 से 15 साल तक की अवधि पर बात चल रही है। अमेरिका ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए यूएनएससी में नया प्रस्ताव पेश किया है। इसमें ईरान से हमले, माइंस बिछाना और टोल वसूली तुरंत रोकने को कहा गया है।>14

तमिलनाडु में विजय की शपथ टल सकती है सरकार बनाने 118 विधायक जरूरी

चेन्नई, 6 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 7 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह टल सकता है। टीवीके चीफ विजय ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने 113 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा है। समर्थन पत्र में टीवीके 107 और कांग्रेस के 5 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने 118 विधायकों के समर्थन के पत्र की मांग की। इस पर विजय ने समर्थन के लिए समय मांगा। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके की 108 सीटें हैं, लेकिन विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए टीवीके को 11 और विधायक चाहिए। फिलहाल कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन मिला है।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा-खनिज टैक्स पर राज्यों का अधिकार, 20 मई को सुनवाई

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लिया। अदालत अब 20 मई को खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में उसकी क्यूरेटिव याचिका अभी लंबित है। यह पूरा मामला राज्यों की विधायी शक्ति और टैक्स वसूलने के अधिकार से जुड़ा है। सितंबर 2024 में शीर्ष अदालत ने समीक्षा याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इससे पहले 25 जुलाई 2024 को नौ जजों की बेंच ने बड़ा फैसला सुनाया था। अदालत ने 8:1 के बहुमत से कहा था कि खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने की शक्ति राज्यों के पास है। शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र के पास संविधान की सूची-1 की प्रविष्टि 54 के तहत यह अधिकार नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच से सुनवाई टालने का अनुरोध किया।

विजय ने राज्यपाल से की मुलाकात टीवीके का सरकार बनाने का दावा पेश

चेन्नई, 6 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने राज्य में सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी है। टीवीके प्रमुख विजय ने बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में मुलाकात की।

उन्होंने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। चेन्नई में विजय ने राज्यपाल को पार्टी के विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा। विजय की पार्टी हाल ही में संपन्न हुणए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। हालांकि बहुमत के आंकड़े से वह कुछ कदम दूर रह गई थी। इसी बीच, कांग्रेस ने डीएमके से अपना गठबंधन तोड़कर विजय की पार्टी को समर्थन देने का एलान किया है। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है। इस चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने 108 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस पार्टी ने टीवीके को अपना समर्थन देने का एलान किया है। कांग्रेस के पास विधानसभा में 5 सीटें हैं। विधानसभा चुनाव में डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली हैं। अन्य दलों में पीएमके को 4 और आईयूएमएल को 2 सीटें मिली हैं। सीपीआई, वीसीके और सीपीआईएम को भी 2-2 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा, डीएमडीके और एएमएमके के खाते में 1-1 सीट आई है। टीवीके सबसे ज्यादा 108 सीटें मिली हैं। राज्यपाल से मुलाकात के बाद अब सरकार गठन की औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, विजय 7 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो का भारत दौरा

राजदूत सर्जियो गोर ने किया स्वागत, कहा-पूरी दुनिया को होगा फायदा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक रिश्तों को और अधिक मजबूती देने की तैयारी शुरू हो गई है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने आगामी उच्च स्तरीय यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान साझा किया है। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा का स्वागत करते हुए दोनों देशों के भविष्य के साझा लक्ष्यों पर जोर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो मई 2026 में भारत की महत्वपूर्ण यात्रा पर आने वाले हैं। यह दौरा व्यापार, रक्षा, क्वाड गठबंधन और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगा। वाशिंगटन में भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ हुई सार्थक बैठक के बाद इस यात्रा की पुष्टि की गई है। राजदूत सर्जियो गोर ने अपने आधिकारिक संदेश में कहा, अपने अच्छे मित्र मंत्री रुबियो का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं!

डीएमके को दोहरा झटका, पहले चुनाव हारे, अब कांग्रेस ने तोड़ा नाता

चेन्नई, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को समर्थन देने का एलान किया। कांग्रेस लंबे समय द्रविड मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सहयोगी रही है। पार्टी ने कहा कि वह टीवीके को तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए समर्थन देगी। इसके साथ कांग्रेस ने डीएमके के साथ गठबंधन खत्म करने की घोषणा भी की। कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरिश चोडणकर ने कहा कि टीवीके के साथ यह गठबंधन केवल सरकार बनाने के लिए नहीं है, बल्कि आने वाले चुनावों के लिए भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की शर्त है कि इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या उसके किसी सहयोगी को शामिल नहीं किया जाएगा।

तमिलनाडु में कांग्रेस ने टीवीके को दिया पूर्ण समर्थन

'सांप्रदायिक ताकतों को बाहर रखने' की शर्त

चेन्नई, 6 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस ने अभिनेता से राजनेता विजय की पार्टी टीवीके को सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन देने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी की बैठक के बाद लिया गया। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस ने अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी की बैठक के बाद लिया गया। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि टीवीके अध्यक्ष विजय ने कांग्रेस से औपचारिक रूप से समर्थन मांगा था।

थलपति विजय पर सुब्रमण्यम स्वामी ने दी लोकतंत्र की दुहाई

सरकार बनाने दीजिए 'सरकार'

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में 'तमिलगा वेट्री कझगम' के सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बाद पार्टी अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को राज्य में सरकार बनाने का दावा औपचारिक रूप से पेश किया। उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है और विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने का मौका देने का अनुरोध किया है। हालांकि अभी राज्यपाल ने कोई औपचारिक कदम नहीं उठाया है।

डेमोक्रेसी के लिए विजय को बुला लीजिए :

इसी बीच, वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने विजय थलपति को सरकार बनाने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर राज्यपाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि तमिलनाडु राज्य विधानसभा चुनावों में टीवीके के सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद, तमिलनाडु के राज्यपाल ने अभी तक टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। मैं मांग करता हूं कि लोकतंत्र के हित में, तमिलनाडु के राज्यपाल तत्काल विजय को कैबिनेट गठन के लिए बुलाएं। राज्यपाल उन्हें स्वयं मुख्यमंत्री बनने के लिए आमंत्रित करें ताकि वे विधानसभा के पटल पर अपना बहुमत साबित कर सकें।

विजय ने राज्यपाल को लिखी चिट्ठी

इससे पहले, लोक भवन (पहले राज भवन) को भेजे गए अपने संदेश में विजय ने कहा कि 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 108 सीटें जीतने वाली पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में स्पष्ट जनादेश मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस स्थिति के आधार पर तमिलगा वेट्री कझगम को राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने का अधिकार है। उन्होंने समर्थन जुटाने के लिए अतिरिक्त समय भी मांगा और कहा कि वे 15 दिनों के भीतर अपना बहुमत साबित कर सकते हैं। हम 108 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी हैं और सरकार बनाने का अधिकार रखते हैं।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बड़ी सिफारिश

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में 10 नए जजों की नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायपालिका में नियुक्तियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में 10 अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की 4 मई को आयोजित बैठक में लिया गया। कॉलेजियम द्वारा जिन अधिवक्ताओं के नामों को स्वीकृति दी गई है, उनमें मोनिका छिब्बर शर्मा, हरमीत सिंह देओल, पूजा चोपड़ा, सुनीश बिंदलिश, नवदीप सिंह, दिव्या शर्मा, रविंदर मलिक, प्रविन्द्र सिंह चौहान, राजेश गौर और मिंदरजीत यादव शामिल हैं।

इन नामों में प्रविंद्र सिंह चौहान का नाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वे वर्तमान में हरियाणा सरकार के एडवोकेट जनरल के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, हरमीत सिंह देओल पंजाब सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता हैं। इन नियुक्तियों से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

लंबे समय से रिक्त पदों को भरने की जा रही थी मांग :

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट देश के प्रमुख उच्च न्यायालयों में से एक है, जहां पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से जुड़े मामलों की सुनवाई होती है। लंबे समय से न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने की मांग की जा रही थी। ऐसे में कॉलेजियम का यह फैसला न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में भी तीन न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिन अधिकारियों के नामों पर सहमति बनी है, उनमें सुनीथा गांधीम, अलापति गिरिधर और पुरुषोत्तम कुमार चिंतलापुडी शामिल हैं।

जज अमन शर्मा आत्महत्या केस की उच्च स्तरीय जांच की मांग, पत्नी को लेकर भी की गई अपील

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। फर्स्ट जेनरेशन लॉयर्स एसोसिएशन ने दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को पत्र लिखकर न्यायिक अधिकारी अमन शर्मा की आत्महत्या की घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में कहा गया कि घटना से संबंधित आरोपों की निष्पक्ष, तटस्थ और समयबद्ध जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए, ताकि ऐसे संवेदनशील मामलों से निपटने में एक मिसाल कायम हो सके। यह भी कहा है कि जांच लंबित रहने के दौरान, संस्था की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखने के हित में अमन की पत्नी स्वाति को न्यायिक कार्यों से दूर रखा जाए।

पत्र में मांग कि गई है कि न्यायिक अधिकारियों के तनावपूर्ण कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए, उनके मानसिक स्वास्थ्य का समय-समय पर आकलन करने के लिए योग्य मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों से युक्त एक चिकित्सा बोर्ड के गठन के लिए निर्देश जारी किए जाएं।

भाजपा का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता

राहुल बोले- निष्पक्ष चुनाव हुए तो 140 सीटें भी नहीं जीतेंगे

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के हर छठे सांसद ने वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो बीजेपी 140 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी से कभी एक सीट चुराई जाती है और कभी पूरी सरकार। लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी करके पहुंचा है। उन्होंने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि ऐसे सांसदों की पहचान करना मुश्किल नहीं है। राहुल गांधी ने भाजपा की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे लोगों को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए।

उन्होंने हरियाणा सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर किया जा रहा है और जिन संस्थाओं को निष्पक्ष होना चाहिए, वे रिमोट कंट्रोल से चलाई जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा को सबसे ज्यादा डर सच से लगता है। अगर आज निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो वे 140 सीटें भी नहीं जीत पाएंगे। इससे एक दिन पहले भी राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को जनादेश की चोरी करार दिया था।

उन्होंने कहा था कि यह भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की बीजेपी की बड़ी रणनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी ने टीएमसी का समर्थन करते हुए कहा कि टीएमसी की हार पर खुशी जताने वालों को छोटी राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी एक पार्टी की लड़ाई नहीं, बल्कि भारत और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है।

गौरतलब है कि हाल ही में घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जबकि असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफलता हासिल की।

कांग्रेस विधायक की पत्नी और बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सरकारी अस्पताल पर लगा दिया था ताला

श्रीनगर, 6 मई (एजेंसियां)। जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्टस के मुताबिक, अनंतनाग में पुलिस ने कांग्रेस विधायक पीरजादा मोहम्मद सईद के परिजनों के खिलाफ सरकारी अस्पताल को कथित रूप से बंद करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, अनंतनाग जिले के अचबल थाने में यह मामला दर्ज किया गया। यह एफआईआर विधायक पीरजादा मोहम्मद सईद की पत्नी और बेटे के खिलाफ दर्ज की गई है। कांग्रेस विधायक की पत्नी और बेटे पर आरोप है कि दोनों ने दमहाल खोशीपोरा क्षेत्र में स्थित एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र को ताला लगाकर बंद कर दिया था।

यह स्वास्थ्य केंद्र जिस इमारत में चल रहा था, वह कथित तौर पर विधायक के परिवार की संपत्ति है। वर्ष 2008 में इस भवन को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र यानी कि पीएचसी स्थापित करने के लिए उपयोग में दिया गया था, ताकि स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। हालांकि, परिवार की ओर से दावा किया गया है कि इस साल की शुरुआत में विधायक ने अनंतनाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को पत्र लिखकर स्वास्थ्य केंद्र को वहां से ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका कहना है कि यह इमारत जर्जर हालत में है और अब इस्तेमाल के योग्य नहीं रही। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अस्पताल को बंद करने के पीछे असली वजह क्या थी।

500 पन्नों का चार्जशीट और 18 आरोपी... उत्तम नगर के तरुण हत्याकांड में अब तक क्या हुआ?

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के उत्तम नगर में होली का जश्न मनाने के मामले में हुई तरुण भूतोलिया की हत्या मामले में दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर कुल 18 को आरोपी बनाया है। इस मामले में कुल 20 आरोपी हैं, जिनमें से 2 नाबालिग हैं। लिहाजा उनके खिलाफ जुविनाइल बोर्ड में इंक्वेस्ट कारवाई करने की अपील की गई है। पुलिस की तरफ से 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई है। दरअसल, बीते 4 मार्च को होली के दिन एक छोटी बच्ची द्वारा फेंका गया पानी का गुब्बारा पड़ोस की महिला पर जा गिरा, जिसके बाद हुआ विवाद धीरे-धीरे हिंसक झड़प में बदल गया।

चार्जशीट के मुताबिक, आरोप है कि बाद में तरुण को उसके घर के पास रोककर लाठियों से बेरहमी से पीटा गया और एक दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में 18 लोगों के खिलाफ चार्ज फाइल किए गए हैं, जिनमें एससी/एसटी एक्ट, अनलॉफुल असेंबली, दंगा भड़काना, जैसे सेक्शन के तहत भी आरोप लगे हैं। दो नाबालिगों की भूमिका सामने आने के बाद मामला जेजेबी को भी भेजा गया है। पुलिस ने अब बीएनएस की धारा 95 और 103(2) भी जोड़ी है। फिलहाल दो आरोपी फरार हैं, जिनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हो चुका है।

आईआरसीटीसी घोटाले में लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

अब 22 मई को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू परिवार को लेकर बड़ी कानूनी कार्रवाई फिलहाल टल गई है। बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित कर दिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 मई को होगी, जब अदालत अपना फैसला सुनाएगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी 16 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई टल गई थी। उस समय अदालत को आरोप तय करने थे, लेकिन सुनवाई आगे बढ़ा दी गई और अगली तारीख 6 मई तय की गई थी। यह पूरा मामला आईआरसीटीसी होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है।

उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के रखरखाव के लिए टेंडर देने में नियमों का पालन नहीं किया गया और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन या अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे मामले में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुईं।

सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी समेत कई लोगों के नाम शामिल थे। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से अहम दस्तावेज और सबूत बरामद किए गए। हालांकि, लालू यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक साजिश का हिस्सा है और उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है।

घूरकर देखने पर पड़ोसी की गोली मारकर हत्या

ग्वालियर, 6 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में घूरकर देखने के विवाद में दो पड़ोसियों में झगड़ा हो गया। इस बीच एक पक्ष ने रायफल से करीब 20 राउंड फायर किए, जिसमें एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छर्रे लगने से उसकी पत्नी और एक बेटा घायल हैं। दूसरे बेटे को लाठी लगी है। घटना मुरार थाना क्षेत्र के बड़ा गांव खुरैरी इलाके की है। इलाके में पुलिस बल तैनात है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हमलावर फरार हैं। मृतक की पहचान रमेश उर्फ पप्पू कुशवाह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से भिंड का रहने वाला था।

मुरार थाना प्रभारी मैना पटेल के मुताबिक, 5 मई को रमेश कुशवाह के बहन के घर बिजौली में शादी थी। मैरिज गार्डन में कार्यक्रम चल रहा था। टीका कार्यक्रम के पहले रमेश को भात लेकर जाना था। वह घर से निकल ही रहे थे, तभी उनके घर के सामने रहने वाले राजपाल बघेल ने रमेश पर अपने घर की महिलाओं पर घूरने का आरोप लगाया।

जंगल में 14 वर्षीय बच्चे का शव मिला, गला घोंटकर हत्या की आशंका

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के भाटी माइंस जंगल में एक 14 वर्षीय किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। प्रारंभिक जांच में गला घोंटकर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन तफ्तीश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना भाटी माइंस के घने जंगल वाले इलाके में हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। किशोर की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है, लेकिन उसकी उम्र लगभग 14 वर्ष बताई जा रही है। शव मिलने के तरीके से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी हत्या गला घोंटकर की गई है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर सबूत जुटाए हैं।

पुलिस ने तस्करों को फाइव स्टार होटल में बंधक बनाया: 5 लाख रुपए लेकर एक को छोड़ा

इंदौर, 6 मई (एजेंसियां)। इंदौर के विजय नगर थाने के चार पुलिसवालों ने वर्दी को वसूली का हथियार बना लिया। आगर मालवा के बड़ौद से एक ड्रग तस्कर को उठाकर लाए, उसे थाने ले जाने के बजाय शहर के एक आलीशान 5-स्टार होटल में दो दिन तक बंधक बनाकर रखा और 5 लाख रुपए की वसूली की। हद तो तब हो गई, जब उसी तस्कर का इस्तेमाल कर दूसरे अपराधी को फंसाया और उससे भी मोटी रकम ऐंठी। यह घटनाक्रम नवंबर 2024 का है। इसकी शिकायत एसीपी तक पहुंच गई है, जिसके बाद पूरे मामले की परतें खुलती चली गईं। जांच में चारों पुलिसवालों और तस्करों की टॉवर लोकेशन भी उसी 5-स्टार होटल की निकली। कॉल डिटेल रिपोर्ट से भी इसकी पुष्टि हुई है।

आरोपियों ने भी अपने बयान में पुलिसवालों की करतूत उजागर की, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि अब तक किसी भी पुलिसवाले पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हाल ही में (मई 2026) में डीसीपी ने इससे जुड़ी कुछ और जानकारियों एसीपी से मांगी है।

हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, कौन सी नई बात है

पंजाब में 2 धमाके पर बोले फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 6 मई (एजेंसियां)। पंजाब में मंगलवार रात दो अलग-अलग जगहों पर हुए धमाकों से हड़कंप मच गया। पहले जालंधर में बीएसएफ के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। उसके कुछ ही घंटों बाद अमृतसर के खासा इलाके में आर्मी कैंप के पास धमाके हुआ। इन धमाकों ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है।

इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का आज एक अजीबोगरीब बयान सामने आया है। पंजाब ब्लास्ट पर मीडिया से बात करते हुए फारूक अबदुल्ला ने कहा, हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते है। इसमें कौन सी नई बात है। उन्होंने कहा कि घबराइए मत। देश में ये कोई नई बात नहीं है और ऐसे धमाके होते रहते हैं। इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने सूबे की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि बीएसएफ मुख्यालय के पास इस तरह का धमाका बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने यह भी कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाके में किसी डिलीवरी स्कूटर में आग लगना कानून-व्यवस्था के पूरी तरह टूटने की निशानी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जहां राज्य सरकार अपने विधायकों को राष्ट्रपति के सामने परेड कराने में लगी है, वहीं केंद्र सरकार भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रही है। इधर शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के अंदर शंभू रेलवे ट्रैक से लेकर जालंधर के बीएसएफ चौक तक लगातार धमाके हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या पंजाब की सुरक्षा पूरी तरह फेल हो गई है? जानकारी के मुताबिक मंगलवार (5 मई) रात 8 बजे जालंधर जिले में बीएसएफ के मुख्यालय पास एक स्कूटी में आग लग गई। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने वाहन से धमाके जैसी आवाज सुनी थी।

बताया जा रहा है कि फ्लिककार्ट कंपनी के डिलीवरी बॉय की स्कूटी बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर हेडक्वार्टर के बाहर खड़ी थी जिसमें जोरदार धमाका हुआ। सोशल मीडिया पर सामने आए सीसीटीवी में एक संदिग्ध आतंकी पॉलीथिन में लिपटी कुछ वस्तु छोड़कर गया। इसके तुरंत बाद जोरदार धमाका हो गया। धमाके के चलते स्कूटी पूरी तरह से जल गई। वहीं धमाके की आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई दी।

धमाके में किसी की जान नहीं गई, हालांकि बीएसएफ का एएसआई स्प्लिंटर्स से घायल हो गया। वहीं जालंधर के बाद अमृतसर में खासा के सेना छावनी क्षेत्र के पास कुछ ही देर में दूसरा धमाका हुआ। हालांकिइस विस्फोट में कोई जख्मी नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि पंजाब में हुए दोनों धमाके की जांच एनआईए करेगी। वहीं दोनों घटनाओं के बाद सेना और पंजाब पुलिस सक्रिय हो गई हैं। फॉरेंसिक टीमों को भी मौके पर बुलाया गया है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों को घेरकर जांच की जा रही है।

जीआरपी थाने के पुलिसकर्मी ने किया रेप: पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

इंदौर, 6 मई (एजेंसियां)। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में जीआरपी थाने में पदस्थ एक आरक्षक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र की रहने वाली पीड़िता की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। पीड़िता वर्तमान में भोपाल में रह रही है। पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय महिला की शिकायत पर आरोपी सचिन पुत्र हरीनारायण चंद्रवंशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में इंदौर में पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान सचिन से फेसबुक के माध्यम से हुई थी।

इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और मुलाकातें होने लगीं। महिला का कहना है कि आरोपी ने शादी का वादा किया और भरोसा दिलाते हुए उसे अपने साथ रखा। 8 नवंबर 2018 को आरोपी उसे कनाड़िया स्थित अपने सरकारी क्वार्टर में ले गया, जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद भी कई बार मुलाकातें होती रहीं, लेकिन हर बार शादी की बात टाल दी गई। पीड़िता के अनुसार, बाद में दोनों परिवारों की सहमति भी बनी, लेकिन आरोपी ने शादी नहीं की। वर्ष 2021 में महिला की मां और 2023 में पिता के निधन के बाद आरोपी ने उससे दूरी बना ली और अंततः शादी से साफ इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को जानकारी दी और भोपाल में शिकायत दर्ज कराई।

8 शादियां कर चुकी थी युवती 9वीं बार रचाया ब्याह तो खुली पोल; हैरान करने वाला मामला

बीड, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले से 'एक दुल्हन और कई दूल्हे' की हैरानी करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, यहां एक फर्जी शादी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है, जिसने ग्रामीण इलाकों के सीधे-सादे युवकों को अपना शिकार बनाकर उनके घर और जेबें खाली कर दी हैं। ताजा मामला उमापूर गांव से सामने आया है, जहां एक युवती ने अपनी 9वीं शादी के जरिए एक युवक से लाखों रुपये ठग लिए। आरोपी युवती ने उमापूर के युवक से पहले अलग-अलग जिलों के आठ युवकों से शादियां की थीं। हर बार शादी के कुछ समय बाद वह पैसे लेकर फरार हो जाती थी।

इस बार भी एजेंटों के एक संगठित गिरोह ने युवती को कुंवारी बताकर उमापूर के युवक के साथ उसकी 9वीं शादी तय करवाई। पीड़ित युवक ने बताया कि शादी कराने के नाम पर एजेंटों और बिचौलियों ने उससे लाखों रुपये वसूले थे। शादी के बाद जब युवती के पिछले कारनामों और उसके बार-बार शादी करने के पैटर्न का पता चला, तो युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई। गिरोह ने बड़ी ही चालाकी से युवक को प्रेम जाल और पारिवारिक दबाव में फंसाकर इस ठगी को अंजाम दिया।

कोच्चि पहुंचा नीदरलैंड्स नौसेना का युद्धपोत डी रूयटर, भारत के साथ करेगा युद्धाभ्यास

कोच्चि, 6 मई (एजेंसियां)। रॉयल नीदरलैंड्स नेवी का अत्याधुनिक युद्धपोत एचएनएलएमएस डी रूयटर (एफ804) 4 मई 2026 को कोच्चि बंदरगाह पहुंचा। जो समुद्री सुरक्षा में भारत और नीदरलैंड्स के बीच बढ़ती मित्रता का प्रतीक है। यह जहाज डी ज़ेवेन प्रोविंसीएन क्लास का फ्रिगेट है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में पांच महीने की तैनाती पर है। इस मौके पर रॉयल नीदरलैंड्स नेवी के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल (रॉयल मरीन्स) रॉब डे विट और नीदरलैंड्स की राजदूत मारिसा जेराड्र्स भी कोच्चि पहुंचे। कोच्चि बंदरगाह पर पहुंचने पर,एचएनएलएमएस डी रूयटर को भारतीय नौसेना के फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट द्वारा एस्कॉर्ट किया गया और नौसेना बैंड के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।

यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। इस दौरान डिप्टी कमांडर ने सदर्न नेवल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल प्रकाश गोपालन से मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच समुद्री सुरक्षा, ट्रेनिंग और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। अपने दौरे के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल कोच्चि स्थित कई नौसेना प्रशिक्षण संस्थानों का दौरा करेगा, जहां उन्हें आधुनिक सिमुलेटर और ट्रेनिंग सिस्टम्स की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भी जाएगा, जहां भारत की जहाज निर्माण क्षमता और संभावित औद्योगिक सहयोग पर चर्चा होगी।

कोच्चि से रवाना होने के बाद डी रूयटर भारतीय नौसेना के साथ पाससेक्स(पासेज एक्सरसाइज) में हिस्सा लेगा, जिससे दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल और ऑपरेशनल क्षमता और मजबूत होगी। डी रुयटर एक वायु रक्षा और कमान फ्रिगेट है। ये जहाज रॉयल नीदरलैंड्स नौसेना की सबसे उन्नत प्रणाली हैं।

16 साल पुराने फायरिंग केस में दो कारोबारी बरी, सबूतों के अभाव में कोर्ट ने दी राहत

बोरीवली, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बोरीवली की एक स्थानीय अदालत ने दक्षिण मुंबई के दो रईस व्यवसायियों को राहत देते हुए उन्हें 16 साल पुराने एक आपराधिक मामले से बरी कर दिया है। यह मामला साल 2010 में मलाड इलाके में कथित तौर पर हवा में फायरिंग करने और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से जुड़ा था। आरोपियों की ओर से प्रभावी पैरवी करने वाले एडवोकेट सुनील पांडे ने कोर्ट को बताया कि पुलिस के पास ठोस सबूतों का अभाव है। कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील की दलील सुनने के बाद फैसला सुनाते हुए जमानत स्वीकार कर ली। उधर कोर्ट में गवाह और सुबूत पेश न कर पाने में पुलिस पर बड़ा सवाल उठ रहा है।

सुनवाई के दौरान एडवोकेट सुनील पांडे ने कोर्ट का ध्यान इस ओर खींचा कि जिस पिस्टल से फायरिंग करने का दावा किया गया था, उसे न तो कोर्ट में पेश किया गया और न ही पंच गवाहों को दिखाया गया। इसके अलावा, मामले में कोई चश्मदीद गवाह मौजूद नहीं था। मुख्य गवाह ने क्रॉस-एग्जामिनेशन में स्वीकार किया बल्कि वह केवल आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा था।

रिटायर्ड बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर के 40.90 लाख रुपये की ठगी

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक हैरान करने देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक रिटायर्ड बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर के 40.90 लाख रुपये की ठगी की गई है। चौंका देने वाली बात ये है कि रिटायर्ड बैंकर को करीब 50 से ज्यादा दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर के रखा गया था। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने खुद को दिल्ली पुलिस और एनआईए अधिकारी के तौर पर पेश किया था।

साइबर ठगी के एक मामले में, दिल्ली पुलिस और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी बनकर ठगों ने भांडुप के एक सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर से लगभग 40.90 लाख की ठगी की। पीड़ित को यह कहकर भी डराया गया कि दिल्ली धमाकों में डॉक्टर शाहीन के फोन में पीड़ित का नाम मिला है।

इस मामले में ईस्ट रीजन साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 61 वर्षीय पीड़ित, जो भांडुप का रहनेवाला है, पीड़ित को 10 मार्च 2026 को सिग्नल ऐप पर एक अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आया।

कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस और एनआईए का पीएसआई रैंक का अधिकारी बताया। ठगों ने दावा किया कि पीड़ित का नाम, आधार विवरण और मोबाइल नंबर दिल्ली बम धमाके के एक संदिग्ध के मोबाइल डेटा में सामने आया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कर्नाटक के हुबली में पीड़ित के नाम पर एक बैंक खाता खोला गया है, जिसके जरिए 2.65 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है।

आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट का नाम लेकर कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर पीड़ित को डराया। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने पीड़ित को बताया कि मामला बंद हो गया है और अपने फोन बंद कर दिए।

ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) पर संपर्क किया और साइबर पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई। इस घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है, और आगे की जांच जारी है।

महिला ने 13वीं मंजिल से कूदकर दी जान

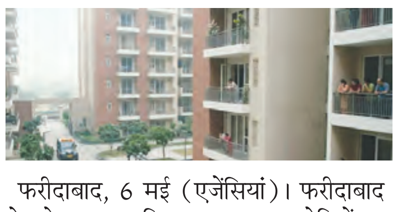

फरीदाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। फरीदाबाद के सेक्टर-88 स्थित एसआरएस रेजिडेंट्स सोसायटी में एक महिला ने 13वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी। मृतका की पहचान रिचा गोयल के रूप में हुई है, जो सी-4 टावर में अपने परिवार के साथ रहती थी। महिला लिफ्ट के जरिए सी-1 टावर की 13वीं मंजिल तक पहुंची थी। सोसायटी के गार्ड ने उसे जाते हुए देखा, लेकिन किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। इसके कुछ ही देर बाद महिला ने छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रिचा गोयल के पति राहुल गोयल अदानी गैस कंपनी में मैनेजर हैं और घटना के समय आगरा स्थित अपने गांव गए हुए थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद वह फरीदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद के चलते महिला द्वारा यह कदम उठाने की बात सामने आ रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 7 मई, 2026 3

सुविचार: परमात्मा से शिकायत मत किया करो क्योंकि वो हमसे बेहतर इस बात को जानते हैं, कि हमारे लिए क्या अच्छा हो सकता है।

किसानों की मौत की जिम्मेदार कांग्रेस सरकार : राव

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को मंचेरियल जिले के लक्सेट्टिपेट मंडल में तीन किसानों की मौत के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। बताया गया है कि ये किसान तेज बारिश और आंधी के बीच धान खरीद केंद्रों पर अपनी फसल की रखवाली करते समय मौत का शिकार हो गए। राव ने कड़े शब्दों में इस घटना को प्रशासनिक विफलता और अयोग्यता का परिणाम बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि खरीद प्रक्रिया में देरी के कारण किसानों को हफ्तों तक केंद्रों पर रुकना पड़ा, जिससे वे खराब मौसम के संपर्क में आ गए। उन्होंने मृतक किसानों–गुंडारापु वेंकटेश, तनुगुला अभिराम और लच्छन्ना के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राव ने कहा, यह अत्यंत दुखद है कि देश का पेट भरने वाले किसान अपनी फसल बचाते हुए जान गंवा रहे हैं। यह राज्य सरकार की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), मजदूरी, परिवहन और अन्य खर्चों के लिए केंद्र से सहायता मिलने के बावजूद खरीद में देरी क्यों हुई। राव ने मृतकों के परिवारों को तत्काल मुआवजा देने और युद्धस्तर पर फसल खरीद पूरी करने की मांग की।

हैदराबाद मेट्रो फेज–2 को जल्द मंजूरी देने की मांग

सीएम रेवंत रेड्डी ने की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर हैदराबाद मेट्रो रेल फेज–2 परियोजना को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने मेट्रो फेज–2 के लिए सात कॉरिडोर वाली विस्तृत योजना तैयार कर ली है और इसका डीपीआर पहले ही केंद्र सरकार को सौंपा जा चुका है। यह परियोजना लगभग 122.9 किलोमीटर लंबी होगी, जिसकी अनुमानित लागत करीब 38,595 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने तेजी

से विकसित हो रहे हैदराबाद में सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मेट्रो नेटवर्क का विस्तार समय की जरूरत है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस परियोजना को संयुक्त उपक्रम के रूप में मंजूरी देने की अपील की।

रेवंत रेड्डी ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने मेट्रो रेल फेज–1 को एलएंडटी से अपने नियंत्रण में ले लिया है, जिससे फेज–2 और फेज–3 परियोजनाओं को लागू करने में आसानी होगी। इसके अलावा उन्होंने फेज–3 के तहत राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से भारत फ्यूचर सिटी कॉरिडोर को शामिल करने का अनुरोध किया और बताया कि इसका डीपीआर भी केंद्र को भेजा जा चुका है। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शोपियां में सीआरपीएफ जवान की मौत, जांच शुरू

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। बताया गया कि हैदराबाद के रहने वाले हेड कांस्टेबल सुरिंदर सिंह मंगलवार देर रात जैनापोरा स्थित सीआरपीएफ शिविर में अचानक बेहोश हो गए। वहां मौजूद अन्य जवानों ने तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जवान को जैनापोरा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

राउडी शीटर्स और ड्रग उपभोक्ताओं का औचक मेडिकल टेस्ट

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के निर्देश पर टास्क फोर्स और हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग (एच–न्यू) ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत राउडी शीटर्स, उपद्रवी तत्वों और एनडीपीएस मामलों में शामिल ड्रग्स के नियमित उपभोक्ताओं का औचक मेडिकल परीक्षण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ड्रग्स का सेवन करने वाले व्यक्तियों को इसके दुष्परिणामों और कानूनी कार्रवाई के बारे में जागरूक करना था। यह अभियान वैभव रघुनाथ गायकवाड़, डीसीपी और अतिरिक्त डीसीपी अंधे श्रीनिवास के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

मेडिकल जांच उस्मानिया जनरल अस्पताल, गांधी अस्पताल और एर्रागड्डा स्थित सरकारी मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल में डॉक्टरों के सहयोग से कराई गई। जांच के दौरान गांधी अस्पताल में 41 लोगों की जांच की गई, जिनमें 12 पॉजिटिव और 29 नेगेटिव पाए गए। उस्मानिया अस्पताल में 90 लोगों की जांच में 52 पॉजिटिव और 38 नेगेटिव मिले। वहीं एर्रागड्डा मानसिक अस्पताल में 73 लोगों की जांच में 23 पॉजिटिव और 50 नेगेटिव पाए गए। कुल 204 लोगों की जांच में 87 व्यक्ति ड्रग्स सेवन में पॉजिटिव पाए गए। पॉजिटिव पाए गए लोगों को मनोचिकित्सकों द्वारा काउंसलिंग दी गई और उन्हें नशे के दुष्प्रभावों तथा पुनर्वास के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

साथ ही उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। हैदराबाद सिटी पुलिस की टास्क फोर्स और एच–न्यू ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स से जुड़े अपराधों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा और प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे नशे से दूर रहें और एक सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें।

अभिनेत्री से छेड़छाड़ मामले में सजा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक स्थानीय अदालत ने चारमीनार के पास एक बंगाली अभिनेत्री से छेड़छाड़ करने वाले व्यक्ति को सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को सात दिन के कारावास की सजा दी है। नामपल्ली स्थित प्रथम न्यायिक विशेष न्यायालय ने आरोपी अब्दुल वाजिद (40) को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल की एक प्रसिद्ध अभिनेत्री 2 मई की शाम अपने परिवार के साथ चारमीनार घूमने आई थीं। इस दौरान जब वह आसपास के फुटपाथों पर खरीदारी कर रही थीं, तभी टोलीचौकी निवासी आरोपी ने उनका पीछा किया और उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। घटना से परेशान अभिनेत्री ने चारमीनार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी मानते हुए सात दिन की जेल की सजा सुनाई।

किसानों की मौत पर बीआरएस का विरोध

50 लाख मुआवजे की मांग

मंचेरियल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टिन शेड की दीवार गिरने से चार किसानों की मौत के मामले में बीआरएस नेता टी जीवन रेड्डी ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है। उन्होंने पूर्व विधायक एन दिवाकर रेड्डी के साथ बुधवार को लक्सेट्टीपेट में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने उच्च अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने और मृत किसानों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। जीवन रेड्डी ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने यासांगी फसल के दौरान धान खरीद में देरी को लेकर भी सरकार की आलोचना की और कहा कि इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दिवाकर रेड्डी ने भी खरीद प्रक्रिया में देरी को किसानों के लिए परेशानी का कारण बताया और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवारों को तत्काल राहत दी जानी चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इससे पहले दोनों नेताओं ने लक्सेट्टीपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती घायल किसानों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बकरीद को लेकर पुलिस की समन्वय बैठक

कानून–व्यवस्था पर जोर

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने बकरीद पर्व के मद्देनजर कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी में विभिन्न गौ–रक्षा संगठनों के साथ समन्वय बैठक की। बैठक में एहतियाती उपायों और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल और एम. श्रीनिवासुलु, संयुक्त पुलिस आयुक्त एन. श्वेता, विभिन्न जोनों के डीसीपी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए, जिनमें युगा तुलसी फाउंडेशन के कोलिसेट्टी शिवकुमार, लव फॉर काउ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धेश जगिदार, भारतीय प्राणी मित्र संघ के जसराज श्रीस्रेमाल, गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड़, गोरक्षक दल के दीपक सिंह, अखिल भारतीय गोसेवा फाउंडेशन के ए. बालकृष्ण, बजरंग दल के श्रीकांत और विश्व हिंदू परिषद के बी. नरसिम्हा मूर्ति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पुलिस ने सभी संगठनों से शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। साथ ही त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही गई।

नवजात शिशु बेचने के आरोप में दो नर्सें गिरफ्तार

मेदक, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी अस्पताल की दो नर्सों को नवजात शिशु को बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शिशु को खरीदने वाले दंपति को भी हिरासत में लिया है और बच्चे को सुरक्षित उसके माता–पिता को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 12 अप्रैल की है, जब नर्सों ने माता–पिता को गुमराह करते हुए बताया कि जन्म के तुरंत बाद शिशु की मृत्यु हो गई है। बाद में मामला तब सामने आया जब माता–पिता को इस पर संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। जानकारी के मुताबिक, पापन्नापेट मंडल के लक्ष्मीनगर की रहने वाली नसरा फातिमा को नर्सों ने बताया था कि शिशु की मौत हो गई है और उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इस पर विश्वास कर दंपति घर लौट गया। बाद में एक अस्पताल से सूचना मिली कि बच्ची को सिद्दिपेट में मोहम्मद इकबाल और अख्तरी बेगम को करीब 1.5 लाख रुपये में बेचा गया था। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर बच्ची को ढूंढ निकाला। जन्म के 24 दिन बाद बच्ची को उसके माता–पिता से मिला दिया गया, जिससे दंपति ने राहत की सांस ली। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और जल्द ही अन्य जानकारियां साझा करने की बात कही है।

हल्की बारिश से मिली राहत, फिर बढ़ने लगा तापमान

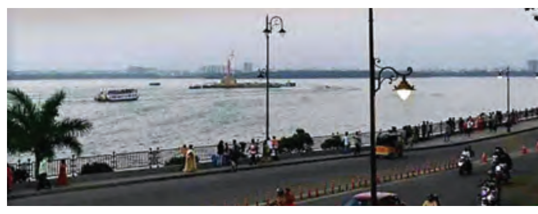

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों की भीषण गर्मी के बाद बुधवार सुबह हैदराबाद में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। सुबह आसमान में बादल छाए रहे और हल्की बारिश के कारण कुछ समय के लिए तापमान में गिरावट आई। मंगलवार देर रात हुई छिटपुट बारिश, तेज हवाओं और गरज के कारण शहर में ठंडक महसूस की गई, लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी और सुबह होते ही तापमान फिर बढ़ने लगा। पिछले 24 घंटों के दौरान शहर के कई इलाकों में अधिकतम तापमान ऊंचा दर्ज किया गया। बेगमपेट में 40.7 डिग्री सेल्सियस, राजेंद्रनगर में 40 डिग्री, हयातनगर में 39.6 डिग्री और पाटनचेरु में 39.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान लगभग 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं, तेलंगाना के उत्तरी जिलों में गर्मी का असर जारी है। आदिलाबाद में 42.8 डिग्री, निजामाबाद में 42.4 डिग्री, महबूबनगर में 42.2 डिग्री, रामागुंडम में 41.3 डिग्री और नालगोंडा में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पति की पिटाई से महिला की मौत

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर के फतेहनगर इलाके में पति द्वारा कथित रूप से बेरहमी से पीटे जाने के बाद एक महिला की मौत हो गई।

पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ओडिशा की रहने वाली सस्मिता पर उसके पति चंद्रभान ने हमला किया। आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से संबंध है और वह फोन पर उससे बात कर रही थी। बताया गया कि गुस्से में आकर चंद्रभान ने सस्मिता के सिर पर डम्बल से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को इलाज के लिए गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। सनाथनगर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF D.O.B

I, SIVARAM PRASAD A S/o. PEDA NAGAIAH, Army. No. 15327521H, Rank: HAV, R/o. H. No.: 11-15-75/22, Garikipativari Street, Repalle Mdl, Bapatla Dist, AP-522265. That, my son's (ADUSUMALLI SHYANWIK CHARAN) date of birth has been wrongly recorded in my service documents from 18/12/2016 (Old DOB) to 08/12/2016 (New DOB), the same has been corrected, affidavit date: 05/05/2026.

CHANGE OF NAME

I, Pendel Chandrasekhar, S/o P Lakshminarayana, R/o H.No. 1-1-3/506-509/401, Sri Devadatta Avenue, Goudapuri Colony, Kapra, Telangana. I have changed my Name from Pendel Chandrasekhar, S/o P Lakshminarayana to Pendela Chandra Sekhar, S/o Pendela Laxmi Narayana. For all purpose vide affidavit.

I, Thankachan K N, Father of No. 17017023W, CFN, Raghul Thankachan, R/o, Dist : Idukki, Keralam, changed my name from Thankachan K N to Thankachan , vide Affidavit No. 466595 dt. 04.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, RUBINA FAROOQUI D/o SYED EJAZ, R/o H.No.4-2-20, Dwaraka Nagar Colony Kalimandir Bandlaguda KV Rangareddy T.S 500086,Changed My Name to RUBINA BEGUM affidavit Dated 19/05/2025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिल विवाद ने लिया हिंसक रूप, कर्मचारियों पर हमला

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर स्थित एक रेस्तरां में बिल भुगतान को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना 2 मई को अर्बन रेस्टोरेंट में हुई। कुछ लोग बिना बिल चुकाए जाने लगे, जिस पर कर्मचारियों ने उन्हें रोका। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

बताया गया कि हमलावर चाकू और लकड़ी की लाठियों से लैस थे। उन्होंने रेस्तरां के अंदर जमकर उत्पात मचाया और कर्मचारियों को घायल कर फरार हो गए। यह मामला तब सामने आया जब बुधवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घायल कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सरूरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हमलावर कुख्यात अपराधियों येदुला प्रसन्ना रेड्डी और येदुला यशवंत रेड्डी के सहयोगी बताए जा रहे हैं, जो फिलहाल फरार हैं। आरोपियों की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

युवाओं में बदल रही सफलता की सोच

'आरामदायक जीवन' को दे रहे प्राथमिकता

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वर्षों से सफलता की एक तय छवि रही है, जिसमें सुबह जल्दी उठना, व्यस्त दिनचर्या, लगातार डेडलाइन और हमेशा काम में लगे रहना शामिल था। लेकिन अब यह सोच धीरे–धीरे बदल रही है। बड़ी संख्या में युवा पेशेवर लगातार व्यस्त रहने के दबाव से दूर हटकर एक संतुलित और सहज जीवनशैली अपना रहे हैं। 'आरामदायक जीवन' का अर्थ महत्वाकांक्षाओं को छोड़ना नहीं है, बल्कि दिनचर्या को इस तरह व्यवस्थित करना है, जिसमें आराम, लचीलापन और संतुलन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। आजकल कई लोग अत्यधिक तनाव से बचते हुए मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समय और लंबे समय तक टिकाऊ काम को प्राथमिकता दे रहे हैं।

कुछ लोगों के लिए यह बदलाव बर्नआउट के अनुभव के बाद आया है। आईटी क्षेत्र में काम कर चुके कार्तिक रेड्डी बताते हैं कि लगातार डेडलाइन और लंबे काम के घंटे उनके लिए थकान भरे हो गए थे। अब वे फ्रीलांस कंटेंट राइटर के रूप में काम कर रहे हैं और अपने समय पर अधिक नियंत्रण महसूस करते हैं। उनका कहना है कि भले ही कुछ महीनों में आय कम हो, लेकिन जीवन में शांति और संतोष अधिक है। यह बदलाव रोजमर्रा के छोटे–छोटे फैसलों में भी दिखाई दे रहा है, जैसे बिना अपराधबोध के आराम करना, अकेले समय बिताना, अनावश्यक खर्च कम करना और दिन को कामों से अधिक न भरना। अब लोग लगातार उत्पादक रहने की बजाय संतुलित और शांत जीवन की ओर ध्यान दे रहे हैं। वेलनेस विशेषज्ञ अनन्या मेहरा के अनुसार, लोग यह समझने लगे हैं कि हर समय व्यस्त रहना सफलता का पैमाना नहीं है। उनका कहना है कि 'आरामदायक जीवन' का मतलब है सीमाएं तय करना, बिना अपराधबोध के आराम करना और सफलता को संतुलित नजरिए से देखना, जिसमें समग्र कल्याण को भी महत्व दिया जाए।

साइबराबाद में ड्रग जांच अभियान,

128 में से 11 लोग पॉजिटिव

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों के दुरूपयोग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साइबराबाद पुलिस ने एक विशेष ड्रग जांच अभियान चलाया, जिसमें चिन्हित बदमाशों की जांच की गई। मंगलवार को चलाए गए इस अभियान में कानून–व्यवस्था इकाइयों के समन्वय से प्रवर्तन टीमों ने कुल 128 लोगों की जांच की। इनमें से 11 व्यक्तियों में गांजा सेवन की पुष्टि हुई, जबकि 117 लोग निगेटिव पाए गए। जोनवार आंकड़ों के अनुसार, सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र में 44 में से छह लोग पॉजिटिव पाए गए। कुथबुल्लापुर में 59 में से चार और कुकटपल्ली में 25 में से एक व्यक्ति पॉजिटिव मिला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही, भविष्य में दोबारा ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए परामर्श और निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी।

हैदराबाद में सांप को बचाने का अभियान जारी

10 साल में 55 हजार से अधिक रेस्क्यू

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पिछले एक दशक में सांपों को बचाने के मामलों में हर साल 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) और फ्रेंड्स ऑफ स्नेक्स सोसाइटी (एफओएसएस) के संयुक्त अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के अनुसार, 2013 से 2022 के बीच कुल 55,467 सांपों को बचाया गया, जिनमें से 54 प्रतिशत विषैली प्रजातियों के थे। रिपोर्ट में बताया गया कि चश्मेदार कोबरा और भारतीय चूहा सांप जैसे दो प्रमुख प्रजातियों का हिस्सा कुल रेस्क्यू मामलों में 76 प्रतिशत रहा। ये प्रजातियां शहरी क्षेत्रों में खुद को बेहतर ढंग से अनुकूलित कर रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, इन सांपों की पारिस्थितिक भूमिका महत्वपूर्ण है और इनके संतुलन में गड़बड़ी से शहर में चूहों जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। अध्ययन में शहर के 232 ऐसे हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां सांपों के दिखने की घटनाएं अधिक होती हैं। ये क्षेत्र मुख्य रूप से तेजी से विकसित हो रहे बाहरी इलाके हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि शहरीकरण और आवास में बदलाव मानव–सांप संपर्क को बढ़ा रहे हैं। शोध में यह भी पाया गया कि मानसून (जुलाई से नवंबर) के दौरान सांपों की गतिविधि सबसे अधिक रहती है और अक्टूबर में यह चरम पर पहुंच जाती है। गर्म मौसम में उनकी सक्रियता बढ़ती है, जबकि लगातार बारिश होने पर उनकी गतिविधि कुछ समय के लिए कम हो जाती है।

स्टील फ्लाईओवर का निर्माण शुरू

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर (एच–सीआईटीआई) परियोजना के तहत इंडो–अमेरिकन कैंसर अस्पताल के पास स्टील फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। नगर निगम के अनुसार, करीब तीन सप्ताह पहले बंजारा हिल्स में बीआरएस कार्यालय और महाराजा अग्रसेन द्वीप के बीच गहरी खुदाई का काम शुरू हुआ था, जो अब अस्पताल के आसपास के क्षेत्र तक पहुंच गया है। फ्लाईओवर निर्माण के तहत जीएचएमसी द्वारा मरीजों और उनके परिजनों के लिए बनाए गए हरे रंग के शेड को हटा दिया गया है। साथ ही, आसपास के यातायात द्वीपों पर मौजूद कई पेड़ों को भी काट दिया गया है, जिससे वहां की छाया खत्म हो गई है। इस बदलाव से मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, जो पहले इन स्थानों पर छाया का लाभ उठाते थे। जीएचएमसी के अनुसार, एच–सीआईटीआई परियोजना के तहत केबीआर पार्क के आसपास सात स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा रहे हैं, ताकि शहर में सिग्नल–मुक्त यातायात सुनिश्चित किया जा सके।

स्कूल बस में लगी आग चालक की सूझबूझ से बच्चों की जान बची

मेरठ, 6 मई (एजेंसियां)। मेरठ के हस्तिनापुर कस्बे में बुधवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब बच्चों को लेकर स्कूल जा रही हस्तिनापुर पब्लिक स्कूल की बस में अचानक आग लग गई। चालक की सतर्कता और स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को समय रहते बस से बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस जैसे ही गणेशपुर मार्ग पर थाने के पास अनाज मंडी के करीब पहुंची, तभी उसमें से अचानक धुआं निकलने लगा।

स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत बस रोक दी और बच्चों को तेजी से नीचे उतारना शुरू कर दिया। आसपास मौजूद लोगों ने भी मदद करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

'100 फीसदी पीडीए सरकार आएगी'

ओम प्रकाश राजभर के बयान से खलबली, अखिलेश यादव भी चौंके

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)।

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो 2027 में सौ फीसदी पीडीए की सरकार बनने का दावा करते हुए दिख रहे हैं। हालांकि बाद में उन्होंने गलती सुधारते हुए एनडीए सरकार आने की बात कहीं, जिस पर अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुटकी ली। अखिलेश यादव ने ओम प्रकाश राजभर के मुंह पीडीए की सरकार बनने के दावे पर चुटकी ली और कहा कि मन से तो ये भी चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में पीडीए की सरकार बननी चाहिए लेकिन, अपने लालच की वजह से नहीं बोल पा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि जो सच होता है वो

अपने आप ही मुंह से निकल जाता है इसलिए राजभर के मुँह से भी पीडीए की सरकार आने की बात कही गई। सपा मुखिया ने राजभर के वायरल वीडियो को शेयर कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- 'सच अपने आप निकलता है और झूठ सोचकर बोला जाता है। आपने सच कहा, सही कहा 'पीडीए' आ रहा है। कोहनी मारकर मुँह से निकले सच को बदलने की कोशिश न की जाए।

सच तो ये है कि मन से तो ये भी पीडीए ही हैं, बस अपने लालच के मारे हैं।' बता दें कि ओम प्रकाश राजभर का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो पत्रकारों के सवालों के प्रेसवार्ता में दिख रहे हैं। इसी क्रम में एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि 2027 में किसकी सरकार बन रही है। इस पर ओम प्रकाश राजभर कहते हैं पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। पीडीए आ रहा है। सौ परसेंट राजा के लक्षण परिलक्षित हो रहे हैं पीडीए आ रहा है। राजभर ने मुँह से पीडीए की बात सुनकर पास बैठे उनकी पार्टी के ही एक नेता ने कोहनी से इशारा कर उन्हें गलती का एहसास कराया, जिसके बाद ओम प्रकाश राजभर ने अपनी बात में सुधार करते हुए एनडीए सरकार आने का दावा किया और कहा कि पीडीए नहीं एनडी की सरकार आएगी।

पीसीएस ज्योति मौर्य के पति आलोक अब पॉलिटिक्स में करेंगे एंट्री? केशव मौर्य संग तस्वीरें शेयर कीं

प्रयागराज, 6 मई (एजेंसियां)। पीसीएस अफसर बीवी ज्योति मौर्य से खटपट को लेकर प्रयागराज के आलोक मौर्य पिछले एक साल से सुर्खियों में हैं। पिछले दिनों आलोक मौर्य ने मीडिया को बताया कि उनकी पत्नी के साथ सुलह होने वाली है। वे दोनों बच्चों के साथ अब साथ रहेंगे। हालांकि इस मामले पर ज्योति मौर्य ने कोई जवाब नहीं दिया। इस बीच, आलोक मौर्य यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के नजदीक नजर आ रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य के साथ उन्होंने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिला पंचायत सभागार में केशव प्रसाद मौर्य शिक्षामित्र सम्मान समारोह में शामिल होने आए तो वहां पर आलोक मौर्य भी मौजूद थे।

एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में उन्होंने बताया कि जन सेवा की भावना से अब वह राजनीति में अपना करियर बनाना चाहते हैं। फिलहाल वह भारतीय जनता पार्टी के नजदीक है, लेकिन अन्य राजनीतिक दलों का ऑप्शन भी खुला है। विधानसभा चुनाव 2027 में जनप्रतिनिधि के तौर पर अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं। आलोक मौर्य ने बताया कि वह राजनीति में महिलाओं के 50 प्रतिशत आरक्षण के समर्थक हैं, लेकिन महिला आयोग की तर्ज पर पुरुष आयोग का भी गठन होना चाहिए। पुरुष आयोग के गठन की मांग उनका सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा होगा। सोशल मीडिया और वास्तविक धरातल पर उनके साथ समर्थकों की काफी बड़ी संख्या है। अपने समर्थकों की विचार के अनुसार ही वह राजनीति में आकर जन सेवा करने की भावना से आगे बढ़ना चाहते हैं।

अनंत सिंह पर एफआईआर

हथियारों संग समर्थकों ने किया था डांस

पटना, 6 मई (एजेंसियां)। गोपालगंज पुलिस ने मोकामा से जेडीयू विधायक और बाहुबली अनंत सिंह पर एफआईआर दर्ज की है। 3 दिन पहले अनंत सिंह गोपालगंज के मीरगंज में एक जनेऊ कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उनके समर्थकों ने खुलेआम हथियार लहराए थे। इसी कार्यक्रम में अश्लील डांस भी हुआ था। अनंत सिंह डांस पर तालियां बजाते दिखाई दिए थे।

हथियार लहराने और डांस का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया था। इस पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया है।

पुलिस ने 9 नामजद समेत कई लोगों पर केस दर्ज किया है। पूरा मामला मीरगंज के सेमराव गांव में गुड्डू राय के घर 2 और 3 अप्रैल को जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम का है। जनेऊ में अनंत सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे और उनके लिए ठहरने और खाने-पीने की खास व्यवस्था की गई थी। इस दौरान अवैध / प्रतिबंधित, लाइसेंसी हथियारों का प्रदर्शन / लहराया गया। साथ ही अश्लील डांस का प्रसारण किया गया। उक्त कृत्य का वीडियो बनाकर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसारित भी किया गया। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो तेजी से वायरल हुए। वीडियो सामने आते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और जांच शुरू कर दी गई।

शादी से मुकरा प्रेमी, तो शादीशुदा प्रेमिका ने थाने में खा लिया जहर

फतेहपुर, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के ललौली थाना से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां थाने में एक महिला ने युवक द्वारा शादी से इंकार करने पर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। आनन-फानन में पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। महिला ने बताया कई सालों से एक युवक उसके साथ शारीरिक संबंध में था। शादी का प्रस्ताव रखने पर उसने मना कर दिया। मामले को लेकर पुलिस के पास गई तो कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। अब पुलिस पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

महिला ने बताया कि शादी से इंकार करने पर लगभग 20 दिन पहले बिंदकी कोतवाली में लिखित शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। फिर आदित्य के गांव हरियापुर गई, जहां पर मेरे साथ अभद्रता की गई, जिसकी शिकायत ललौली थाने पहुंचकर किया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

मंत्री बनेंगे नीतीश के बेटे निशांत कुमार

आज गांधी मैदान में लेंगे शपथ, देर रात पार्टी नेताओं ने मनाया; जदयू नेताओं संग नीतीश की बैठक जारी

पटना, 6 मई (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार सम्राट कैबिनेट में मंत्री बनेंगे। आज वो गांधी मैदान में मंत्री पद की शपथ लेंगे बताया जा रहा है कि देर रात चली जेडीयू नेताओं की मीटिंग के बाद निशांत मंत्री बनने के लिए मान गए हैं। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी दिल्ली से पटना पहुंच गए हैं। 7 सर्कुलर रोड स्थित नीतीश कुमार के आवास पर जदयू नेताओं बैठक चल रही है। बैठक में जदयू की ओर से बनने वाले मंत्रियों की लिस्ट पर फाइनल मुहर लगेगी। बैठक के बाद देर शाम जदयू की ओर से मंत्रियों की लिस्ट जारी की जा सकती है। निशांत फिलहार बिहार यात्रा पर हैं। सम्राट चौधरी ने भी सीएम बनने के बाद कहा था- निशांत कैबिनेट में साथ आएं तो मुझे खुशी होगी।

निशांत ने शुरुआत में सरकार का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया था। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए हुए थे और किसी पद को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे। जानकारी के अनुसार, जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं और करीबी लोगों ने उन्हें बीती रात समझाया कि मौजूदा समय में उनका सरकार में शामिल होना पार्टी और राज्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। लंबी बातचीत के बाद उनके रुख में बदलाव आया और वे तैयार हो गए। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को सीएम पद की शपथ ली थी। उनके साथ जदयू के दो नेताओं (विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव) ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। 7 मई को 27 मंत्री गांधी मैदान में शपथ ले सकते हैं।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 12.50 लाख की ठगी

वाराणसी, 6 मई (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के काशीपुर , कुरहुआ के रहने वाले योगेन्द्र तिवारी की तहरीर पर मनी लॉनड्रिंग के नाम पर डिजिटल अरेस्ट करके 12.50 लाख रुपए ट्रांसफर कराने वाले जालसाजों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। योगेंद्र तिवारी का आरोप है कि 27 फरवरी को मोबाइल पर फोन आया कि मैं दूर संचार विभाग (ट्राई) से विजय शर्मा बोल रहा हूँ। आपके नाम से एक शिकायत है।

जिसका दुसरे मोबाइल पर व्हाट्सएप काल पर जानकारी कर लीजिए कि आपके नाम क्या शिकायत है। योगेंद्र ने जब उस नंबर से वीडियो काल किया तो द्वारा बताया गया कि मैं दिल्ली पुलिस स्टेशन से विजय खन्ना बात कर रहा हूँ। आपके नाम नरेश गोयल मनी लानड्रिंग का केस है। आपके नाम से एक और नंबर चलता है जो उस खाते से जुड़ा हुआ है। इसलिए आपकी सम्पत्ति और खातों की जाँच की जाएगी।

पिकअप पलटने के बाद ट्रक ने रौंदा, दो महिलाओं समेत 4 की मौत

सारण, 6 मई (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिले में भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यायबस्ती लोहा टोला के समीप अहले सुबह एक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो महिलाओं सहित चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह लगभग चार से पांच बजे के बीच की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

चार लोगों की हादसे में मौत के बाद कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने हादसे की जांच भी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, एक शादी समारोह में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के बाद आर्केस्ट्रा कर्मी डीजे लदी पिकअप पर सवार होकर लौट रहे थे। डॉक्टर पीएन। सिंह डिग्री कॉलेज से पश्चिम दिशा में पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के वक्त पिकअप पर सवार कलाकार सड़क पर जा गिरे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिससे चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया,

ममता की हार के बाद अखिलेश यादव ने उठाया बड़ा कदम

आई-पैक के साथ डील रद्द की

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम विपक्षी दलों के इंडी अलायंस के लिए बड़ा झटका बनकर सामने आए हैं। बंगाल चुनाव नतीजे का इंपैक्ट दिखने लगा है। सामजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने चुनावी रणनीति बनाने वाली और चुनाव प्रबंधन करने वाली कंपनी आई-पैक के साथ अपनी डील रद्द कर दी है। आपको बता दें कि साल 2027 के शुरुआती महीनों में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

ऐसे में अखिलेश यादव का ये कदम काफी अहम माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि 2027 चुनाव के लिए अखिलेश यादव ने चुनाव प्रबंधन के लिए आई-पैक को हायर किया था लेकिन बंगाल चुनाव में टीएमसी की करारी हार के बाद अखिलेश यादव ने अपना फैसला बदल लिया है। आई-पैक से अपनी डील रद्द कर दी है। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति और चुनाव प्रबंधन आई-पैक कर रही थी। हालांकि, चुनाव में टीएमसी की बुरी हार हुई और ममता बनर्जी भी चुनाव हार गईं। बता दें कि बंगाल में ईडी ने आई-पैक के खिलाफ एक्शन भी लिया था। पश्चिम बंगाल और असम के नतीजे से इंडी अलायंस में हड़कंप है। 2027 में यूपी में विधानसभा चुनाव है।

ऐसे में अखिलेश यादव मैदान में उतरकर चुनावी तैयारी में जुट गए हैं। अखिलेश यादव आज शाहजहांपुर जा रहे हैं जहां वो समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं से मुलाकात करेंगे, संगठन और बूथ को मजबूत करने की चर्चा करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि शाहजहांपुर में विधानसभा की 6 सीट है जिसमें सभी 6 सीटें बीजेपी के पास है। यानि शाहजहांपुर में समाजवादी पार्टी शून्य पर आउट हो गई थी जबकि यहां भी मुस्लिम वोटर्स की तादाद अच्छी है। शाहजहांपुर जिले में 17 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम आबादी है जबकि शाहजहांपुर टाउन में 44 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम हैं। ऐसे में अखिलेश अब अपने एम वॉय समीकरण को साधने की कोशिश कर रहे हैं।

चिता जल रही थी और खोपड़ी निकाल ली, गर्लफ्रेंड के 'वशीकरण' के लिए तांत्रिक अनुष्ठान

हापुड़, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां अंधविश्वास के जाल में फंसे कुछ युवकों ने एक जलती चिता से मानव खोपड़ी चुरा ली। हापुड़ देहात थाना पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसके बाद इस पूरी सनसनीखेज साजिश का खुलासा हुआ है। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपियों की करतूत रास्ते में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हापुड़ देहात क्षेत्र के एक श्मशान घाट से शवों के अवशेष, विशेषकर मानव खोपड़ी चोरी करने का मामला एक सीसीटीवी की मदद से पुलिस के संज्ञान में आया था।

इस संबंध में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकदमा पंजीकृत किया। पुलिस के अनुसार, श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के दौरान कुछ युवक जलती चिता से मानव खोपड़ी और अवशेष लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान हुई। फुटेज में साफ देखा गया कि किस प्रकार आरोपी इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देकर मौके से भाग रहे थे। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

सीएम योगी ने सुनी 200 लोगों की समस्याएं

हर जरूरतमंद को आयुष्मान कार्ड बनाने की अपील

गोरखपुर, 6 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर बुधवार सुबह को आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के समाधान के लिए संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह बुधवार को भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे।

मुख्यमंत्री ने उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा, साथ ही भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल का इस्टीमेट मिलते ही विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी। जनता दर्शन में योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। सीएम योगी ने जनता दर्शन में महिलाओं के साथ आए उनके बच्चों को प्यार और आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया। इस दौरान उन्होंने एक महिला के साथ आए उसके दो बच्चों से हंसी-ठिठोली भी की और उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया।

लापता महिला पत्रकार को हाथ पैर और मुंह बांधकर झाड़ी में फेंका, पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश

मीरजापुर, 6 मई (एजेंसियां)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत गरेरी करौंदा के बीच में, गरेरी पुलिया के पास एक महिला को गंभीर स्थिति में पाया गया। महिला के हाथ, पैर और मुंह को बांधकर उसके शरीर पर पेट्रोल डालकर झाड़ी में फेंक दिया गया था। यह घटना मंगलवार की रात की है। बारात से लौट रहे कुछ व्यक्तियों ने झाड़ी में महिला को देखा और तुरंत राजगढ़ पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस को बुलाकर महिला को राजगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। महिला की पहचान अदलहाट क्षेत्र की एक महलिा पत्रकार के रूप में हुई। परिवार वालों ने बताया कि सरिता 30 तारीख को घर से बिल्डिंग मटेरियल खरीदने के लिए निकली थीं,

जिसके बाद से वे घर नहीं लौटीं। वह पेशे से एक यूट्यूबर और पत्रकार हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि किसी मामले की जानकारी देने के कारण दबंगों ने उनके साथ यह घिनौना व्यवहार किया होगा। घटना की जानकारी मिलने पर राजगढ़ थाना अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने बताया कि चूंकि महिला अदलहाट थाना क्षेत्र की निवासी हैं, इसलिए मामले को अदलहाट थाना को सौंप दिया गया है। वहां इस मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस्तीफा न देने पर अड़ीं ममता बनर्जी

केशव प्रसाद की दीदी को नसीहत- 'बस एक ही रास्ता बचा है कुर्सी खाली करो'

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद से भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की ओर से कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। यूपी के डिप्टी सीएम ने भी ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने नसीहत दी और कहा कि अब उनके पास ही एक ही रास्ता बचा है। केशव प्रसाद मौर्य ने ममता बनर्जी के इस्तीफा नहीं देने के ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया और लिखा- 'सुश्री ममता बनर्जी की विधानसभा में करारी हार उनकी व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि अत्याचार, सिंडिकेट, घुसपैठियों के संरक्षण, तुष्टिकरण की राजनीति और भ्रष्टाचार की भी पराजय है।

जनता का संदेश साफ है कुर्सी खाली करो। उनकी पार्टी का इतिहास इतना काला है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार अब कभी नहीं बनेगी। लोकतंत्र का गला घोटकर पश्चिम बंगाल को लूटने की परत-दर-परत जांच होगी। एक भी भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा। अपनी सम्मानजनक विदाई लेना ही ममता दीदी के पास एकमात्र रास्ता है।' बता दें कि बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव के नतीजों पर प्रेसवार्ता कर भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने कहा कि वो चुनाव हारी नहीं है बल्कि हराया गया है। उन्होंने कहा की टीएमसी की लड़ाई बीजेपी नहीं बल्कि चुनाव आयोग से थी। बीजेपी ने सौ सीटों की चोरी की है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि काउंटिंग सेंटर में उन्हें जाने नहीं दिया गया, यही नहीं उनके साथ मारपीट भी की गई। वो चुनाव हारी नहीं है इसलिए वो अपने पद से इस्तीफा भी नहीं देंगी। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने इसे संवैधानिक अपमान बताया है और कहा कि ममता की इस तरह की बातें बेतुकी है।

70 साल के नेताजी ने 20 साल की युवती से किया चौथा निकाह, दूसरी पत्नी ने जो बताया, जानकर चौंक जाएंगे

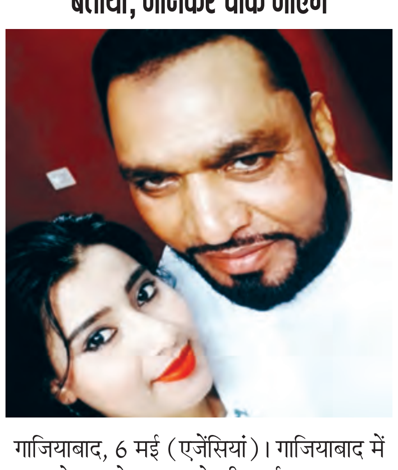

गाजियाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में सपा नेता, जो बसपा से भी पार्षद का चुनाव लड़ चुके हैं और जिनका नाम हाजी खलील है। उन्होंने अपनी उम्र से 50 साल छोटी युवती से चौथा निकाह कर लिया है। बता दें कि उनकी उम्र 70 साल है। जबकि युवती की उम्र सिर्फ 20 साल है। इस चौथे निकाह से पहले तीन पत्नियों से उनके 11 बच्चे हैं। सपा नेता के इस निकाह से उनकी दूसरी पत्नी नाजरीन काफी नाराज हैं। नाजरीन शौहर के निकाह के बाद बेटे के साथ कमिश्वर ऑफिस पहुंची। उन्होंने एडिशनल पृलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत दी। सपा नेता हाजी खलील की दूसरे नंबर की पत्नी नाजरीन ने कहा।। मेरा पति शादी करता है और हर पत्नी से बच्चे पैदा करता है, फिर कुछ समय बाद वह उस पत्नी को छोड देता है या घर से निकाल देता है।

अपनी हिस्ट्रीशीट रद कराने के लिए हाई कोर्ट पहुंचे आशुतोष स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ हैं शिकायतकर्ता

प्रयागराज, 6 मई (एजेंसियां)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज पाक्सो मामले में शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज ने अपने विरुद्ध वर्ष 2013 में खोली गई हिस्ट्रीशीट रद करने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट में गुहार लगाई है। इसे रद किए जाने की मांग में उन्होंने याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने आशुतोष महराज की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है।

प्रकरण में अगली सुनवाई 13 मई को होगी। याची का कहना है कि शामली के कांधला थाने में उनके खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोली गई थी। कई

मामलों में मुकदमा चलने के बाद वह बरी हो चुके हैं। कुछ मामलों में कार्रवाई पर रोक लगी है जबकि बाकी मामले सिविल प्रकृति के हैं और धार्मिक संपत्ति से जुड़े हैं। याची ने खुद को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट (पंजीकृत) मथुरा का अध्यक्ष बताया है। हिस्ट्रीशीट रद कराने के अलावा निगरानी रजिस्टर से भी अपना नाम हटवाने की प्रार्थना की है।

करप्शन के खिलाफ एक्शनः सुपौल के सब-रजिस्ट्रार के घर पर ईओयू का छापा, आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

छपरा, 6 मई (एजेंसियां)। सारण जिले के गौरा थाना क्षेत्र के जवईनिया गांव में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सुपौल जिले में पदस्थापित जिला अवर निबंधक (सब-रजिस्ट्रार) अमरेंद्र कुमार के पैतृक आवास पर छापेमारी की। पांच सदस्यीय टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। बताया जा रहा है कि सब-रजिस्ट्रार अमरेंद्र कुमार पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार उनके पास करीब एक करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपये की संपत्ति संदिग्ध पाई गई है, जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 65 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। इसी आधार पर आर्थिक अपराध इकाई ने यह कार्रवाई शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक, ईओयू की टीम ने सिर्फ पैतृक आवास ही नहीं, बल्कि उनसे जुड़े अन्य संभावित ठिकानों पर भी एक साथ छापेमारी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई पटना स्थित विशेष निगरानी न्यायालय से प्राप्त तलाशी वारंट के आधार पर की जा रही है।

ईरान में एक शॉपिंग सेंटर में लगी आग, 8 लोगों की मौत 36 घायल

तेहरान, 6 मई (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी के पास एक शॉपिंग सेंटर में आग लगी। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 लोग घायल हो गए। यह जानकारी बुधवार को ईरान सरकारी टीवी ने दी। मंगलवार को तेहरान प्रांत के अंदिशेह कस्बे में स्थित अर्घावन शॉपिंग सेंटर में आग लग गई। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, सरकारी टेलीविजन चैनल आईआरआईबी ने बताया कि अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

टेलीविजन फुटेज में दमकलकर्मियों को आग की लपटों से जूझते हुए दिखाया गया, जबकि बहुमंजिला इमारत से काले धुएं के बड़े-बड़े गुबार उठ रहे थे। इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि आगजनी का संबंध युद्ध से था, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक अस्थिर युद्धविराम लगभग जारी है।

क्या उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और फूट की तैयारी

शिंदे के साथ दिखे पाटिल, कोंकण में भी हलचल तेज

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में फिर से गर्माहट आती दिख रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना पर एक बार फिर बड़ी फूट संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पार्टी के सांसद संजय पाटिल के एकनाथ शिंदे के साथ कार में बैठकर जाने की खबरों ने ठाकरे खेमा में टेंशन बढ़ा दी है। साथ ही कोंकण क्षेत्र में भी हलचल दिखने लगी है, और कहा जा रहा है कि ऑपरेशन टाइगर यहां से एक बड़ा धड़ा जल्द शिंदे की शिवसेना के साथ जा सकता है। शिवसेना खेमे में हलचल तब तेज हो गई, जब लोकसभा सांसद संजय दिना पाटिल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के एक साथ नजर आए।

संजय ठाकरे गुट के लोकसभा सांसद हैं। मुंबई के फोर्टिस हॉस्पिटल के बाहर दोनों की एक ही कार में सफर करते हुए तस्वीरें सामने आने के बाद ऑपरेशन टाइगर जैसी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। जानकारी के मुताबिक, संजय पाटिल की पत्नी का पिछले दिनों एक्सीडेंट हो गया था और उनका अस्पताल में इलाज चल

रहा है। उन्हीं की तबीयत का हाल जानने के लिए उप-मुख्यमंत्री शिंदे अस्पताल पहुंचे थे। मुलाकात के बाद शिंदे को एक शादी समारोह में भी जाना था, इसी दौरान संजय भी उनके साथ उनकी गाड़ी में बैठकर वहां से रवाना हो गए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगने शुरू हो गए।

हालांकि, दोनों नेताओं के बीच मुलाकात को लेकर दोनों पक्षों ने किसी भी तरह की राजनीतिक अटकलों को खारिज किया है। शिंदे गुट का कहना है कि यह सिर्फ मानवीय संवेदना का मामला है और महाराष्ट्र की परंपरा रही है कि नेता एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं।

संजय पाटिल ने भी साफ किया कि इसे राजनीतिक रंग देना गलत बात है, यह सिर्फ संयोग था कि दोनों एक साथ गाड़ी में चले गए। सूत्र बताते हैं कि सांसद संजय पाटिल के शिंदे के साथ कार में बैठकर जाने करने की खबरों ने मातोश्री की टेंशन बढ़ा दी। यह खबर आते ही आनन-फानन में मातोश्री से पार्टी के नेता सचिन अहीर को फोन गया। सचिन सीधे संजय पाटिल के घर पहुंचे। इसके बाद सचिन ने संजय की बात सीधे उद्धव ठाकरे से करवाई जिसमें उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि उनकी पत्नी फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं जिन्हें देखने शिंदे खुद अस्पताल आए और अपनी गाड़ी में लेकर उन्हें घर तक गए।

संजय पाटिल ने कहा कि उनकी निष्ठा उद्धव ठाकरे गुट के साथ ही है और आगे भी रहेगी। इस बीच उद्धव और आदित्य ठाकरे ने भी फोन पर बात कर संजय पाटिल की पत्नी का हालचाल जाना, जिससे यह साफ संकेत देने की कोशिश की गई कि सब कुछ सामान्य है।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान, 6 मई (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है। उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके। दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके।

पाकिस्तान ने चीन संग गुपचुप कर डाली खतरनाक डील खरीदेगा जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट, भारत के लिए खतरा

बिजिंग इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से ठीक पहले चीन ने अपने स्टील्थ फाइटर जेट जे-35ए का पहला वर्जन तैयार कर दुनिया को दिखाया, जो एक्सपोर्ट के लिए है। पाकिस्तान पहला ऐसा देश है, जिसे ये फिफ्थ जेनरेशन का फाइटर जेट मिलेगा। पाकिस्तान ने चीन से गुपचुप 40 ऐसे स्टील्थ फाइटर जेट का करार किया है। जे-35ए एक ऐसा स्टील्थ फाइटर जेट है, जिसे सामान्य रडार से डिटेक्ट करना काफी मुश्किल है। चीन ने इसे खास तौर पर उन देशों को बेचने के लिए बनाया है, जो पश्चिमी लड़ाकू विमानों को नहीं खरीद सकते। इन खरीदारों में पाकिस्तान सबसे ऊपर है, जो अमेरिका के एफ-35 जेट को खरीदने के काबिल नहीं है।

पाकिस्तान चीन से 40 जे-35ए फाइटर जेट खरीदने जा रहा है और इसके लिए दोनों देशों में करार भी हो चुका है। ऐसा होने पर साउथ एशिया में हवाई शक्ति संतुलन बदल सकता है। पाकिस्तान जे-35ए को खास तौर पर भारत के राफेल जेट की काट के रूप में देख रहा है। पाकिस्तान ने चीन के साथ जो डील की है, उसके तहत उसे 40 जे-35ए लड़ाकू विमान मिलेंगे। इसके अलावा चीन पाकिस्तानी पायलटों

को ट्रेनिंग भी देगा। पाकिस्तान को जे-35ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन ने जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट को खासतौर पर अमेरिकी लॉकहीड मार्टिन एफ-35 लाइटनिंग आईआई के दबदबे को चुनौती देने के लिए बनाया है। चीन ने एफ-35 बनाकर कम लागत वाला विकल्प पेश किया है, जो पश्चिमी देशों की महंगी तकनीक को चुनौती देता है। इसके साथ ही हथियारों के बाजार में चीन का दबदबा भी बढ़ जाएगा।

आशंका है कि पाकिस्तान जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट का इस्तेमाल भारत के राफेल फाइटर जेट के खिलाफ कर सकता है। जे-35ए पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान है, जो दुश्मन के रडार से बचकर हमला करने में माहिर है, जबकि राफेल 4.5 पीढ़ी का ओमनीरोल विमान है जो अपनी जबरदस्त मारक क्षमता, रडार जैमिंग और डॉगफाइट में माहिर है।

फर्जी अधिकारी बनकर किसान से की 50 हजार की ठगी

गुमला, 6 मई (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले से ठगी का मामला सामने आया है। जहां एक जालसाज ने खुद को कृषि विभाग का अधिकारी बताकर किसान को शिकार बना लिया। सदर थाना के तिरा डुमरटोली गांव निवासी किसान रूपेश उरांव से करीब 50 हजार रुपये ठग लिया। पीड़ित किसान ने सदर थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। रूपेश उरांव ने बताया कि बीते शनिवार को वह पटना में था।

तभी उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को कृषि विभाग का अधिकारी बताया और कहा कि उसकी मां के नाम पर महुआ और धान की खेती के लिए सरकारी योजना स्वीकृत हुई है। ठग ने यह भी भरोसा दिलाया कि बोरिंग के लिए 55 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। जिससे खेती में सुविधा होगी। योजना का लाभ दिलाने के नाम पर उसने पहले क्यूआर कोड भेजकर 8630 रुपये ट्रांसफर कराए। इसके बाद अलग-अलग योजनाओं और सब्सिडी का हवाला देकर छह किश्तों में करीब 50 हजार रुपये और ऐंठ लिए। रूपेश ने बताया कि पैसे ट्रांसफर करने के बाद आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया।

चुनाव बाद बंगाल में बवाल

मूर्तियां टूटीं, दफ्तर जले और दो कार्यकर्ताओं की मौत; संदेशखाली में सीआरपीएफ जवान घायल

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही राज्य में राजनीतिक हिंसा का भयंकर दौर एक बार फिर से शुरू हो गया है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कई प्रमुख इलाकों से आगजनी, भारी तोड़फोड़ और हत्या की खौफनाक खबरें लगातार सामने आ रही हैं। आक्रोशित भीड़ ने लेनिन की मूर्ति को तोड़ दिया है और कांग्रेस ने टीएमसी के एक दफ्तर पर अपना कब्जा जमा लिया है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता आपस में बुरी तरह से भिड़ गए हैं, जिससे चारों तरफ तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है। चुनाव आयोग ने राज्य में इस बढ़ती राजनीतिक हिंसा को बेहद गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को सख्त से सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं। इस चुनावी हिंसा की आग में मुख्य रूप से आसनसोल, कोलकाता, न्यू टाउन और बीरभूम जैसे संवेदनशील इलाके सबसे ज्यादा झुलस रहे हैं।

भड़की इस भीषण हिंसा में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को अपनी जान गंवानी पड़ी है। न्यू टाउन इलाके में भाजपा की एक विजय रैली निकल रही थी, उसी दौरान हुए विवाद में भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई। वहीं, बीरभूम जिले के नानूर इलाके में टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इसका सीधा आरोप भाजपा के कार्यकर्ताओं पर लगाया गया। इसके अलावा पूरे राज्य में कई जगहों पर विशेष रूप से टीएमसी के दफ्तरों को निशाना बनाया गया है और उनमें जमकर आगजनी की गई है। आसनसोल उत्तर के कोर्ट मोड़ इलाके में टीएमसी पार्षद मौसमी बोस के दफ्तर को देर रात आग के हवाले कर दिया गया।

आग इतनी भयंकर थी कि पूरा दफ्तर जलकर खाक हो गया और पास की एक दुकान को भी भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय भाजपा विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को देकर आग पर काबू पाया। इसी तरह, कोलकाता के कसबा इलाके में रूबी क्रॉसिंग के पास और टॉलीगंज में भी भीड़ ने भाजपा के झंडे लेकर टीएमसी नेताओं के दफ्तरों में भारी तोड़फोड़ की।

सरायकेला में करंट की चपेट में आकर हाथी की मौत जांच में जुटा वन विभाग

सरायकेला, 6 मई (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत तिरुलडीह और सपारूम गांव के बीच स्थित जंगल में एक जंगली हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि हाथी की मौत बिजली तार के करंट की चपेट में आने से हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना पाकर वन विभाग की टीम और तिरुलडीह पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, तिरुलडीह और सपारूम के बीच जंगल में इन दिनों हाथियों का झुंड डेरा डाले हुए है।

इसी क्षेत्र में बिजली के तार होने की बात भी सामने आई है। आशंका है कि इसी तार की चपेट में आने से हाथी की मौत हुई है। फिलहाल वन विभाग की टीम हाथी की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और वन विभाग की गतिविधियों पर ग्रामीणों की नजर बनी हुई।

रिहायशी इमारत में भीषण आग: 10 साल की बच्ची समेत तीन लोगों की मौत

भुवनेश्वर, 6 मई (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बुधवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और करीब 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4 बजे लक्ष्मीसागर इलाके स्थित बसंती विला अपार्टमेंट की ग्राउंड फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग और धुआं पूरे भवन में फैल गया, जिससे कई लोग अंदर फंस गए। हादसे में 70 वर्षीय बिश्वजीत बेहरा और 65 वर्षीय सुलता बेहरा की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों आग और धुएं के कारण इमारत में फंस गए थे। वहीं, 10 वर्षीय तेजस्विनी बेहरा गंभीर रूप से झुलस गई थी, जिसे इलाज के लिए कैपिटल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बिश्वजीत बेहरा अपार्टमेंट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। हादसे के समय अधिकांश लोग सो रहे थे, जिसके कारण शुरुआत में स्थिति और भयावह हो गई। दमकल विभाग के अधिकारी रमेश चंद्र सेठी ने बताया कि आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है।

शाइना एनसी बोलीं- ममता बनर्जी को जनादेश स्वीकार कर देना चाहिए इस्तीफा

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने बुधवार को कहा कि ममता बनर्जी को जनादेश स्वीकार कर लेना चाहिए और इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष चुनाव और वोटर लिस्ट के मुद्दों पर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का भी बचाव किया। ममता बनर्जी के इस्तीफा देने से इनकार करने पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने आईएएनएस से कहा, 15 सालों तक पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी को मौका दिया। जब उन्होंने (जनता) तय किया कि उन्हें बदलाव चाहिए, क्योंकि महिलाओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, घुसपैठ और भ्रष्टाचार को लेकर बड़ी समस्याएं हैं।

ममता बनर्जी को यह बात स्वीकार करनी चाहिए थी। 92 प्रतिशत आबादी बंगाल में बदलाव के लिए मतदान करती है। ममता बनर्जी यह बात समझ नहीं पाईं। वह लगातार बहाने बनाती रहीं। लेकिन यह एक संवैधानिक प्रावधान है। ममता बनर्जी को इस्तीफा देना ही पड़ेगा। चुनाव आयोग पर ममता बनर्जी के आरोपों को लेकर शाइना एनसी ने कहा, चुनाव आयोग ने सभी बेबुनियाद दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। विपक्ष ने गड़बड़ी के

आरोप लगाए थे। वीवीपैट का मिलान किया गया था और यह साबित हो चुका है कि 25 हजार जगहों पर कोई गड़बड़ी नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, लोग एसआईआर को लेकर भी लगातार झूठी कहानियां फैलाते रहे। एसआईआर तो बस एक ऐसी प्रक्रिया थी, जिसके तहत उन लोगों के नाम हटाए जाने थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी या जो अपना घर बदल चुके थे। असलियत यह है कि एसआईआर चुनावी सूची को साफ-सुथरा बनाने की एक कवायद थी। सच तो यह है कि जनता बदलाव चाहती थी और अब वे (ममता बनर्जी) इसके लिए चुनाव आयोग को दोषी ठहरा रही हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा के मुख्यमंत्री को लेकर शिवसेना नेता ने कहा, 9 मई को बंगाल को एक नया मुख्यमंत्री मिलेगा, जो कानून व्यवस्था को ठीक करेंगे और महिलाओं की सुरक्षा करेंगे।

'इस्लामिक एथिक्स ऑफ वारफेयर ' किताब में ऐसा क्या है ? दिल्ली सरकार ने दे दिए जब्त करने के आदेश

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने एक किताब के अंदर मौजूद कंटेंट पर आपत्ति जताते हुए इसे जब्त करने का आदेश दिया है। किताब का नाम इस्लामिक एथिक्स ऑफ वारफेयर है और आरोप है कि किताब में एक विशेष समुदाय को कट्टरवाद और सशस्त्र विद्रोह के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने की बात की गई है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा कि सरकार के संज्ञान में आया है कि पुस्तक इस्लामिक एथिक्स ऑफ वारफेयर व्यक्तियों, विशेष रूप से एक विशिष्ट समुदाय को, सशस्त्र विद्रोह की ओर उकसाती है

तथा कट्टरपंथी विचारधाराओं को बढ़ावा देती है जो सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालती हैं। साहित्य के पठन और विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर उपलब्ध साक्ष्य निर्विवाद रूप से संकेत करते हैं कि हिंसा की वकालत करने के लिए धार्मिक ग्रंथों के दुरुपयोग के साथ-साथ भड़काऊ सामग्री हेतु तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार ने आदेश में आगे लिखा कि पुस्तक न केवल अन्य धर्मों के खिलाफ युद्ध की वकालत करके एकेश्वरवाद की श्रेष्ठता को बढ़ावा देती है और तर्क देती है,

विदेश से धन पाने में भारत फिर अव्वल 2024 में प्रवासियों ने भेजे 137 अरब डॉलर

वॉशिंगटन, 6 मई (एजेंसियां)। भारत एक बार फिर विदेश से धन पाने में दुनिया में पहले स्थान पर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत को 137 अरब डॉलर से अधिक रकम मिली, जो विश्व में सबसे अधिक है। भारत ऐसा एकमात्र देश है, जिसने 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया। जारी अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की 'विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026' के मुताबिक, भारत लगातार इस सूची में शीर्ष पर बना हुआ है। मेक्सिको दूसरे और फिलीपीन व फ्रांस तीसर-चौथे स्थान पर रहे। भारत को मिलने वाले धन में पिछले वर्षों में लगातार वृद्धि आई है। 2010 में यह आंकड़ा 53.48 अरब डॉलर था, जो 2015 में बढ़कर 68.91 अरब डॉलर, 2020 में 83.15 अरब डॉलर और 2024 में 137.67 अरब डॉलर तक पहुंच गया। 2024 में 11.8% वृद्धि रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि उच्च आय वाले देश रेमिटेंस के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं। वर्ष 2024 में अमेरिका सबसे ज्यादा रेमिटेंस भेजने वाला देश रहा, जहां से 100 अरब डॉलर से अधिक की राशि भेजी गई। इसके बाद सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और जर्मनी का स्थान रहा। रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आंकड़ों का भी जिक्र किया गया है।

2022 में चीन से 10 लाख से अधिक छात्र विदेशों में पढ़ाई कर रहे थे। भारत दूसरे स्थान पर रहा, जहां से 6.2 लाख से अधिक छात्र विदेश में अध्ययनरत थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय प्रवासी समुदाय देश के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहा है। साथ ही 'ब्रेन ड्रेन' की चुनौती को 'ब्रेन गेन' में बदलने के लिए भारत प्रवासी सम्मेलन और नवाचार केंद्र जैसी पहल कर रहा है। एशिया में आंतरिक विस्थापन मामलों में भी प्राकृतिक आपदाएं प्रमुख कारण रहीं।

क्राइम, ड्रग्स और लापता बच्चों पर फोकस

सीएम हेमंत का मेगा एक्शन प्लान तैयार; अपराधियों की खैर नहीं

रांची, 6 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने को लेकर अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ निर्देश दिए कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहे तथा किसी भी तरह की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों को चिन्हित कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने लापता बच्चों और महिलाओं के मामलों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता देते हुए सभी लापता बच्चों और महिलाओं की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य में आम जनता को भयमुक्त वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि ड्रग्स सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ना जरूरी है। इसके लिए उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री होती है और संबंधित अपराधियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए, जहां युवाओं की अधिक भीड़ रहती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में अफीम की खेती को हर हाल में रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने खूंटी, चतरा और रांची जिलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। साथ ही लोगों को जागरूक करने और लगातार मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया।

बंगाल जीत के बाद देवघर पहुंचे भूपेंद्र यादव, बाबा बैद्यनाथ के दरबार में टेका माथा

देवघर, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने पहली बार जीत दर्ज की है। जीत भी प्रचंड रही है। इससे भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गदगद हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा के मुख्य पर्यवेक्षक रहे केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कोलकाता से देवघर पहुंचकर बाबा बैद्यनाथ की पूजा कर आशीर्वाद लिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद 4 मई को मतगणना हुई। मतगणना में भी एकतरफा जीत दर्ज हुई। इसके अगले दिन बंगाल चुनाव के भाजपा के मुख्य पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव मंगलवार को कोलकाता से देवघर पहुंचे। बाबा बैद्यनाथ की पूजा के बाद सत्संग आश्रम में आचार्यदेव से मुलाकात की।

उनके साथ गोड्डा के डा। सांसद निशिकांत दुबे भी थे। मौके पर सांसद डॉ। निशिकांत दुबे ने कहा कि यह जीत बंगाल की जनता की जीत है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों के भरोसे की जीत है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिस तरह से गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति बंगाल में काम आई, उसी का परिणाम है कि आज बंगाल में भाजपा जीत गई है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं ?

स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में क्यों उठे बगावत के सुर

लंदन, 6 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

होर्मुज में जहाजों को अब सुरक्षा नहीं देगा अमेरिका, 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' बंद, ट्रंप ने बताया क्यों लिया बड़ा फैसला

वॉशिंगटन, 6 मई (एजेंसियां)। यूएस-ईरान के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के जारी बातचीत आखिर चरण में है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बड़ा फैसला किया है। यूएस प्रेसिडेंट ने मिडिल ईस्ट में कॉमर्शियल जहाजों को सुरक्षा देने वाले नेवी ऑपरेशन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को अस्थायी रूप से रोकने का ऐलान किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी जारी रहेगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया 'ट्रुथ' पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान के प्रतिनिधियों के साथ डील को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है।' ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने ईरान के साथ समझौते को अंतिम रूप देने के ऑपरेशन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोक दिया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर ईरान के खिलाफ अभियान के दौरान मिली जबरदस्त सैन्य सफलता और साथ ही ईरान के प्रतिनिधियों के साथ शांति डील को लेकर अच्छी बातचीत के आधार पर हमने आपसी सहमति से यह तय किया है कि नाकाबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी, लेकिन प्रोजेक्ट फ्रीडम को कुछ समय के लिए रोक दिया जाएगा,

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 7 मई - 2026

अब समाधान का वक्त

देश के पाँच राज्यों में लोकतंत्र का उत्सव अपने परिणाम तक पहुँच चुका है और अब समय है सिंहासन के अभिषेक का। चुनावी रणभेरी शांत होने के बाद अब राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री पद के लिए सही चेहरे का चयन और एक स्थिर सरकार का गठन करना है। इस बार के परिणाम न केवल सत्ता परिवर्तन के साक्षी बने हैं, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते ध्रुवीकरण और नए चेहरों के उदय की कहानी भी कह रहे हैं।

तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम की ऐतिहासिक जीत ने दक्षिण की राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया है। पार्टी प्रमुख जोसेफ सी विजय को विधायक दल का नेता चुना जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया थी, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी। हालांकि टीवीके स्पष्ट बहुमत से दस सीटें पीछे रह गई है, लेकिन क्षेत्रीय दलों के समीकरण उनके पक्ष में झुके नजर आ रहे हैं। विजय के लिए चुनौती दोहरी है। एक तरफ वह पहली बार विधायक बने हैं, जिसका अर्थ है कि उनके पास संसदीय राजनीति और जटिल प्रशासनिक बारीकियों का अनुभव कम है। दूसरी तरफ, पर्दे पर जिस 'नायक' ने व्यवस्था की खामियों के खिलाफ दहाड़ लगाई थी, अब जनता उसी नायक को धरातल पर बदलाव लाते देखना चाहती है। क्या वह अरविंद केजरीवाल की तरह अपने ही बनाए मानकों पर खरे उतरेंगे या राजनीति की पुरानी चालों में उलझ जाएंगे? यह आने वाला वक्त बताएगा। पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता ने विकास और सुरक्षा के वादे पर भरोसा जताया है। भाजपा द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति में दिखाई गई तत्परता सराहनीय है।

अतीत में हमने देखा है कि मुख्यमंत्री के चयन में देरी से 'प्रशासनिक ऊहापोह' की स्थिति पैदा हो जाती है, जिसका फायदा असामाजिक तत्व उठाते हैं। पश्चिम बंगाल में अमित शाह और असम में जेपी नड्डा की नियुक्ति इस बात का संकेत है कि केंद्र सरकार इन राज्यों में किसी भी प्रकार की देरी या विवाद की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती। विशेष रूप से बंगाल जैसे राज्य में, जहाँ चुनाव के बाद हिंसा और आगजनी का पुराना इतिहास रहा है, एक सुदृढ़ और लोकप्रिय सरकार का जल्द गठन अनिवार्य है ताकि व्यवस्था को पुनः पटरी पर लाया जा सके।

केरल और तमिलनाडु में जिस शालीनता से पराजित दलों ने जनादेश स्वीकार किया, वह भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का परिचायक है। इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। राजनीति में शिकायतें और असहमति का स्थान हमेशा होता है, लेकिन स्थापित लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ आचरण करना किसी भी राजनेता की छवि को धूमिल करता है।

एक सफल लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'जनादेश' अंतिम और सर्वोपरि होता है। अब समय है कि सभी दल चुनावी वैमनस्य को भुलाकर परिपक्वता का परिचय दें। नेताओं का पहला दायित्व अपने कार्यकर्ताओं को टकराव की स्थिति से बचाना और जनहित के कार्यों में जुटना होना चाहिए। यदि नई सरकारें अपने चुनावी वादों को ईमानदारी से लागू कर पाती हैं, तभी इस भव्य जनादेश की सार्थकता सिद्ध होगी। अब देखना यह है कि सिंहासन पर बैठने वाले ये नए और पुराने सारथी जनता की उम्मीदों के रथ को किस दिशा में ले जाते हैं।

क्षेत्रीय दलों की ढीली होती पकड़

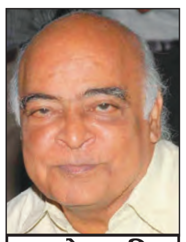

अशोक भाटिया

2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में एक बड़ा ट्रेंड साफ कर दिया है। क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है और मतदाता तेजी से राष्ट्रीय दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सत्ता का अंत और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित हार इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। तमिलनाडु में जहां नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीति में दमदार एंट्री की, वहीं यह भी साफ हुआ कि पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति पार्टियों का प्रभाव पहले से कमजोर हुआ है।

तमिल पहचान और गौरव के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली डीएमके को सत्ता विरोधी लहर ने करारा झटका दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा। यह ये भी दिखाता है कि केवल क्षेत्रीयता की भावना चुनाव जिताने के लिए काफी नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिति कमोबेश यही है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा को चुनौती दे रही थीं, लेकिन भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया कर दिया और अगले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का क्या हो सकता है, यह समझाने के लिए किसी राजनीतिक विचारक की जरूरत नहीं है। हालांकि, तृणमूल के भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी सरकार का बजट एक अलग मुद्दा है, लेकिन अगर ममता जीत गई होतीं, तो वह हमेशा चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं। बनर्जी को भी घर भेज दिया गया है। यह सिर्फ इस राज्य में नहीं हुआ है। दो साल पहले भाजपा ने पड़ोसी ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल के 25 साल के शासन को इसी तरह खत्म कर दिया था।

नवीन पटनायक ने हमेशा भाजपा के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह पटनायक को हरा सकते हैं, तो भाजपा ने आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाया और घर में एक पुराने दोस्त को स्थापित किया। आश्चर्यचकित मत होइए। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना में केके रेड्डी। भाजपा ने दो क्षेत्रीय दलों चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रियों को भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। इन दोनों दलों ने संसद में समय-समय पर भाजपा की मदद की है। लेकिन जब समय आया तो भाजपा ने दोनों सहयोगियों को पीछे धकेल दिया। इतना ही नहीं, हमेशा से बीजेपी की मददगार रही और हमेशा विपक्ष की दोस्त रही चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को दिल्ली में शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बीजेपी ने जगन मोहन के विरोधी तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया और कर्नाटक में देवगौड़ा के सेक्युलर जनता दल को गिरा दिया, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी 10 साल तक दिल्ली की सत्ता में रही। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों को बांटकर बीजेपी ने इस बात की झलक दिखाई है कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है।

इस सूची में बीएसपी को भी शामिल किया जा सकता है जो फिलहाल आप की तरह ही राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है पर 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर पड़ गई थी और अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में उसका आधार भी खिसकता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में बसपा का वोट शेयर 19। 4% (2019) से गिरकर मात्र 9। 39% (2024) रह गया। 2024 में इसने अपने सभी 10 सीटें गंवा दीं और शून्य पर सिमट गई। हालांकि इस बीच इसने मध्य प्रदेश में मामूली सुधार किया। यहां वोट शेयर 2019 के 2। 38% से बढ़कर 2024 में 3। 28% हो गया। क्षेत्रीय दलों के प्रति भाजपा की कितनी जुनूनी है, इस मामले में महाराष्ट्र का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है।भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत को भड़काकर शिवसेना और एनसीपी दोनों को कमजोर कर दिया। इन दोनों दलों के पास अब भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही 2029 में राज्य में आत्मबल का मंत्र दे चुके हैं। अगर ऐसा मौका मिलता है तो बीजेपी छूट जाएगी। अकाली दल (पंजाब), असम गण परिषद (असम) और गोवा में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया है।

1970 के दशक में भाषाई प्रांतीयतावाद के कारण क्षेत्रीय दलों का धीरे-धीरे उदय हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंतोष पैदा हुआ, बढ़ती क्षेत्रीय पहचान, कांग्रेस के सत्ता में रहने पर राज्यों की उपेक्षा हुई, दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान जल रही थी और क्षेत्रीय दलों के लिए माहौल बना था। द्रमुक ने 1967 में हिंदी मजबूरी के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता हासिल की, तब से लेकर राज्य में कल टीवी की जीत तक, द्रमुक और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में बिखरी हुई अन्नाद्रमुक का दबदबा बना हुआ है। फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा स्थापित तेलुगू देशम ने दो तिहाई से अधिक सीटें जीती हैं, जबकि मुंबई में शिवसेना 'हटाओ लुंगी' के नारे पर आगे बढ़ी है। गिरा दिया।

शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव तक, विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की जड़ें कांग्रेस में हैं। उस अर्थ में, यह कांग्रेस के पेड़ पर एक भ्रष्टाचार है, लेकिन इन नेताओं ने आंतरिक विरोध या दिल्ली की राजनीति से अपनी पार्टियां बनाईं।

हालांकि सिमटते क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में कुछ अपवाद भी हैं। इसमें सबसे आगे झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसने नवंबर 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की। इंडिया गठबंधन के छत्र तले उसने अकेले 34 सीटें जीतीं, जबकि पूरे गठबंधन को 81 में से 56 सीटें मिली थीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2024 के चुनाव में कुल 90 सीटों में से 42 सीटें अकेले NC ने जीतीं। कांग्रेस (6 सीटें) और सीपीआईएम के साथ इस गठबंधन ने बहुमत (46+ सीटें) का आंकड़ा पार कर लिया। तो जेएमएम और नेशनल कान्फ्रेंस, दोनों ही दल अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं।

दरअसल, अगर देश के सभी भाजपा विरोधी दल एक साथ आ जाएं तो भाजपा के लिए उनका सामना करना मुश्किल है, इसका ताजा उदाहरण महिला आरक्षण और परिसीमन के संदर्भ में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंडिया अलायंस के रूप में सभी प्रमुख विपक्षी दलों के एक साथ लड़ने के परिणामस्वरूप 'चरसो पार' का नारा देने वाली भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई थी।

कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जो कांग्रेस विरोधी नारा भाजपा ने हमेशा उठाया है। आज, भाजपा की निरंकुशता का विरोध कांग्रेस और उसकी परिधि का एजेंडा है, जबकि कांग्रेस की निरंकुशता के खिलाफ विपक्षी एकता का विचार 1960 के दशक में दिग्गज समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

गंगोत्री से गंगासागर तक : कमल की दस्तक

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारतीय लोकतंत्र के विशाल परिदृश्य में समय-समय पर ऐसे क्षण आते हैं जो केवल चुनावी परिणाम नहीं होते, बल्कि वे इतिहास की दिशा को बदलने वाले संकेत बन जाते हैं। वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का परिणाम ऐसा ही एक निर्णायक मोड़ लेकर आया है, जिसने देश के राजनीतिक भूगोल को एक नई आकृति प्रदान की है। जिस राज्य को लंबे समय तक एक विशेष राजनीतिक परंपरा और विचारधारा का गढ़ माना जाता था, वहाँ सत्ता परिवर्तन केवल शासन परिवर्तन नहीं, बल्कि जनमानस के बदलाव का द्योतक है। "गंगोत्री से गंगासागर तक कमल की दस्तक" केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि उस व्यापक राजनीतिक प्रवृत्ति का प्रतीक है जिसमें एक विचारधारा देश के विभिन्न भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

भारत का लोकतंत्र अपनी विविधताओं के कारण विशिष्ट है। यहाँ हर राज्य की अपनी सामाजिक संरचना, राजनीतिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान होती है। पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा, जहाँ विचारधाराएँ केवल चुनावी मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक जीवन का हिस्सा थीं। ऐसे में वहाँ सत्ता परिवर्तन का अर्थ केवल दल परिवर्तन नहीं, बल्कि उस वैचारिक धरातल का परिवर्तन भी है, जिस पर राजनीति खड़ी थी। यह बदलाव यह संकेत देता है कि देश के विभिन्न हिस्सों में मतदाता अब पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर नए विकल्पों को स्वीकार करने लगे हैं।

इस परिवर्तन के पीछे कई कारण निहित हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारण संगठनात्मक मजबूती और दीर्घकालिक रणनीति है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए केवल चुनावी समय में सक्रिय होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसे वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य करना पड़ता है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में प्रवेश और विस्तार के लिए जिस प्रकार से संगठनात्मक ढाँचे को मजबूत किया गया, वह इस सफलता का एक प्रमुख कारण माना जा सकता है। कार्यकर्ताओं की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों की समझ और लगातार संवाद ने उस दूरी को कम किया जो पहले तक दिखाई देती थी।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू नेतृत्व और संदेश का है। जब कोई राजनीतिक विचारधारा अपने संदेश को स्पष्ट और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करती है, तो वह जनमानस में स्थान बनाती है। विकास, सुरक्षा, और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों को जिस प्रकार से प्रस्तुत किया गया, उसने मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को प्रभावित किया। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य के बीच समन्वय की बात भी लोगों को आकर्षित करने में सफल रही।

हालांकि इस परिवर्तन को केवल एकतरफा दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। इसके साथ कई सवाल और चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। सबसे पहला प्रश्न यह है कि क्या इतनी व्यापक राजनीतिक एकरूपता लोकतंत्र के लिए उचित है। लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता और संतुलन में निहित होती है। यदि एक ही विचारधारा बहुत अधिक प्रभावी हो जाती है, तो यह आवश्यक हो जाता है कि विपक्ष भी उतना ही मजबूत और सक्रिय रहे, ताकि सत्ता का संतुलन बना रहे।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय पहचान का है। भारत जैसे देश में क्षेत्रीय अस्मिता और सांस्कृतिक विविधता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जब कोई राष्ट्रीय स्तर की राजनीति किसी क्षेत्र में प्रवेश करती है, तो यह आवश्यक होता है कि वह वहाँ की स्थानीय संवेदनाओं और परंपराओं का सम्मान करे। यदि ऐसा नहीं होता, तो यह टकराव की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। इसलिए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह नया राजनीतिक परिवर्तन स्थानीय संस्कृति और पहचान के साथ किस प्रकार तालमेल स्थापित करता है।

इसके अलावा, यह भी आवश्यक है कि चुनावी जीत को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न माना जाए, बल्कि इसे जनसेवा का अवसर समझा जाए। जनता ने जिस विश्वास के साथ परिवर्तन का निर्णय लिया है, उसे बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यदि अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा गया, तो वही जनमानस भविष्य में अलग निर्णय भी ले सकता है। इसलिए शासन की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने लिखा था दो देशों का राष्ट्रगान

मोहन मंगलम

गुरुदेव के नाम से लोकप्रिय रवीन्द्रनाथ ठाकुर भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले विश्वविख्यात कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार, दार्शनिक और चित्रकार थे। भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ रूप से पश्चिमी देशों का परिचय और पश्चिमी देशों की संस्कृति से भारत का परिचय कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही। आधुनिक भारत के असाधारण सृजनशील कलाकार रवीन्द्रनाथ ठाकुर ऐसे एकमात्र व्यक्ति हैं जिन्होंने दो देशों के लिए राष्ट्रगान लिखा। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांगला' - गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं।

प्रकृति के प्रति गहरा लगाव रखने वाले रवीन्द्रनाथ का जन्म 7 मई, 1861 को कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में देवेंद्रनाथ ठाकुर और शारदा देवी के पुत्र के रूप में एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। रवीन्द्र की आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। बचपन से ही कविता, छन्द और भाषा में उनकी अद्भुत प्रतिभा का आभास लोगों को मिलने लगा था। उन्होंने आठ वर्ष की आयु में पहली कविता लिखी थी और सन 1877 में केवल सोलह वर्ष की आयु में उनकी प्रथम लघुकथा प्रकाशित हुई थी। उन्होंने बैरिस्टर बनने के लिए 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया। फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही भारत लौट आए।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने बंगाली साहित्य में नए तरह के पद्य और गद्य के साथ बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया। उनकी रचनाएं बांग्ला साहित्य में एक नई ऊर्जा लेकर आईं। उन्हें अपने गृह राज्य बंगाल में एक लेखक के रूप में शुरुआती सफलता मिली। अपनी कुछ कविताओं के अनुवादों के माध्यम से वे पश्चिम में तेजी से प्रसिद्ध हो गए। विश्व के लिए वे भारत की आध्यात्मिक विरासत की आवाज बन गए और भारत के लिए, विशेष रूप से बंगाल के लिए, वे एक महान जीवंत संस्था बन गए।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर अपनी पद्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं। रवींद्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग है। उन्होंने लगभग 2,230 गीतों की रचना की। ये गीत मानवीय भावनाओं के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करते हैं। रवीन्द्रनाथ ठाकुर वैश्विक समानता और एकांतिकता के पक्षधर थे। वे एक ऐसे कवि थे जिनका केन्द्रीय तत्त्व अंतिम आदमी की भावनाओं का परिष्कार करना था। रवीन्द्रनाथ ठाकुर के लिए काव्य कला मनुष्य को दुनिया से जोड़ने का माध्यम है। उनकी कविताओं में नदी और बादल की अठखेलियों से लेकर अध्यात्मवाद तक के विषयों को बखूबी उकेरा गया है। समाज में महिलाओं का स्थान तथा नारी जीवन की विशेषताएँ उनके लिए गंभीर चिंता के विषय थे और इस विषय में भी उन्होंने गहरी अंतर्दृष्टि का परिचय दिया है।

गद्य में लिखी उनकी छोटी कहानियाँ बहुत लोकप्रिय रही हैं। उनकी कहानियों में सूर्य, वर्षा, नदियां और नदी किनारे के सरकंडे, वर्षा ऋतु का आकाश, छायादार गाँव, वर्षा से भरे अनाज के प्रसन्न खेत मिलते हैं। उनके साधारण लोग कहानी खत्म होते-होते असाधारण मनुष्यों में बदल जाते हैं। महानता की पराकाष्ठा छू आते हैं। उनकी मूक पीड़ा की करुणा हमारे हृदय को अभिभूत कर लेती है। अपनी कल्पना के पात्रों के साथ रवीन्द्रनाथ की अद्भुत सहानुभूतिपूर्ण एकात्मकता और उसके चित्रण का अतीव सौंदर्य उनकी कहानी को सर्वश्रेष्ठ बना देते हैं जिसे पढ़कर द्रवित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। रवीन्द्रनाथ ने पहली बार अपनी कहानियों में साधारण की महिमा का बखान किया। बहुत कम घटनाओं से भी वे अपनी कहानी का महल खड़ा कर देते हैं। उनकी कहानी 'पोस्टमास्टर' इस बात का जीवंत उदाहरण है कि एक सच्चा कलाकार साधारण उपकरणों से कैसी अद्भुत सृष्टि कर सकता है। कहानी 'काबुलीवाला' इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि एक छोटी बच्ची कैसे बड़े-बड़े इंसानों को अपने स्नेह-पाश में बाँध लेती है। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने एक दर्जन से अधिक उपन्यास भी लिखे, जिनमें मध्यम वर्गीय समाज विशेष रूप से उभर कर सामने आया। इनमें चोखेर बाली, घरे बहिरे, गोरा आदि शामिल हैं। इसके साथ ही इतिहास, भाषा विज्ञान और आध्यात्मिकता से जुड़ी पुस्तकें भी उन्होंने लिखी हैं।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने 1901 में पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाके में शांति निकेतन नाम से एक प्रायोगिक विद्यालय की स्थापना की जहां उन्होंने शिक्षा के उपनिषदीय आदर्शों को आजमाया। साथ ही भारतीय और पश्चिमी परंपराओं के सर्वोत्तम तत्वों को मिलाने का प्रयास किया। वे इस विद्यालय में ही स्थायी रूप से रहने लगे, जो 1921 में विश्व भारती विश्वविद्यालय बन गया। समय-समय पर उन्होंने भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में भी हिस्सा लिया।

1902 से 1907 के बीच अपनी पत्नी और दो बच्चों की मृत्यु से उपजे गहरे दुख की झलक उनकी बाद की कविताओं में मिलती है जो पश्चिमी जगत में 'गीतांजलि' (1912) के रूप में पहुंचा। अंग्रेजी कवि यीट्स ने पश्चिमी जगत के लेखकों, कवियों, चित्रकारों और चिंतकों से रवीन्द्रनाथ ठाकुर का परिचय कराया। उन्होंने ही 'गीतांजलि' के प्रकाशन की व्यवस्था की। बाद में मार्च 1913 में मैकमिलन एंड कंपनी लंदन ने इसे प्रकाशित किया। इसी वर्ष नवंबर में 'गीतांजलि' के लिए रवीन्द्रनाथ ठाकुर को साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला और यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाले वे एशिया में प्रथम विजेता बने। बाद में जर्मन, फ्रेंच, जापानी, रूसी आदि विश्व की सभी प्रमुख भाषाओं में 'गीतांजलि' का अनुवाद हुआ और रवीन्द्रनाथ ठाकुर की ख्याति दुनिया के कोने-कोने में फैल गई। किंग जॉर्ज पंचम ने 1915 ई. में रवीन्द्रनाथ ठाकुर को 'नाइटहुड' की पदवी से सम्मानित किया था, मगर 1919 ई. में जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में उन्होंने यह उपाधि लौटा दी। 1920 के दशक के उत्तरार्ध में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने चित्रकारी शुरू की और कुछ ऐसे चित्र बनाए, जिन्होंने उन्हें समकालीन अग्रणी भारतीय कलाकारों में स्थापित कर दिया। उनके चित्रों में युग का संशय, मोह, क्लान्ति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी सम्पर्क है, उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर 7 अगस्त, 1941 को कलकत्ता में अपना नश्वर शरीर त्याग कर पंचतत्व में विलीन हो गए, मगर अपने साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदानों के साथ अपने प्रशंसकों के हृदय में वे सदा-सर्वदा अमर हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप

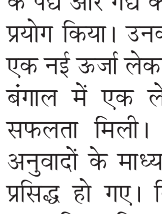

डॉ. सुरेश कुमार

उस फ्लैट की दीवारों पर लगे आधुनिक चित्रों में रंग तो बहुत थे, पर चमक गायब थी। विवान और समायरा आमने-सामने बैठे थे, जैसे किसी युद्ध के मैदान में दो थके हुए सिपाही संधि का इंतज़ार कर रहे हों। कमरे का सन्नाटा इतना भारी था कि घड़ी की टिक-टिक भी हथौड़े की तरह सुनाई दे रही थी। क्या अब सब खत्म हो गया? समायरा ने धीमे से पूछा। उसकी आवाज में वह कंपन था, जो किसी पुरानी इमारत के गिरने से पहले महसूस होता है। विवान ने हाथ में पकड़े कॉफी मग को देखा, जिसमें झाग मर चुका था। खत्म तो उसी दिन हो गया था, जिस दिन हमने समझौतों को प्रेम का नाम दिया था, उसने सपाट लहजे में जवाब दिया। उनके बीच का रिश्ता उस रेंट एग्रीमेंट की तरह था, जिसकी मियाद खत्म हो चुकी थी। वे साथ तो थे, पर वैसे ही जैसे किसी स्टेशन पर खड़ी दो अलग-अलग दिशाओं में जाने वाली गाड़ियाँ—दूरी शून्य, पर मंजिलें मीलों दूर।

विवान की बातों में वह चुभती हुई सच्चाई थी, जो हंसाती कम और अंदर तक छीलती ज्यादा थी। उसने कहा, समाज को अंगूठा दिखाना आसान है समायरा, पर खुद की परछाईं से नजरें मिलाना मुश्किल। समायरा उसे देखती रही। उसे याद आया कि कैसे वे 'आजादी' का झंडा लेकर इस घर में आए थे, यह सोचकर कि सात फेरों के बंधन पुराने जमाने की बेड़ियाँ हैं। पर आज वही आजादी उसे किसी कालकोठरी की तरह लग रही थी। लीव-इन रिलेशनशिप उनकी जिंदगी का पूरा सच बयान कर रही थी। क्या तुम मेरे साथ चलोगे? कहाँ? जहाँ से हम भागकर आए थे? नहीं, जहाँ सचमुच का घर होता है। घर ईंटों से नहीं, विश्वास की पवित्र अग्नि से बनता है, जो हमने कभी जलाई ही नहीं। उनका दर्शन अब उस सूखी हुई नदी की तरह था, जिसके तल पर केवल कंकड़-पत्थर और टूटे हुए वादे बचे थे।

विवान ने कमरे के कोने में रखे एक बड़े से सूटकेस की ओर इशारा किया। इसमें क्या है? समायरा की धड़कनें तेज हो गईं। विवान ने उसे धीरे से खोला। उसमें शादी का एक पुराना जोड़ा, कुमकुम की डिब्बी और मंगलसूत्र रखा था। यह सब क्या है विवान? तुम तो कहते थे कि ये सब ढकोसले हैं? समायरा की आँखों से आँसू बह निकले। विवान की आँखों में एक अजीब सी वीरानगी थी। ये मेरी माँ के हैं। मैंने सोचा था कि शायद किसी दिन हम इस 'लिव-इन' की दहलीज लांघकर उस पवित्र दुनिया में कदम रखेंगे, जहाँ रिश्तों को पहचान मिलती है। पर हमने तो इस घर को केवल एक होटल बना दिया, जहाँ हम अपनी थकान मिटाते थे। सच तो यह है कि जब दो बदन पल भर की खुशी के लिए एक दूसरे की थकान मिटाने की मियाद बन जाएँ, तब वहाँ यादें कभी नहीं बनतीं। रात गहराती गई। सांसें रुकने लगी थीं। वे दोनों उस सत्य के सामने खड़े थे, जो उन्होंने खुद ही बड़ी कुशलता से छिपा रखा था। पूरा घर एक अजीब सी रोशनी से भरा हुआ था। अचानक दरवाजे पर दस्तक हुई। पुलिस और कुछ लोग अंदर दाखिल हुए। समायरा चिल्लाई, यह सब क्या है? पर किसी ने उसकी आवाज नहीं सुनी। पुलिस अधिकारी ने विवान की ओर इशारा किया, जो सोफे पर बेजान पड़ा था। पास ही समायरा की भी देह पड़ी थी। वे दोनों महीनों पहले ही एक सामूहिक अवसाद में जान दे चुके थे। यह पूरी बातचीत, यह पूरा झगड़ा और यह पछतावा दरअसल उनकी भटकती हुई रूहों का संवाद था, जो उस घर की चारदीवारी में कैद हो गई थीं। जिस 'लिव-इन' को वे जीवन की नई शुरुआत मान रहे थे, वह वास्तव में उनकी मृत्यु का कारण बन चुका था। सच तो यह है कि जो अब तक जिंदा लग रहे थे, वे केवल यादों का एक डिजिटल अवशेष थे। उनकी स्वतंत्रता ने उन्हें ऐसी जगह पहुँचा दिया था, जहाँ से वापसी का कोई रास्ता नहीं था।

युवा भारत पर खतरा
डिग्री होने के बावजूद रोजगार नहीं

स्नेहा सिंह

भारत में कामकाज की स्थिति और रोजगार के बारे में हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है। दुनिया के सबसे अधिक युवा आबादी वाले देशों में शामिल भारत में युवाओं की संख्या अधिक है, लेकिन स्थिति थोड़ी चिंताजनक है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है और वे कार्य करने योग्य वर्ग में आते हैं, लेकिन जब उनकी वास्तविक स्थिति देखी जाती है, तो तस्वीर बिलकुल विपरीत दिखाई देती है। भारत में युवाओं की संख्या अधिक है, उनके पास डिग्री है, उनके पास कौशल है, लेकिन उनके पास रोजगार नहीं है। देश के युवाओं के शिक्षा, रोजगार और श्रम बाजार की वास्तविकता पर यह रिपोर्ट प्रकाश डालती है, जो भारत के लिए चिंताजनक है।

जानकारों के अनुसार भारत के युवा शिक्षित हैं, उनके पास कौशल है, लेकिन अवसर कम हैं। पिछले चार दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का स्तर बड़े पैमाने पर बढ़ा है। भारत में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इसके कारण अब उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 28 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसमें लड़कियों की भागीदारी भी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। दूसरी ओर लड़कों के पंजीकरण में कमी देखी जा रही है। 2017 में लड़कों का कुल पंजीकरण 38 प्रतिशत था, जो 2024 में 34 प्रतिशत हो गया है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर खोजने पड़ते हैं और इसके कारण उच्च शिक्षा संभव नहीं हो पाती।

यह परिवर्तन दर्शाता है कि समाज ऐसे चरण से गुजर रहा है जहां पढ़ाई जरूरी है, लेकिन साथ ही परिवार चलाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा अब समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंच गई है, लेकिन जब रोजगार के अवसरों की बात आती है, तो उनका स्तर बहुत कम है। हाल ही में आई रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि 20 से 29 वर्ष की आयु के 6.3 करोड़ स्नातक युवाओं में से लगभग 1.20 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। भारत जैसे देश के लिए यह वास्तव में चिंताजनक और निराशाजनक स्थिति है। युवा वर्षों खर्च करके पढ़ाई करते हैं और फिर भी उन्हें रोजगार के अवसर नहीं मिलते। इसके कारण उन्हें अपने कौशल से कम स्तर की, कम वेतन वाली नौकरियां स्वीकार करनी पड़ती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर मिलने वाली नौकरियों में से केवल 7 प्रतिशत युवाओं को ही स्थाई वेतन वाली नौकरी मिलती है। एक समय कहा जाता था कि शिक्षा ही बेरोजगारी का समाधान है, लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ अलग ही दिशा में जा रही है।

भारत की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो 15 से 25 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर 40 प्रतिशत है, जबकि 25 से 29 वर्ष के युवाओं में लगभग 20 प्रतिशत बेरोजगारी है। जिनके पास रोजगार है, उन्हें भी उनके शिक्षा, योग्यता और अपेक्षित वेतन के अनुसार नौकरी नहीं मिलती। यह स्पष्ट करता है कि भारत में शिक्षा और रोजगार के बीच का संबंध अत्यंत कमजोर है। डिग्री होने के बावजूद नौकरी न मिलने के कारण युवा निराशा की ओर बढ़ रहे हैं। उनमें असंतोष बढ़ रहा है। आज के युवाओं के सामने बेरोजगारी के साथ-साथ अधूरी रोजगार (Underemployment) भी एक बड़ी समस्या है। देश में बड़ी संख्या में ऐसे युवा काम कर रहे हैं, जिन्हें उनके अध्ययन और कौशल के अनुसार रोजगार नहीं मिला है। जानकारों का मानना है कि यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि व्यक्तिगत क्षमताओं और राष्ट्रीय संसाधनों का भी नुकसान है। शिक्षा में किया गया निवेश यदि अपेक्षित उत्पादकता नहीं देता, तो उसका कोई अर्थ नहीं रह जाता।

जानकारों का मानना है कि देश में केवल शिक्षा का विस्तार पर्याप्त नहीं है। इसके साथ शिक्षा की गुणवत्ता और उपयोगिता में भी सुधार होना चाहिए। यदि 2010 से 2021 के बीच के समय की बात करें, तो प्रति एक लाख युवाओं पर विश्वविद्यालयों की संख्या 29 से बढ़कर 45 हो गई है। आईटीआई जैसी संस्थाओं की संख्या में भी कई गुना वृद्धि हुई है। इसके बावजूद रोजगार के मामले में क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं। दूसरी ओर शिक्षकों की कमी भी गंभीर समस्या है। सरकारी और निजी कालेजों तथा स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात बहुत अधिक है। इसके बावजूद इन संस्थानों से निकलने वाले युवाओं के कौशल में अपेक्षित विकास नहीं हो पाता।

यह स्थिति दर्शाती है कि आज भी हमारी शिक्षा प्रणाली केवल डिग्री तक सीमित है। यहां डिग्री पर अधिक जोर दिया जाता है, जबकि कौशल पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता और इसके कारण रोजगार का सही सृजन नहीं हो पाता। दूसरी ओर गरीब परिवारों के युवा भी अब उच्च शिक्षा की ओर बढ़ रहे हैं। वे किसी भी तरह उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। 2007 में उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों के युवाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 8 प्रतिशत था, जो 2017 में 15 प्रतिशत हो गया और अब इससे भी अधिक हो गया है। लेकिन पढ़ाई पूरी करने के बाद भी उन्हें पर्याप्त रोजगार नहीं मिलता। भारत की अर्थव्यवस्था में व्यापक बदलाव हो रहा है। युवा अब खेती छोड़कर सेवा क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय हो रहे हैं। आईटी, आटोमोबाइल और पेशेवर सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है।

700 साल पुराना देवी काली का मंदिर

मनोकामना पूर्ति के लिए बांस के साथ करना पड़ता है यह काम बेहद तेजस्वी है मूर्ति

देश भर में भगवती के समर्पित कई भव्य व भक्ति से भरे देवालय हैं। ऐसा ही दिव्य मंदिर झारखंड की राजधानी रांची से मात्र 60 किलोमीटर दूर देवड़ी गांव में स्थित है। देवड़ी मंदिर भक्तों के लिए एक बेहद प्रसिद्ध और चमत्कारी तीर्थस्थल है। देवी काली को समर्पित यह मंदिर करीब 700 साल पुराना है। बताया जाता है कि इस मंदिर की नक्काशी इतनी बारीक है कि देखने वाले को आश्चर्य होता है। साथ ही इस मंदिर में छोटे से छोटा कोई भी बदलाव नहीं कर सकते, अगर करते हैं तो उसके भयंकर परिणाम सामने आते हैं। आइए जानते हैं देवी काली के 700 साल पुराने इस मंदिर के बारे में खास बातें...

पवित्र धागे बांधने की अनोखी परंपरा

देवी काली के मंदिर में बांस के ढांचे पर लाल और पीले रंग के पवित्र धागे बांधने की अनोखी परंपरा है, जिसके बारे में माना जाता है कि सच्चे मन से की गई मन्नत जरूर पूरी होती है।देवड़ी मंदिर बेहद प्राचीन है।यह मंदिर देवी काली के एक विशेष अवतार को समर्पित है। स्थानीय किंवदंतियों के अनुसार, तामार के राजा को देवी के स्वप्न में दर्शन हुए थे, जिसके बाद उन्होंने जंगल में इस पवित्र स्थल की खोज की और मंदिर का निर्माण कराया। मंदिर की एक और खास बात यह है कि यहां किसी भी प्रकार का नवीनीकरण या बदलाव करने की कोशिश करने वाले को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए मंदिर का मूल स्वरूप आज भी पूरी तरह सुरक्षित और अछूता है। नए निर्माण कार्य मूल संरचना के आसपास ही किए गए हैं।

वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध देवड़ी मंदिर

देवड़ी मंदिर अपनी वास्तुकला के लिए भी प्रसिद्ध है। इस मंदिर को बिना सीमेंट या किसी जोड़ने वाले पदार्थ के केवल पत्थरों को आपस में फंसाकर बनाया गया है। बलुआ पत्थर की विशाल दीवारों पर जटिल नक्काशी की गई है, जो पौराणिक कथाओं और देवी-देवताओं की कहानियां बयां करती हैं। हर नक्काशी इतनी बारीक है कि देखने वाले को आश्चर्य होता है। मंदिर का सबसे आकर्षक केंद्र देवी की 700 साल पुरानी मूर्ति है।

पूजा से पहले नहाने की जरूरत क्या है ?जानें कितने प्रकार के होते हैं स्नान, विधि पूजा से पहले नहाने की जरूरत क्या है ?जानें कितने प्रकार के होते हैं स्नान, विधि कौन है वह ज्योतिषी, जिसने की थी भविष्यवाणी, आ रही 'विजय की सुनामी' कौन है वह ज्योतिषी, जिसने की थी भविष्यवाणी, आ रही 'विजय की सुनामी' गुरु प्रदोष व्रत कब है? इस दिन न चूकें मौका, बन रहा मनोकामनापूर्ति वाला योग गुरु प्रदोष व्रत कब है? इस दिन न चूकें मौका, बन रहा मनोकामनापूर्ति वाला योग शनि अमावस्या पर शनिदेव इन 4 लोगों को देंगे विशेष आशीर्वाद, होगा लाभ ही लाभ! शनि अमावस्या पर शनिदेव इन 4 लोगों को देंगे विशेष आशीर्वाद, होगा लाभ ही लाभ!

देवी की 16 भुजाएं

यह मूर्ति लगभग तीन फीट ऊंची है और देवी काली का तेजस्वी रूप है। सबसे खास बात यह है कि देवी की 16 भुजाएं हैं, जो आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। स्थानीय लोग इसे सोलहभुजी मंदिर भी कहते हैं। देवी सुनहरे आभूषणों से सजी हैं और हाथों में धनुष, ढाल, फूल आदि धारण किए हुए हैं।

मनोकामना पूर्ति के लिए करें ये काम

देवड़ी मंदिर की सबसे चर्चित परंपरा बांस पर धागा बांधने की है। भक्त यहां अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और बांस के ढांचे पर लाल व पीले रंग के पवित्र धागे बांधते हैं। मान्यता है कि सच्चे दिल से बांधे गए धागे से देवी मन्नत जरूर पूरी करती हैं। जब इच्छा पूरी हो जाती है तो भक्त दोबारा मंदिर आकर विधि-विधान से धागा खोलते हैं और देवी का आभार व्यक्त करते हैं। यह परंपरा दूर-दूर से आने वाले भक्तों को खासतौर पर आकर्षित करती है।

बेहद मूल्यवान ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प मंदिर ना सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है बल्कि ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प की दृष्टि से भी बेहद मूल्यवान है। रांची घूमने आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु यहां अवश्य आते हैं। आसपास रांची स्टेट म्यूजियम और योगदा सत्संग सोसाइटी (रांची आश्रम) जैसे अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं, जो यात्रा को और यादगार बना देते हैं।

भगवती को समर्पित पंजाब का एकमात्र शक्तिपीठ

मनोकामना पूरी करने के लिए निभाई जाती है यह परंपरा इस तरह हुआ तालाब का निर्माण

देश भर में माता दुर्गा के कई भव्य मंदिर हैं, जो भक्ति और शक्ति दोनों की गाथा कहते हैं। भगवती का ऐसा ही भव्य मंदिर पंजाब राज्य के सबसे प्राचीन कहे जाने वाले शहर जालंधर में है। खास बात है कि यह भवानी को समर्पित यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। पंजाब के जालंधर शहर में स्थित देवी तालाब मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस पवित्र स्थल का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि यहां माता सती का दाहिना स्तन गिरा था। हिंदू धर्म में इसे अत्यंत पावन और शक्तिशाली स्थान माना जाता है। बताया जाता है कि यहीं पर आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने यहीं पर मां गंगा का आह्वान किया था। आइए जानते हैं माता के इस शक्तिपीठ के बारे में खास बातें...

शक्तिपीठ से जुड़ी पौराणिक कथा

मंदिर के बारे में पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब देवी सती अपने पिता दक्ष प्रजापति द्वारा भगवान शिव के अपमान को सहन नहीं कर पाईं तो उन्होंने यज्ञ में अपने प्राण त्याग दिए। क्रोधित भगवान शिव सती के शरीर को लेकर तांडव करने लगे। ब्रह्मांड की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे माता सती का शरीर 51 टुकड़ों में विभक्त हो गया। इन टुकड़ों में से एक माता सती का दाहिना स्तन जालंधर में गिरा। इसी स्थान पर देवी तालाब मंदिर का निर्माण हुआ।

शंकराचार्य ने यहां किया था आह्वान

एक अन्य कथा के अनुसार, आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने यहां गंगा का आह्वान किया था, जिसके फलस्वरूप धरती से पवित्र जल प्रकट हुआ और यही जल आज देवी तालाब के रूप में मौजूद है। देवी तालाब मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है। मंदिर में देवी दुर्गा की मुख्य प्रतिमा स्थापित है। यहां एक बड़ा तालाब है, जिसमें भक्त आध्यात्मिक शुद्धि के लिए पवित्र स्नान करते हैं। मंदिर परिसर में देवी काली का प्राचीन मंदिर, भगवान शिव का मंदिर (बाघ पर विराजमान) और अमरनाथ गुफा जैसी संरचना भी बनी हुई है। मंदिर की दीवारों पर बारीक नक्काशी और ऊंचा पिरामिड आकार का गुंबद इसे भव्य बनाता है।

यहां हमेशा चलता है माता का भंडारा

परिसर में एक बहुत पुराना बरगद का पेड़ भी है, जिस पर भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना से धागे बांधते हैं। यही नहीं मंदिर में भोजन की भी व्यवस्था मुफ्त रहती है। प्रतिदिन सुबह शाम मंदिर कमेटी की ओर से भक्तों या भोजन के इच्छुक लोगों को भोजन कराया जाता है। देवी तालाब मंदिर ना सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और नारी शक्ति का प्रतीक भी है। रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से यहां मां भगवती के दर्शन और आशीर्वाद लेने आते हैं। मंदिर में हर साल भव्य कीर्तन दरबार और हरबल्लभ संगीत सम्मेलन का भी आयोजन होता है। इन आयोजनों में देश भर के प्रसिद्ध भजन गायक और संगीतकार आते हैं।

कैसे पहुंचे देवी तालाब मंदिर?

देवी तालाब मंदिर जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शहर के केंद्र में होने के कारण यहां तक पहुंचना आसान है। जालंधर जंक्शन रेलवे स्टेशन से ऑटो, टैक्सी या रिक्शा द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। मंदिर परिसर में ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था है। कम शुल्क में यहां गेस्ट हाउस उपलब्ध है, जहां यात्री या श्रद्धालु शर्तों के साथ ठहर सकते हैं। मंदिर के आसपास भी कई आकर्षक जगह हैं। मंदिर से 15 किलोमीटर के दायरे में कई आकर्षण जगह हैं, जैसे वंडरलैंड थीम पार्क, सेंट मैरी कैथेड्रल चर्च, रंगला पंजाब हवेली और जंग-ए-आजादी स्मारक भी है।

उत्तराखंड के 200 गांव बद्रीनाथ धाम को देते थे टैक्स

(गंताक से आगे)

1776 में महंत से एक रावल के हाथ में गई व्यवस्था

साल 1776 में बद्रीनाथ मंदिर के महंत रामकृष्ण स्वामी की मृत्यु के बाद एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई। उस समय नंबूदरी, चोली या मुकाणी जाति का कोई भी योग्य सन्यासी वहां मौजूद नहीं था, जबकि मंदिर की पूजा को रोका नहीं जा सकता था।

उसी दौरान गढ़वाल के राजा पंवार वंश के प्रदीप शाह वहां मौजूद थे। उन्हें पता चला कि मंदिर में भोग बनाने वाला एक नंबूदरी ब्राह्मण गोपाल मौजूद है, लेकिन वह शादीशुदा था और उसकी एक बेटी भी थी।

राजा ने गोपाल को बुलाकर मुख्य पुजारी बनने का प्रस्ताव दिया। गोपाल के तैयार होने के बाद उसे महंत रामकृष्ण स्वामी की जगह नियुक्त कर दिया गया। यहीं से परंपरा में बदलाव आया, पहली बार सन्यासी महंत की जगह एक गृहस्थ पुजारी नियुक्त हुआ, जिसे "रावल" कहा गया।

मुश्किल के समय चोली और मुकाणी जाति के दो ब्राह्मण ही शंकराचार्य के साथ थे।

इसके बाद से बद्रीनाथ मंदिर की पूजा व्यवस्था महंतों की जगह रावल के हाथों में आ गई, लेकिन पुजारी की परंपरा वही रही- केरल की नंबूदरी, चोली और मुकाणी ब्राह्मण परंपरा।

अधिकार को लेकर टिहरी दरबार में आया केस

प्रदीप शाह ने तो गोपाल के सारी शर्तें मान ली लेकिन, उन शर्तों के कारण ही आगे चलकर टिहरी के राजा के सामने एक केस आ गया। टिहरी दरबार के वजीर और इतिहासकार पंडित हरिकृष्ण रतूड़ी के अनुसार, राजा प्रताप शाह के समय एक अहम विवाद सामने आया। बद्रीनाथ के रावल पुरुषोत्तम ने लक्ष्मी मंदिर में चढ़ावे को लेकर डिमरी जाति के खिलाफ टिहरी दरबार में मुकदमा दर्ज कराया।

रावल का कहना था कि लक्ष्मी मंदिर में आने वाला चढ़ावा डिमरियों को न देकर मंदिर के कोष में जमा होना चाहिए।

इस मुकदमे की सुनवाई के दौरान बद्रीनाथ के धर्माधिकारी पंडित गंगादत्त ड्यूंडी ने दरबार में एक पुरानी व्यवस्था का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब 1776 में महंत रामकृष्ण स्वामी का निधन हुआ था, तब राजा प्रदीप शाह ने नंबूदरी ब्राह्मण गोपाल को मुख्य पुजारी बनाया था।

गोपाल की शर्तों के कारण डिमरी जीते केस

गोपाल पहले से शादीशुदा था और उसकी एक बेटी भी थी। उसने पुजारी बनने से पहले राजा के सामने दो शर्तें रखी थीं। पहली- यदि वह मठाधीश बनेगा तो उसकी जाति के लोग उससे विवाह संबंध तोड़ देंगे, जिससे उसकी बेटी का विवाह मुश्किल हो जाएगा। दूसरी- यदि उसे सन्यास लेना पड़ा, तो उसके परिवार का कोई उत्तराधिकारी नहीं रहेगा और परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

इन बातों को सुनने के बाद राजा प्रदीप शाह ने दरबार में मौजूद ब्राह्मणों को आदेश दिया कि वे गोपाल के परिवार के साथ वैवाहिक संबंध बनाए रखें। साथ ही, उसके परिवार की आजीविका के लिए स्थायी व्यवस्था भी की गई।

राजा ने लक्ष्मी मंदिर के चढ़ावे, मंदिर की रसोई और अन्य प्रमुख सेवाओं में गोपाल के परिवार की भूमिका तय की। रहने के लिए उन्हें डिम्मर गांव दिया गया। इसके बाद उनका परिवार "डिमरी" कहलाने लगा।

पूरी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सुनने के बाद टिहरी दरबार ने इस विवाद में डिमरी जाति के पक्ष में फैसला सुनाया।

अलग अलग जातियों में बंटी थी जिम्मेदारियां

इसके साथ ही मंदिर से जुड़ी अलग-अलग जिम्मेदारियां अन्य जातियों में भी बांटी गईं। जैसे तप्तकुंड के पंडे देवप्रयाग के कोटियाल होते हैं, जबकि ब्रह्मकपाल में हटवाल और कोठियाल जाति के पंडे श्राद्ध कर्म कराते हैं। बद्रीनाथ मंदिर की सारी आय मंदिर के कोष में जमा होती है, जिसका हिसाब रखने वाले "सैण भंडारी" कहलाते हैं।

तिब्बत से भेंट की परंपरा और मंदिर के निर्माण पर इतिहासकारों की राय

बद्रीनाथ मंदिर में एक समय तिब्बत से जुड़ी खास परंपरा भी निभाई जाती थी। चातुर्मास के दौरान तिब्बत के शासक और धर्मगुरु के प्रतिनिधि मंदिर में चाय, चंवर गाय (याक) और अन्य वस्तुएं भेंट स्वरूप भेजते थे। इसके बदले मंदिर की ओर से प्रसाद, मिठाई, वस्त्र और कस्तूरी तिब्बत भेजी जाती थी। माना जाता है कि तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद यह परंपरा धीरे-धीरे समाप्त हो गई।

इतिहासकार पंडित हरिकृष्ण रतूड़ी अपनी पुस्तक में बद्रीनाथ मंदिर के निर्माण को लेकर एक अलग पक्ष रखते हैं। उनके अनुसार मंदिर का इतिहास करीब 2380 साल पुराना माना जाता है।

वहीं आदि शंकराचार्य के बारे में यह माना जाता है कि वे 8वीं सदी में बद्रीनाथ पहुंचे थे। रतूड़ी लिखते हैं कि यदि शंकराचार्य का समय 8वीं सदी माना जाए, तो यह कहना सही नहीं होगा कि उन्होंने मंदिर का निर्माण कराया। संभवतः मंदिर पहले से मौजूद था और उन्होंने उसका जीर्णोद्धार किया। वे यह भी बताते हैं कि शंकराचार्य ने उस मूर्ति को, जिसे बौद्धों ने नारदकुंड में डाल दिया था, निकालकर फिर से स्थापित किया और मंदिर की व्यवस्था को पुनर्गठित किया।

इसके साथ ही उन्होंने ज्योतिर्मठ की स्थापना की और पूजा-पद्धति की जिम्मेदारी दक्षिण भारत के नंबूदरी, चोली और मुकाणी ब्राह्मणों को सौंपी, जो आगे चलकर बद्रीनाथ की पुजारी परंपरा का आधार बने। **(समाप्त)**

स्वयं प्रयास करने पर सत्य की संभावना बढ़ जाती है

मशीन और मानवता का खुलेआम मुकाबला हो रहा है। विज्ञान की आंधी में मानवता बिजूके की तरह उड़ गई है। मानवीय प्रयास- जिसको हम लोग मैन्युअल कहते हैं- उसे करते समय हम सत्य के अधिक निकट होते हैं।

जब आप स्वयं प्रयास करते हैं तो सत्य की संभावना जीवन में बढ़ जाती है, लेकिन जब मशीन पूरी तरह उतर आए तो असत्य को प्रवेश करने में आसानी होती है। हमारे देश की आधी आबादी झूठ की चपेट में है। बहुत सारे लोग जानबूझकर झूठ बोलते हैं, पर उससे ज्यादा लोग अनजाने में झूठ बोलते हैं। इसीलिए मनोवैज्ञानिक कहते हैं झूठ बोलना भी एक बीमारी है।

झूठ बोलने से अगर बचना चाहें तो मानवता के निकट जाएं। सत्य, करुणा, अहिंसा, प्रेम, अपनापन, परहित की कामना- ये सब मिलकर मानवता है। एक बात और शास्त्रों में लिखी है कि जब शब्दों का अतिरिक्त उपयोग किया जाता है तो झूठ को अवसर मिल जाता है शब्दों में प्रवेश करने का। जुबान झूठ नहीं बोलती, जुबान के पीछे से मन झूठ बुलवाता है। तो बोलने का एक अभ्यास करिए कि प्रत्येक शब्द सत्य को स्पर्श करके निकले।

चाणक्य नीति से समझें कैसे घमंड इंसान को अंदर से खोखला कर देता है?

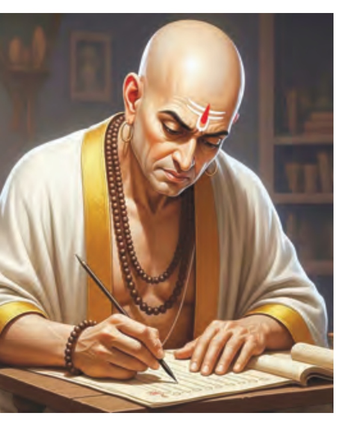

कभी आपने महसूस किया है कि कुछ लोग शुरुआत में बहुत तेज, समझदार और सफल दिखते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनसे लोग दूरी बनाने लगते हैं? वजह अक्सर उनकी काबिलियत नहीं, बल्कि उनका बढ़ता हुआ घमंड होता है। जिंदगी में आत्मविश्वास जरूरी है, लेकिन जब यही आत्मविश्वास घमंड में बदल जाता है, तो वही इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में साफ कहा है कि घमंड इंसान की सोच को सीमित कर देता है और उसे दूसरों से काट देता है। शुरुआत में यह आदत छोटी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे यही आपके रिश्तों, फैसलों और समाज में आपकी पहचान को नुकसान पहुंचाने लगती है। आज हम समझेंगे कि कैसे घमंड चुपचाप आपकी इज्जत और रिश्तों को खत्म कर देता है।

घमंड कैसे बनता है दूरी की वजह

-जब किसी इंसान को अपनी उपलब्धियों पर जरूरत से ज्यादा गर्व होने लगता है, तो वह दूसरों को कम आंकने लगता है। उसे लगता है कि वही सबसे बेहतर है और बाकी लोग उससे कम हैं।

-असल जिंदगी में ऐसे लोगों के साथ काम करना मुश्किल हो जाता है। ऑफिस में भी आपने देखा होगा कि जो लोग टीम की बात नहीं सुनते, उनकी टीम धीरे-धीरे उनसे कटने लगती है। दोस्ती और रिश्तों में भी यही होता है।

-धीरे-धीरे लोग ऐसे इंसान से दूरी बना लेते हैं, क्योंकि कोई भी हर समय खुद को छोटा महसूस करना पसंद नहीं करता।

सीखने की आदत खत्म कर देता है घमंड

जब लगता है 'मुझे सब आता है' घमंड का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह सीखने की इच्छा को खत्म कर देता है। इंसान सोचने लगता है कि उसे सब पता है, अब उसे किसी से कुछ सीखने की जरूरत नहीं, लेकिन सच्चाई यह है कि सीखना कभी खत्म नहीं होता। हर दिन कुछ नया सिखाता है।

जैसे कोई बिजनेस चलाने वाला व्यक्ति अगर यह मान ले कि उसे सब पता है और वह नए ट्रेंड्स नहीं सीखेगा, तो उसका बिजनेस धीरे-धीरे पीछे छूट जाएगा। यही बात हर क्षेत्र पर लागू होती है।

गलत फैसलों की तरफ धकेलता है घमंड

सलाह को नजरअंदाज करने की आदत जब इंसान घमंडी हो जाता है, तो वह दूसरों की सलाह को बेकार समझने लगता है। उसे लगता है कि उसकी सोच ही सबसे सही है। यहीं से गलत फैसलों की शुरुआत होती है। कई बार हम देखते हैं कि लोग सिर्फ अपने अहंकार के कारण सही सलाह को भी ठुकरा देते हैं और बाद में उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। करियर में भी यही गलती भारी पड़ती है।

बार-बार गलत फैसले लेने से न सिर्फ काम बिगड़ता है, बल्कि लोगों का भरोसा भी खत्म हो जाता है।

रिश्तों पर सबसे बड़ा असर

छोटी बातों पर बड़े झगड़े घमंड रिश्तों का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है। जब इंसान अपने आप को ही सबसे ऊपर रखता है, तो वह दूसरों की भावनाओं को समझना बंद कर देता है। घर में, दोस्तों के बीच या ऑफिस में-हर जगह छोटी-छोटी बातों पर बहस शुरू हो जाती है। आपने शायद देखा होगा कि कुछ लोग हर बात में अपनी ही चलाना चाहते हैं। धीरे-धीरे लोग उनसे बात करना ही बंद कर देते हैं। यही वजह है कि अच्छे-खासे रिश्ते भी टूट जाते हैं और इंसान अकेला पड़ जाता है।

इज्जत की जगह मिलने लगती है नफरत

शुरुआत में लोग घमंडी इंसान को सहन कर लेते हैं, क्योंकि उसकी कोई खासियत या सफलता होती है। लेकिन समय के साथ उसका व्यवहार ही उसकी पहचान बन जाता है। जहां पहले लोग उसकी तारीफ करते थे, वहीं बाद में उसकी आलोचना होने लगती है। समाज में इज्जत कमाने में सालों लग जाते हैं, लेकिन घमंड उसे कुछ ही समय में खत्म कर सकता है। लोग ऐसे इंसान से दूरी बना लेते हैं और उसके पीछे उसकी बुराई भी होने लगती है।

घमंड एक ऐसी आदत है जो धीरे-धीरे इंसान को अंदर से खोखला कर देती है। यह न सिर्फ उसकी सोच को सीमित करता है, बल्कि उसके रिश्तों और इज्जत को भी खत्म कर देता है। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए, तो सफलता भी ज्यादा समय तक साथ नहीं देती।

दूसरों का मान-सम्मान करने से हमारे अंदर विनय और श्रेष्ठ गुण विकसित होते हैं

दूसरों का मान-सम्मान करने से हमारे अंदर विनय और श्रेष्ठ गुण विकसित होते हैं। जब हम दूसरों के सद्गुणों और उनकी महानता को स्वीकार कर उनके सामने विनम्रता से झुकते हैं, तब हमारे भीतर यश, आयु, ज्ञान, बल और विशेष रूप से आत्मबल बढ़ता है। नमस्कार करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि सम्मान और आदर की सच्ची भावना का प्रतीक है। यह भावना हमें अहंकार से दूर रखकर सत्य के प्रति झुकने की सीख देती है। इसलिए दूसरों को सम्मान देना अत्यंत श्रेष्ठ गुण माना गया है, जो हमारे व्यक्तित्व को महान बनाता है।

'दर्शक खुद कर रहे प्रमोशन', रितेश देशमुख ने 'राजा शिवाजी' को मिल रही प्रतिक्रियाओं पर जताई खुशी

अभिनेता और निर्माता-निर्देशक रितेश देशमुख इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'राजा शिवाजी' को लेकर चर्चाओं में हैं। रितेश ने इस फिल्म का निर्देशन भी किया है और उन्होंने ही छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका भी निभाई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया हासिल हुई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब रितेश ने फिल्म के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए आधुनिक दर्शकों के लिए इसके महत्व पर जोर दिया है।

फिल्म को हर वर्ग का दर्शक मिलने पर रितेश ने जताई खुशी

रितेश देशमुख ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से परे, इमोशनली दर्शकों से जुड़ सकी। अभिनेता ने कहा कि जब मैं लोगों को अपने परिवार के साथ, समूह बनाकर, अपने दादा-दादी को लेकर फिल्म देखने जाते देखता हूं, तो मुझे पता चलता है कि बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्होंने पहले कभी फिल्म नहीं देखी।

नए माता-पिता, एक साल का बच्चा और दो साल का बच्चा चाहते हैं कि उनके जीवन की पहली फिल्म राजा शिवाजी हो, खासकर छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनी फिल्म। वे फिल्म देखने के लिए अंदर जाकर अपने वीडियो बना रहे हैं। अंदर जाने के बाद हर किसी को कुछ महसूस होता है। बाहर आने के बाद वे वीडियो बनाकर पोस्ट करते हैं और लोगों से इस फिल्म को देखने का आग्रह करते हैं।

दर्शकों की स्वीकृति फिल्म की असली सफलता

फिल्म रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर दर्शकों और प्रशंसकों द्वारा सिनेमाघरों में जश्न मनाते हुए वीडियो और फिल्म पर अपनी राय साझा करने की बाढ़ आ गई है। रितेश ने इसे ऑर्गेनिक प्रमोशन बताया और कहा कि यही किसी फिल्म की सच्ची सफलता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यही वो पल है जब दर्शक किसी फिल्म को स्वीकार करते हैं। फिल्म निर्माताओं के लिए यह एहसास बहुत अच्छा होता है क्योंकि जब दर्शक किसी फिल्म को स्वीकार करते हैं, तो वे खुद ही उसका प्रचार करना शुरू कर देते हैं। हम जैसे फिल्मकारों के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

इतिहास जानने के लिए बच्चों को देखना चाहिए फिल्म

'राजा शिवाजी' छत्रपति शिवाजी और बीजापुर साम्राज्य के सेनापति अफजल खान के बीच की प्रतिद्वंद्विता को दिखाती है। फिल्म में शिवाजी के बीजापुर और मुगलों के खिलाफ सैन्य अभियानों को दिखाया गया है। अपनी फिल्म के महत्व के बारे में बताते हुए रितेश ने कहा कि मुझे लगता है कि बच्चों को यह फिल्म देखनी चाहिए क्योंकि इतिहास के कुछ ही पन्ने हमारे सामने आते हैं।

मेरा मानना है कि जब कोई कहानी बड़े पर्दे पर दिखाई जाती है, तो उन्हें पता चलता है कि इतिहास की किताबों में बहुत सी बातें नहीं दिखाई जातीं। यह सब जानने के लिए इस फिल्म को देखना जरूरी है।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है फिल्म

रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित 'राजा शिवाजी' बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में भी अच्छी कमाई कर रही है। पांच दिनों में भारत में फिल्म का कुल कलेक्शन 44.40 करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है।

इस फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आई है, जिसमें संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, जेनेलिया देशमुख, महेश मांजरेकर, फरदीन खान, अमोल गुप्ते और बोमन ईरानी सरीखे कलाकारों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा फिल्म में सलमान खान का भी कैमियो है।

क्या पाकिस्तानी टेलीफिल्म की कॉपी है नीतू कपूर की फिल्म 'दादी की शादी'?

अभिनेत्री सादिया खतीब ने नीतू कपूर और कपिल शर्मा अभिनीत सीरियल 'दादी की शादी' को लेकर चल रही साहित्यिक चोरी की अफवाहों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है।

उनका यह जवाब इसी नाम की एक पाकिस्तानी टेलीफिल्म से तुलना के बीच आया है। इस फिल्म में सादिया खतीब ने भी अहम भूमिका निभाई है।

'दादी की शादी' को लेकर सादिया का रिएक्शन

सादिया ने कहा कि फिल्म 'दादी की शादी' का नाम बहुत पहले ही घोषित कर दिया गया था। मीडिया से बात करते हुए सादिया ने कहा, 'हमने दिसंबर 2025 में शीर्षक की घोषणा कर दी थी, जब हमने शूटिंग शुरू की थी। पाकिस्तानी टेलीफिल्म तो इसके बाद आई थी।'

दोनों की कहानी है अलग

सादिया ने साफ कहा कि दोनों कहानियां एक जैसी नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमने किसी से कुछ नहीं कॉपी किया है। यह पाकिस्तानी टेलिफिल्म से बिल्कुल अलग हैं। पूरी कहानी अलग है।'

'दादी' की कहानी

यह फिल्म एक परिवार की बुजुर्ग महिला (दादी) की कहानी है, जिन्हें अचानक प्यार हो जाता है और वह दोबारा शादी करना चाहती हैं। इससे पूरा परिवार हैरान रह जाता है। नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है।

नीतू कपूर के साथ काम का अनुभव

सादिया ने नीतू कपूर की तारीफ करते हुए कहा, 'उनके साथ काम करना बहुत अच्छा और मजेदार रहा। वह बहुत सहज और सच्ची हैं। उन्होंने मेरे लिए सब कुछ आसान बना दिया।' 'दादी की शादी' एक कॉमेडी-फैमिली ड्रामा फिल्म है।

स्क्रीनिंग और रिलीज

फिल्म की रिलीज से पहले 5 मई को एक खास स्क्रीनिंग रखी गई थी, जिसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट समेत कपूर परिवार के कई सदस्य और अभिनेत्री रेखा भी मौजूद थीं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें नीतू कपूर और कपिल शर्मा के अलावा सादिया खतीब और रिद्धिमा कपूर साहनी नजर आएंगी। फिल्म में आर. सरथकुमार, सतिंदर कसोआना और तेजू कोल्हापुरी भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

'कुछ लोग बेवकूफ हैं...', फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' के टीजर की हुई आलोचना; विक्रम भट्ट ने दी प्रतिक्रिया

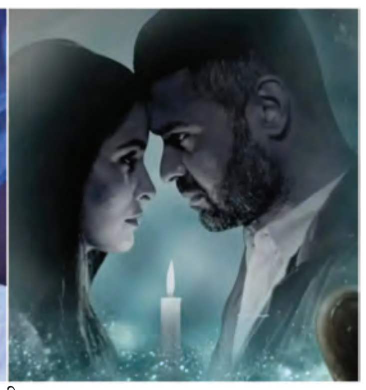

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट अपनी आगामी निर्देशित फिल्म 'हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट' की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म साल 2011 में आई हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' का सीक्वल है। यह भी एक हॉरर फिल्म है, जिसमें मिमोह चक्रवर्ती और चेतना पांडे मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। बीते दिनों फिल्म का टीजर रिलीज किया गया, जिसे सीजीआई (सिग्निफिकेंट ग्राफिक्स) को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इन आलोचनाओं पर निर्देशक विक्रम भट्ट ने प्रतिक्रिया दी है।

सिनेमा के बारे में अधिक शिक्षित होने की जरूरत

विक्रम भट्ट ने फिल्म के टीजर को मिल रही आलोचनाओं पर बात की। उन्होंने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा कि हमें सिनेमा के बारे में और अधिक शिक्षित होना होगा। मान लीजिए, आप स्टार वॉर्स देख लें और कहने लगें, 'यह सीजीआई है।' स्टार वॉर्स में और क्या होगा? मैं असली भूत कहां से लेकर आऊंगा? भूत तो ऐसा ही होगा, भाई। मजेदार बात यह है कि अत्यधिक वीएफएक्स को लेकर शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद टीम ने असल लोकेशन पर शूटिंग की। कुछ लोग बेवकूफ हैं। यह असली लोकेशन है। इसलिए नफरत करने वाले नफरत करेंगे लेकिन पसंद करने वाले प्यार करेंगे।

असली भूत कहां से लेकर आएं?

विक्रम ने आगे कहा कि भूत वास्तव में मौजूद हैं और उन्होंने केवल मेकअप का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि यह किसी इंसान जैसा न दिखे, जिसे वह दुर्भाग्यपूर्ण मानते हैं।

हमने असल में जो कुछ भी किया है, लोगों को लगता है 'ये तो कुछ और ही है।' अब क्या करेंगे बताओ? आप लोगों ने पहले से मान लिया है कि ये सीजीआई है। यह सिर्फ उनकी जानकारी की कमी को दिखाता है।

आशुतोष गोवारिकर ने की 'टेम्पल रेडर्स' की घोषणा, मूर्ति तस्करी पर आधारित होगी डॉक्यू-ड्रामा सीरीज

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक आशुतोष गोवारिकर अब एक डॉक्यू-ड्रामा सीरीज लेकर आ रहे हैं। इसका नाम 'टेम्पल रेडर्स' है। यह सीरीज भारत के मंदिरों से मूर्तियों की चोरी और उनकी अवैध तस्करी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर आधारित होगी।

किस पर आधारित होगी 'टेम्पल रेडर्स'

'टेम्पल रेडर्स' एक डॉक्यूमेंट्री-ड्रामा सीरीज है। इसमें असली घटनाओं को रोचक और सिनेमाई तरीके से दिखाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को बचाने और मंदिरों से मूर्तियों की चोरी की समस्या को लोगों के सामने लाना है।

'टेम्पल रेडर्स' के बारे में

यह सीरीज तुडिप एंटरटेनमेंट और रिवरलैंड एंटरटेनमेंट के सहयोग से आशुतोष गोवारिकर प्रोडक्शंस द्वारा बनाई जा रही है। इसे राघव खन्ना ने बनाया और लिखा है। इसके निर्माण दीप्ति अग्रवाल, तुषार अपशंकर, जयश्री खन्ना और राघव खन्ना मिलकर कर रहे हैं। इसकी सह-निर्माता प्रियंका चौधरी गोवारिकर हैं।

कैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं आशुतोष गोवारिकर

आशुतोष गोवारिकर मुख्य रूप से ऐतिहासिक, सामाजिक ड्रामा और भव्य कैनवास वाली फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। वह अपनी फिल्मों में भारतीय इतिहास, संस्कृति और देशभक्ति को विस्तार से दर्शाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में 'लगान', 'स्वदेश' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्में शामिल हैं।

आशुतोष गोवारिकर का करियर

आशुतोष गोवारिकर का जन्म 15 फरवरी 1964 में हुआ। वह हिंदी सिनेमा के एक प्रमुख निर्देशकों और लेखकों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1984 में एक अभिनेता के रूप में की थी और बाद में निर्देशन में हाथ आजमाया, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। अब वह एक डॉक्यू-ड्रामा सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'टेम्पल रेडर्स' है।

एकता कपूर ने प्रियदर्शन के लिए लिखी यह खास बात अपने करियर की 'सबसे बड़ी हिट' देने के लिए किया धन्यवाद

अक्षय कुमार और तब्बू की फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म है, इसलिए पूरी टीम के लिए यह बहुत खास रही। निर्माता एकता कपूर 'भूत बंगला' के हिट होने पर बहुत खुश हैं। इस खुशी को एकता ने एक पोस्ट के जरिए बयां किया है और प्रियदर्शन के लिए एक लंबा नोट लिखा है।

एकता कपूर का पोस्ट

एकता कपूर ने आज 6 मई को निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अपनी तीन सेल्फी इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं और इसके साथ ही एक प्यारा नोट भी लिखा है। एकता और प्रियदर्शन की इन सेलफी में उनके चेहरों पर फिल्म की सफलता की खुशी साफ नजर आ रही है।

एकता कपूर का खास नोट

एकता ने प्रियदर्शन का शुक्रिया अदा करते हुए कैप्शन में लिखा कि वह एक ऐसे निर्देशक के साथ काम कर रही थीं, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। दोनों ही बहुत दृढ़ इरादे वाले हैं। उन्होंने लिखा कि लोगों ने उनके बीच के गहरे सम्मान को शायद नहीं देखा, जो उनके पूरे सफर को खास बनाता है।

एकता ने बताई एक मजेदार बात

प्रियदर्शन ने एकता से पूछा था कि क्या आप इस फिल्म (भूत बंगला) से मुनाफा कमा रही हैं? मैं तब तक किसी फिल्म पर काम नहीं करता, जब तक निर्माता को फायदा न हो।' उन्होंने आगे लिखा कि प्रियदर्शन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। बीच में मतभेद होते थे, लेकिन हमेशा एक-दूसरे का सम्मान करते थे।

एकता का मानना है कि निर्देशक को ही फिल्म का जहाज चलाना चाहिए और यह जहाज इस बार शानदार रहा। एकता ने आखिर में प्रियदर्शन की दूरदृष्टि और अनुशासन की तारीफ की और उन्हें अपनी सबसे बड़ी हिट फिल्म देने के लिए धन्यवाद दिया।

'भूत बंगला' का कलेक्शन

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, असरानी, राजपाल यादव, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर आदि कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। Sacnilk के अनुसार, फिल्म ने दुनिया भर में 231.03 करोड़ रुपये कमाए। भारत में इसका कलेक्शन 146.50 करोड़ रुपये रहा।

6 जून को रीलीज होगी बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्म

बॉबी देओल बीते कुछ दिनों से अपनी आने वाली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। अब उनकी फिल्म के टीजर रिलीज की डेट अनाउंस हो गई है, जिसके बाद फैंस में एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। जानिए कब रिलीज होगा टीजर और फिल्म में क्या कुछ है खास।

बॉबी देओल की आने वाली फिल्म बंदर काफी समय से चर्चाओं में है। अब जल्द इसका टीजर रिलीज होने वाला है। मेकर्स ने इसके टीजर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। साथ ही पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें बॉबी काफी कूल लुक में नजर आ रहे हैं।

बंदर फिल्म का टीजर 7 मई को सुबह 11 बजे रिलीज किया जाएगा। फिल्म बीते काफी दिनों से सुर्खियों में है। अब इसकी टीजर डेट अनाउंस होने के बाद फैंस में एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आज़ाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले नजर आएंगे। इस फिल्म को सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है, जबकि इसका निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है।

फिल्म को निखिल द्विवेदी के प्रोडक्शन हाउस सैफरन मैजिक वर्क्स के तहत बनाया गया है और इसे जी स्टूडियोज रिलीज कर रहा है। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'गुल्लक' फेम निर्देशक के साथ फिल्म करेंगे ईशान खट्टर, निभाएंगे अलग तरह की भूमिका?

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

इम्तियाज अली की फिल्म से टकराएगी कंगना अभिनीत 'भारत भाग्य विधाता', मेकर्स ने अनाउंस की रिलीज डेट

कंगना रनौत बीते कुछ दिनों से फिल्मों से ज्यादा राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन अब उनके फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

क्या है फिल्म का नाम?

कंगना रनौत की आने वाली फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का खुलासा किया है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'एक साधारण लोगों की असाधारण कहानी! वो रात, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बनकर सामने आई।

जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता ने कर्तव्य निभाया और जब हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनकही कहानी।' बता दें कि फिल्म में भारत के उन हीरोज की कहानी बताएगी, जो अनसुनी है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

बता दें कि फिल्म में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आएंगी। इसे मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस कंगना की वापस फिल्मों में वापसी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

इस फिल्म से होगी टक्कर

बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' से होगा। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' एक लव स्टोरी है। 'मैं वापस आऊंगा' भी 12 जून को रिलीज होगी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

12 जून को ये फिल्में भी होंगी रिलीज

'मैं वापस आऊंगा' और 'भारत भाग्य विधाता' के अलावा 12 जून को 2 और फिल्में रिलीज होंगी। इसमें एक फिल्म विक्रम भट्ट की है।

विक्रम भट्ट निर्देशित हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट' भी 12 जून को रिलीज होगी। यह 2011 की हिट फिल्म 'हॉन्टेड' का सीक्वल है, जिसमें मिमोह चक्रवर्ती मुख्य भूमिका में हैं। वहीं दूसरी ओर मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' भी इसी दिन रिलीज होगी। इसका निर्देशन विपुल अमृतलाल शाह और चिन्मय मंडलेकर ने किया है।

सलमान से नहीं घबराए 'स्पिरिट' के मेकर्स, तय समय पर रिलीज होगी प्रभास की फिल्म

प्रभास की अदाकारी वाली फिल्म 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'स्पिरिट' की रिलीज टाइमलाइन को लेकर चल रही अटकलों के बीच, मेकर्स ने यह जानकारी दी है। मेकर्स के मुताबिक यह फिल्म पूरी तरह से ट्रैक पर है। जैसा कि पहले बताया गया था, 5 मार्च 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या होने वाला था सलमान की फिल्म से क्लैश?

हाल ही में खबरें आईं कि सलमान खान अपनी अगली फिल्म साउथ के मेकर्स के साथ बना रहे हैं। इसके निर्देशक दिल राजू होंगे। खबरें यह भी थीं कि सलमान खान अपने ट्रेंड को जारी रखते हुए इस फिल्म को अगले साल ईद के मौके पर रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर क्लैश से बचने के लिए 'स्पिरिट' के मेकर्स ने इसकी रिलीज 1 दिसंबर 2027 कर दी। हालांकि अब मेकर्स ने साफ किया है कि 'स्पिरिट' 5 मार्च को ही रिलीज होगी।

दीपिका सुर्खियों में आईं

आपको बता दें कि फिल्म 'स्पिरिट' में पहले प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं। मगर 8 घंटे की शिफ्ट की मांग पर एक्ट्रेस को फिल्म से हटना पड़ा।

'टॉक्सिक' में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन; जानें क्या है पूरा मामला?

'एनिमल' की जोड़ी साथ में कर रही काम

फिल्म 'स्पिरिट' सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बनती जा रही है। खास बात यह है कि इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसके निर्माता भूषण कुमार हैं। दोनों की जोड़ी ने 'एनिमल' में साथ में काम किया था। 'एनिमल' काफी कामयाब फिल्म थी।

कितनी भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और एडिटर भी संदीप रेड्डी वांगा हैं। इसके निर्माता भूषण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा, कृष्ण कुमार और प्रभाकर रेड्डी वांगा हैं। 'स्पिरिट' में तृप्ति डिमरी और विवेक ओबेरॉय के साथ-साथ ऐश्वर्या देसाई भी हैं। यह फिल्म आठ भाषाओं में रिलीज होगी।

इन सब्जियों को भूल से भी कच्चा न खाएं, वरना होगी बड़ी दिक्कत

हम अक्सर हेल्दी रहने के लिए सब्जियों का सेवन बढ़ाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सब्जियों को कच्चा खाने से सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है?

कच्ची सब्जियां अक्सर विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती हैं, लेकिन कुछ में ऐसे रसायन या एंजाइम होते हैं, जो पाचन तंत्र को परेशान कर सकते हैं और पेट की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पाचन से जुड़ी समस्या वाले लोगों के लिए यह और भी जोखिम भरा हो सकता है। किन सब्जियों को कच्चा खाने से बचना चाहिए और इन्हें सुरक्षित तरीके से कैसे खाया जा सकता है।

ब्रोकली

ब्रोकली विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती है और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन कच्ची ब्रोकली में गोइट्रोजन नामक पदार्थ होता है, जो थायरॉयड ग्रंथि पर असर डाल सकता है। इसलिए थायरॉयड की समस्या वाले लोगों को इसे हल्का पकाकर या स्टीम करके खाना चाहिए।

फूलगोभी

फूलगोभी में भी कच्चा खाने पर पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। इसमें गैस पैदा करने वाले पदार्थ होते हैं, जिससे पेट फूलना और ऐंठन हो सकती है। इसे उबालकर, भूनकर या हल्का स्टीम करना सुरक्षित रहता है।

पत्तागोभी

पत्तागोभी में कच्चा सेवन करने पर भी गैस और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है। इसमें फाइबर तो अधिक होता है, लेकिन कच्चा खाने से पेट पर दबाव बढ़ता है। हल्का उबालकर या स्टीम करके इसका सेवन करना लाभकारी होता है।

टमाटर

कुछ लोगों के लिए कच्चा टमाटर एसिडिटी और पेट दर्द का कारण बन सकता है। इसे हल्का पकाकर या सलाद में सीमित मात्रा में लेना फायदेमंद है।

बैंगन

कच्चा बैंगन हल्का जहरीला होता है। इसमें सोलानिन नामक रसायन मौजूद होता है, जो पेट में जलन, गैस और अपच जैसी समस्या पैदा कर सकता है। इसे हमेशा पकाकर ही खाना चाहिए।

पालक और सरसों का साग

पालक और सरसों के कच्चे पत्तों में ऑक्सलेट्स होते हैं। यह हड्डियों और किडनी के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कच्चा सेवन करने से कैल्शियम अवशोषण कम होता है और किडनी स्टोन का खतरा बढ़ सकता है। हल्का पकाकर या स्टीम करके इन्हें खाने से ये सुरक्षित हो जाते हैं।

चाय की छलनी बन सकती है कैंसर की वजह!

चाय हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। सुबह की ताजगी हो या शाम का सुकून, चाय हर किसी की दिनचर्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन अक्सर लोग इसके साथ प्रयोग में आने वाले छोटे-छोटे सामानों पर ध्यान नहीं देते।

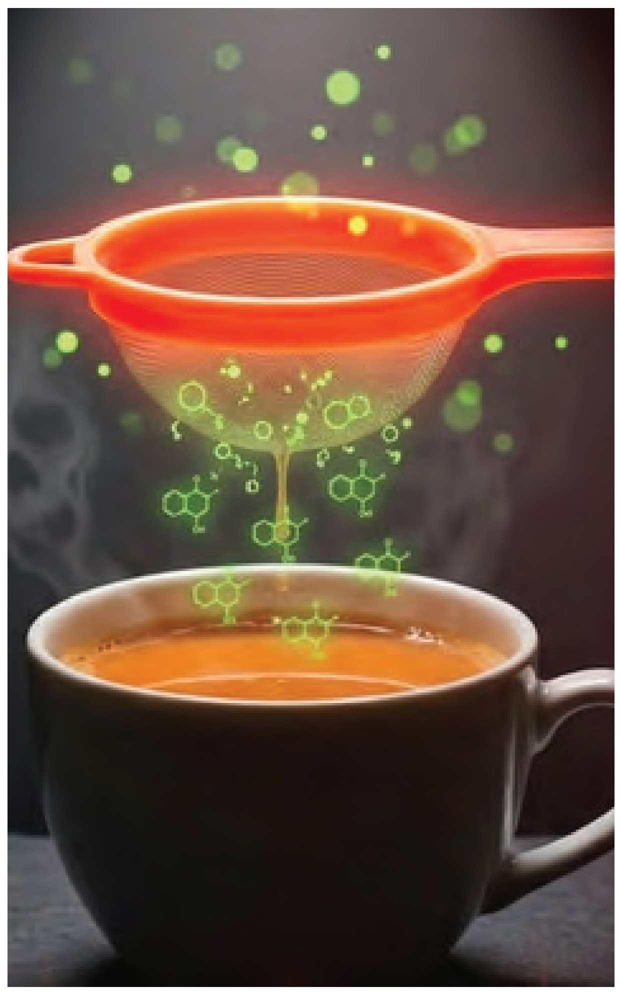

इनमें से एक है प्लास्टिक की चाय की छलनी, जिसे इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्लास्टिक से निकलने वाले रसायन लंबे समय में शरीर में जमा होकर कैंसर तक का कारण बन सकते हैं।

प्लास्टिक की चाय की छलनी क्यों खतरनाक है और इसके सुरक्षित विकल्प कौन-कौन से हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी चाय को सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं।

प्लास्टिक से निकलने वाले केमिकल्स होते हैं हानिकारक

जब आप गर्म पानी या चाय के लिए प्लास्टिक की छलनी का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें मौजूद BPA और अन्य हानिकारक रसायन चाय में मिल सकते हैं। यह रसायन शरीर में जमा होकर धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसलिए गर्म तरल पदार्थों के साथ प्लास्टिक का इस्तेमाल जोखिम भरा हो सकता है।

स्वास्थ्य पर क्या असर दिखेगा

लगातार इन रसायनों का सेवन कैंसर, हार्मोन असंतुलन और प्रजनन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्लास्टिक से निकलने वाले केमिकल्स लंबे समय में शरीर की कोशिकाओं और अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं

प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण चाय में घुलकर पेट और आंतों में सूजन, गैस या अन्य पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। यह लंबे समय में पाचन तंत्र को कमजोर कर सकता है।

सुरक्षित विकल्प क्या है?

अगर आप अपनी सेहत के लिए चिंतित हैं तो चाय के लिए हमेशा स्टील, तांबे, सिरेमिक या बांस की छलनी का उपयोग करना चाहिए। ये विकल्प न केवल स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हैं बल्कि लंबे समय तक टिकते हैं और उपयोग में भी आसान हैं।

पुडुचेरी कैसे जाएं? ट्रेन, फ्लाइट और रोड ट्रिप की पूरी जानकारी

भागती सड़कों और जिंदगी की दौड़भाग से दूर अगर आप शांति की तलाश चाहते हैं तो पुडुचेरी जा सकते हैं। पुडुचेरी भारत का एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जहां फ्रेंच वास्तुकला, नीले समुद्र और धीमी जीवनशैली के बीच सुकून वक्त बिता सकते हैं। लेकिन अगर आप पहली बार पुडुचेरी जा रहे हैं तो कई सवाल आपके मन में होंगे, जैसे कैसे यात्रा करें, पुडुचेरी घूमने में कितना समय लगेगा और जेब पर खर्च का भार कितना पड़ेगा?

इन सभी सवालों के जवाब आपको इस लेख में मिल सकते हैं। नई दिल्ली से पुडुचेरी के सफर की शुरुआत कर रहे हैं तो ये जानना जरूरी है कि रेल मार्ग, सड़क मार्ग या हवाई मार्ग में से कौन सा विकल्प अपनाना चाहिए। घूमने के लिए कितने दिन की छुट्टी चाहिए।

दिल्ली से पुडुचेरी की दूरी

नई दिल्ली से पुडुचेरी का सफर करीब 2300 किलोमीटर लंबा है। सफर के लिए कोई आसमान का रास्ता चुनता है, कोई रेल की खिड़की से बदलते भारत को देखना चाहता है, तो कोई सड़क के रोमांच में खो जाना चाहता है। आप जानिए कि कितने बजट में आप कैसे जा सकते हैं।

दिल्ली से पुडुचेरी कैसे जाएं?

फ्लाइट

दिल्ली से पुडुचेरी के लिए हवाई मार्ग का सफर 4- 6 घंटे में तय किया जा सकता है। सीधे पुडुचेरी के लिए फ्लाइट कम मिलती हैं, इसलिए आपको चेन्नई उतरना होगा, जो यहां से पुडुचेरी लगभग 150 किमी दूर है।

दिल्ली से चेन्नई फ्लाइट का सफर लगभग 3-4 घंटे का है। आगे चेन्नई से पुडुचेरी के लिए टैक्सी या बस से सफर करें, जिसमें 3-4 घंटे लग सकते हैं। इसमें लगभग 6,000 से 15,000 रुपये तक फ्लाइट टिकट और कैब पर खर्च हो सकता है। अगर आपके पास समय कम हो तो यही सबसे समझदारी भरा विकल्प है।

ट्रेन

नई दिल्ली से पुडुचेरी की यात्रा रेल मार्ग से भी संभव है ,जिसका सफर 36 से 40 घंटे का हो सकता है। अगर आप यात्रा को महसूस करना चाहते हैं, तो ट्रेन सबसे बेहतर है। सफर लंबा जरूर है मगर भारत की असली तस्वीर यही दिखाता है। दिल्ली से चेन्नई रेलवे स्टेशन या विलुप्पुरम रेवले स्टेशन तक ट्रेन से जाएं। वहां से बस या टैक्सी द्वारा पुडुचेरी पहुंचें। सफर में कुल खर्च 800 रुपये से लेकर 3500 रुपये आ सकता है।

सड़क मार्ग

पुडुचेरी तक रोड ट्रिप भी संभव है। दिल्ली से पुडुचेरी रोड ट्रिप दिल वालों के लिए है। लगभग 2300 किमी का सफर तय करने में 40–45 घंटे का समय लग सकता है और खर्च फ्यूल और टोल मिलाकर 8,000 से 15,000 रुपये तक आ सकता है।

पुडुचेरी जाने का सही समय

पुडुचेरी घूमना चाहते हैं तो सबसे बेस्ट समय अक्टूबर से मार्च के बीच का होता है, क्योंकि इस समय वहां सबसे बेहतरीन मौसम देखने को मिलता है। हालांकि अप्रैल से जून तक गर्मी ज्यादा रहती है। वहीं जुलाई से सितंबर के बीच बारिश रहती है लेकिन हरियाली शानदार हो जाती है। ठंडी हवा, समुद्र की नमी और फ्रेंच गलियों का असली जादू सर्दियों में ही दिखता है।

पुडुचेरी ट्रिप का कुल खर्च

अगर आप 3 से 4 दिन की ट्रिप प्लान कर रहे हैं और बजट यात्रा चाहते हैं तो लगभग 8000 रुपये से 12000 रुपये तक खर्च आ सकता है। लग्जरी सफर में 30000 रुपये से ज्यादा प्रति व्यक्ति खर्च आएगा। खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप ठहरते कहां हैं और घूमते कैसे हैं।

पुडुचेरी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल

आध्यात्मिक स्थल की सैर चाहते हैं तो अरबिंदो आश्रम और आरोविले में मैट्रिमांडिर जाएं।

पुडुचेरी का पैराडाइज बीच, प्रोमेनेड बीच और आरो बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

फ्रेंच विरासत की सैर के लिए वार मेमोरियल और व्हाइट टाउन जरूर जाएं।

यहां का मुख्य आकर्षण पुडुचेरी लाइट हाउस, बॉटनिकल गार्डन और भारती पार्क है।

फ्रिज में सूख जाते हैं नींबू-धनिया? अपनाएं ये आसान टिप्स, रहेंगे ताजा

गर्मियों में नींबू और धनिया का इस्तेमाल रोजाना होता है। ये दोनों चीजें खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि फ्रिज में रखने के बावजूद नींबू सूख जाते हैं और धनिया मुरझा जाता है। इससे खाने का स्वाद भी प्रभावित होता है और ताजे नींबू -धनिया के लिए बार-बार बाजार भी जाना पड़ता है।

नींबू और धनिया को रखने के सही तरीके के बारे में जानकर आप लंबे समय तक इन्हें ताजा बनाए रख सकते हैं। लोगों का सवाल होता है कि फ्रिज में रखने के बाद भी नींबू और धनिया सूख कैसे जाते हैं? इसका कारण है कि कई लोग नींबू और धनिया को सीधे फ्रिज में रख देते हैं, जिससे उनमें नमी खत्म होने लगती है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं।

अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो कुछ आसान किचन टिप्स अपनाकर इन चीजों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

फ्रिज में स्टोर करने का सही तरीका

नींबू को एयरटाइट कंटेनर में रखें

नींबू को खुला रखने से उसकी नमी जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए इसे एयरटाइट कंटेनर या जिप-लॉक बैग में स्टोर करें। इससे नींबू कई दिनों तक रसदार और ताजा बना रहता है।

धनिया को पेपर टॉवल में लपेटें

धनिया को धोकर सीधे फ्रिज में रखने से वह जल्दी सड़ जाता है। इसे पहले अच्छी तरह सुखाएं और फिर पेपर टॉवल में लपेटकर एयरटाइट बॉक्स में रखें। इससे उसकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है।

पानी का सही इस्तेमाल करें

धनिया को ताजा रखने के लिए आप उसे एक गिलास पानी में भी रख सकते हैं, जैसे फूलों को रखते हैं। ऊपर से हल्का प्लास्टिक कवर डाल दें और फ्रिज में रखें। यह तरीका भी काफी असरदार है।

फ्रिज का सही तापमान रखें

बहुत ज्यादा ठंडा तापमान भी नींबू और धनिया को नुकसान पहुंचा सकता है। फ्रिज का तापमान मध्यम रखें, ताकि उनकी नमी और ताजगी बनी रहे।

जरूरत के हिसाब से ही धोएं

नींबू और धनिया को स्टोर करने से पहले बार-बार धोने से उनकी शेल्फ लाइफ कम हो जाती है। बेहतर है कि इस्तेमाल से पहले ही इन्हें धोएं, ताकि वे ज्यादा समय तक ताजा रहें।

बिना फ्रिज के कैसे करें स्टोर?

पानी के गिलास का उपयोग

धनिया की जड़ों को थोड़े से पानी से भरे गिलास या जार में रखें, जैसे फूलों को गुलदस्ते में रखा जाता है। यह पत्तियों को हाइड्रेटेड रखता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस विधि से धनिया काफी समय तक ताजा रहता है।

गीले सूती कपड़े में लपेटना

धनिया को साफ करके एक हल्के गीले सूती या मलमल के कपड़े में लपेटकर किसी ठंडी जगह पर रखें। इससे उसे जरूरी नमी मिलती रहती है।

मटके का इस्तेमाल

गांव का यह पारंपरिक तरीका बहुत कारगर है। धनिया को कपड़े में लपेटकर खाली मटके या मिट्टी के बर्तन के अंदर रखें और ढक्कन बंद कर दें। मिट्टी की प्राकृतिक ठंडक इसे मुरझाने नहीं देती।

तेल की कोटिंग

नींबू पर हल्का सा नारियल या कुकिंग ऑयल लगाकर उन्हें किसी हवादार टोकरी में रखें। तेल की परत छिलके से नमी को बाहर निकलने से रोकती है।

कागज में लपेटना

प्रत्येक नींबू को अलग-अलग अखबार या पेपर टॉवल में लपेटकर किसी ठंडी और अंधेरी जगह पर रखें। इससे वे जल्दी पीले होकर नहीं सूखते।

पानी में डुबोकर रखना

एक कांच के जार में पानी भरें और उसमें नींबू डालकर ढक्कन बंद कर दें। पानी को हर दूसरे दिन बदलते रहें। इस तरह नींबू हफ्तों तक रसीले बने रहते हैं।

40 की उम्र के बाद कमजोर होने लगती हैं महिलाओं की हड्डियां, रखें इन बातों का ध्यान

40 की उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियों की मजबूती धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह मुख्य रूप से हॉर्मोनल बदलाव, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, और जीवनशैली से जुड़ी आदतों के कारण होता है।

कमजोर हड्डियों की समस्या को नजरअंदाज करना भविष्य में ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द और फ्रैक्चर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए इस उम्र में महिलाओं को अपनी डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सही पोषण, नियमित व्यायाम और हड्डियों को मजबूत रखने वाली आदतें अपनाकर महिलाएं इस समस्या से बच सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रख सकती हैं।

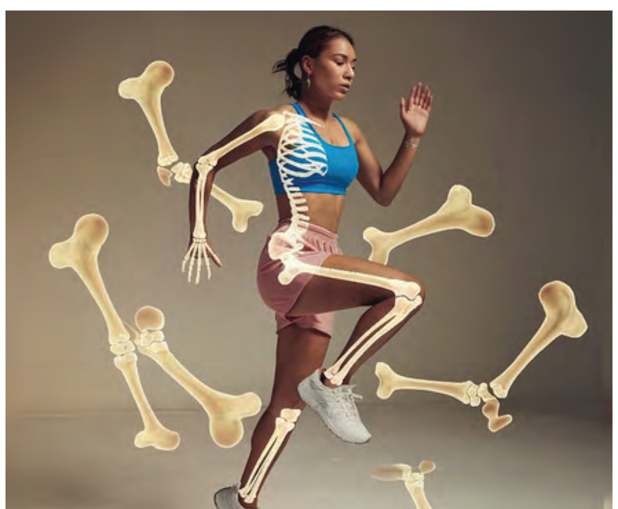

सही पोषण

40 के बाद हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए सही आहार बहुत जरूरी है।

कैल्शियम हड्डियों का मुख्य हिस्सा है और विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है।

आहार में दूध, दही, पनीर और घी शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों का साग भी कैल्शियम से भरपूर होती हैं।

अंडे और मछली जैसे सैल्मन विटामिन डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत हैं।

बादाम, काजू, तिल और अलसी के बीज हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

व्यायाम करें

हड्डियों की मजबूती के लिए नियमित व्यायाम जरूरी है।

वॉकिंग और जॉगिंग जैसी वेट-बियरिंग एक्सरसाइज हड्डियों को मजबूत करती हैं।

योग और स्ट्रेचिंग संतुलन बढ़ाने और जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है।

हल्के डम्बल्स, रेजिस्टेंस बैंड या बॉडीवेट एक्सरसाइज से हड्डियों की घनता बढ़ती है।

धूम्रपान और शराब

धूम्रपान हड्डियों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ाता है।

शराब का अत्यधिक सेवन कैल्शियम के अवशोषण को कम करता है और हड्डियों की कमजोरी बढ़ा सकता है।

सूरज की रोशनी है जरूरी

विटामिन डी के लिए रोजाना 15-20 मिनट धूप में रहना जरूरी है।

यह हड्डियों में कैल्शियम के सही अवशोषण में मदद करता है।

सुबह या शाम के हल्के समय में बाहर टहलना सबसे सुरक्षित होता है।

हड्डियों की जांच

40 के बाद समय-समय पर बोन डेंसिटी टेस्ट करवाना जरूरी है।

यह हड्डियों की ताकत और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम का पता लगाने में मदद करता है।

टेस्ट के आधार पर डॉक्टर सप्लीमेंट्स और जीवनशैली में बदलाव की सलाह दे सकते हैं

इस एक चीज की वजह से खतरे में है आपका दिल और किडनी!

आज की तेज-तर्रार लाइफस्टाइल की वजह से लोग जल्दी बीमार हो जाते हैं। काम का तनाव, सही समय पर भोजन न करना और जंक फूड का बढ़ता सेवन, शरीर को कमजोर कर देता है। कई मामलों में, हार्ट की किसी न किसी समस्या ने लोगों को परेशान किया है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपने खाने में केवल एक चीज की मात्रा को नियंत्रित करके आप कई सारी स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं? यह चीज है नमक। अत्यधिक नमक का सेवन आपके रक्तचाप, दिल और किडनी पर सीधा असर डाल सकता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों के अनुसार, रोज़ाना नमक की सही मात्रा का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

ज्यादा नमक का असर

अत्यधिक नमक का सेवन सीधे आपके रक्तचाप पर असर डालता है। जब शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है, तो रक्त वाहिकाओं में दबाव बढ़ता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है। लंबे समय तक उच्च रक्तचाप रहने से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट अटैक और दिल की अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, शरीर में पानी का अति संचय होने से स्ट्रोक और सूजन जैसी समस्याएँ भी हो सकती हैं।

किडनी पर प्रभाव

किडनी शरीर से अतिरिक्त सोडियम और टॉक्सिन्स निकालने का काम करती हैं। जब आप अधिक नमक खाते हैं, तो किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे गुर्दे धीरे-धीरे कमजोर हो सकते हैं और उनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। समय रहते अगर सावधानी न बरती जाए, तो किडनी फेल्योर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बन सकता है।

कम नमक भी है खतरनाक

नमक की अत्यधिक कमी भी स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। शरीर में सोडियम की कमी होने पर इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन पैदा होता है, जिससे थकान, कमजोरी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ सकता है और लंबे समय तक यह हार्मोनल और मेटाबॉलिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

तो क्या करें?

रोज़ाना 5 ग्राम से अधिक नमक न लें।

पैकेज्ड और जंक फूड में नमक बहुत ज्यादा होता है।

खाना पकाते समय हर्ब्स, मसाले और नींबू का इस्तेमाल करें, ताकि स्वाद के लिए नमक कम करना आसान हो।

शरीर में सोडियम का संतुलन बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है।

हाई ब्लड प्रेशर और किडनी फंक्शन की नियमित जांच कराएं।

एक बार किसी डाइटिशियन से बात अवश्य करें।

चीन के निवेश पर अब नहीं होगी दिक्कत

40 क्षेत्रों में एफडीआई को तुरंत हरी झंडी देगी सरकार

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सरकार ने चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले अन्य देशों से आने वाले विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी देने के लिए 40 खास क्षेत्रों की पहचान की है।

अब रेयर अर्थ मैग्नेट्स और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे क्षेत्रों में निवेश के प्रस्तावों पर 60 दिनों के भीतर फैसला ले लिया जाएगा। विदेशी निवेश के नियमों (एसओपी) में किए गए नए बदलावों के मुताबिक, सरकार ने चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान सहित सात पड़ोसी देशों से आने वाले निवेश के लिए प्रक्रिया तय कर दी है। हालांकि, शर्त यह है कि जिस कंपनी में निवेश हो रहा है, उसका मालिकाना हक और कंट्रोल हमेशा भारतीय नागरिकों या भारत की ही किसी कंपनी के पास रहेगा।

आईटी कंपनी कॉग्निजेंट में छंटनी की तैयारी

दुनिया भर में 15 हजार कर्मचारी निकाले जाएंगे, भारत में सबसे ज्यादा लोगों की नौकरी जाएगी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनी कॉग्निजेंट अपने वर्कफोर्स में बड़ी कटौती करने जा रही है, जिससे दुनिया भर में 15,000 से ज्यादा कर्मचारियों पर असर पड़ सकता है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस छंटनी में भारत में सबसे ज्यादा कर्मचारियों की नौकरियां जाएंगी, जो ओरेकल और अमेजन के बाद इस साल की सबसे बड़ी टेक छंटनी मानी जा रही है।

कॉग्निजेंट के कुल 3.57 लाख से ज्यादा कर्मचारियों में से 2.50 लाख कर्मचारी भारत में काम करते हैं। हालांकि, कंपनी ने छंटनी की सटीक संख्या का अभी ऐलान नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, 12,000 से 15,000 के बीच नौकरियां जा सकती हैं। भारत कंपनी का सबसे बड़ा वर्कफोर्स हब है, इसलिए यहां असर भी सबसे ज्यादा होने की संभावना है।

सेवरेंस पर 320 मिलियन डॉलर खर्च करेगी कंपनी

कंपनी ने छंटनी का अनुमान 'प्रोजेक्ट लीप' के तहत तय किए गए बजट के आधार पर लगाया है। 29 अप्रैल को तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान कॉग्निजेंट ने बताया कि वह सेवरेंस कॉस्ट (कर्मचारियों को हटाते समय दिया जाने वाला मुआवजा) पर 230 मिलियन डॉलर से 320 मिलियन डॉलर खर्च करने की उम्मीद कर रही है। इसमें कर्मचारियों को दिया जाने वाला कंपनसेशन और अन्य बेनेफिट्स शामिल हैं।

भारत में कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी 15 लाख रुपये

भारत में कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी लगभग 15 लाख रुपए है। यदि छंटनी में निकाले गए कर्मचारियों को 6 महीने की सैलरी के बराबर सेवरेंस पे दिया जाता है, तो हर एक कर्मचारी को लगभग 7.5 लाख रुपए मिलेंगे। इस हिसाब से कंपनी द्वारा तय बजट अकेले भारत में ही लगभग 12,000 से 13,000 कर्मचारियों की छंटनी को कवर कर सकता है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि क्लाइंट अब पुराने 'स्टाफिंग पिरामिड' मॉडल से दूर जा रहे हैं, जो एंट्री-लेवल के कर्मचारियों पर निर्भर रहता था। अब क्लाइंट्स नए फ्रेशर्स के बड़े बैच को ट्रेनिंग देने का खर्च उठाने के लिए तैयार नहीं हैं।

लोन नहीं चुकाया तो बैंक जब्त कर सकता है आपकी प्रॉपर्टी

आरबीआई ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों और एनबीएफसीएस के लिए कर्ज वसूली से जुड़े नए नियमों का मसौदा पेश किया है। इसके तहत अब बैंक डूब चुके कर्ज (एनपीए) की वसूली के लिए गिरवी रखी गई जमीन या मकान जैसी अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में ले सकेंगे।

हालांकि, इन संपत्तियों को बैंक हमेशा के लिए नहीं रख पाएंगे। उन्हें सात साल के भीतर इन्हें बेचना होगा। यह नियम उन खास हालातों के लिए हैं जब कर्ज वसूली की प्रक्रिया के तहत ऐसी संपत्तियों को अपने हाथ में लेना पड़ता है। आरबीआई ने इस पर 26 मई तक सुझाव मांगे हैं।

आम तौर पर, इन संस्थानों से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वे अपने कर्ज देने के कारोबार के बदले किसी प्रॉपर्टी जैसी संपत्ति पर कब्जा करें। हालांकि, कुछ खास मामलों में जब कर्ज डूब जाता है तब ये संस्थान वसूली की रणनीति के तौर पर उस अचल संपत्ति का मालिकाना हक ले सकते हैं, जिसे सिक्योरिटी के तौर पर रखा गया था।

क्या होगा फायदा?

आरबीआई ने स्पेसिफाइड नॉन-फाइनेंशियल असेट्स (एसएनएफए) पर जारी इन निर्देशों के मसौदे में कहा है कि ऐसी संपत्तियों को सही समय पर और पारदर्शी तरीके से बेचने से संस्थानों को अपना ज्यादा से ज्यादा पैसा वसूलने में मदद मिलेगी। ड्राफ्ट में साफ कहा गया है कि इन नियमों का फायदा सिर्फ उन्हीं कर्जों की भरपाई के लिए लिया जा सकेगा जिन्हें नॉन-परफॉर्मिंग (एनपीए) घोषित कर दिया गया है और जहां वसूली के दूसरे सभी रास्ते बंद या बेकार साबित हो चुके हैं। एसएनएफए का मतलब उस अचल संपत्ति से है, जिसे कोई बैंक या संस्थान उधार लेने वाले से अपने पैसे वसूलने के लिए अपने कब्जे में लेता है। इसमें नॉन-बैंकिंग असेट्स (एनबीएएस) भी शामिल हैं।

मसौदे में आगे कहा गया है कि ये संस्थान उधार लेने वाले पर अपने पूरे या कुछ बकाया पैसों के बदले ऐसी संपत्तियां (एसएनएफए) हासिल कर सकते हैं।

कौन नहीं खरीद पाएगा प्रॉपर्टी?

इसके अलावा, ऐसी संपत्तियों को समय पर बेचने के मकसद से इन्हें अधिकतम सात साल तक अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया गया है। गड़बड़ी की आशंका को खत्म करने के लिए ड्राफ्ट में यह भी कहा गया है कि बैंक या संस्थान ऐसी प्रॉपर्टी को वापस उसी उधार लेने वाले या उससे जुड़े किसी व्यक्ति को नहीं बेच पाएंगे।

प्रियव्रत मफतलाल बने मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीईओ

प्रमोटर फैमिली की पांचवीं पीढ़ी को मिली कमान

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। करीब 100 साल पुरानी कंपनी मफतलाल इंडस्ट्रीज ने प्रियव्रत मफतलाल को सीईओ बनाया है। वह 1 जून, 2026 को पद संभालेंगे। वह मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ इस नई भूमिका में भी कार्य करेंगे। यह कदम कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर नेतृत्व को और मजबूत करने तथा रणनीतिक दिशा को तेजी से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह अरविंद मफतलाल ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है जिसका बिजनेस टेक्सटाइल्स, अपेरल, हाइजीन प्रोडक्ट्स, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तक फैला है। प्रियव्रत मफतलाल इस ग्रुप के वाइस-चेयरमैन और प्रमोटर परिवार की पांचवीं पीढ़ी के सदस्य हैं। वह अपनी नई भूमिका में कंपनी की रणनीति और उसके क्रियान्वयन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करेंगे। उनका फोकस वैल्यू-ऐडेड बिजनेस को विस्तार देने, वैश्विक बाजारों में उपस्थिति मजबूत करने और कंपनी को भविष्य के लिए तैयार लचीला संगठन बनाने पर रहेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-52
सूर्यास्त. 18 -33
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष गुरुवार 07 May 2026
तिथि - पंचमी 10-14 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 18-45 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग. - साध्य 01-59 रात्री तक उप शुभ
करण - तैतिल 10-14 तक उप गर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष मे	मेष	04-36 बजे
चंद्र	धनु मे	वृष	06-20 बजे
मंगल	मीन मे	मिथुन	08-20 बजे
बुध	मेष मे	कर्क	10-32 बजे
गुरु	मिथुन मे	सिंह	12-44 बजे
शुक्र	वृष मे	कन्या	14-54 बजे
शनि	मीन मे	तुला	16-56 बजे
राहु	कुंभ	वृश्चिक	19-05 बजे
केतु	सिंह मे	धनु	21-19 बजे
		मकर	23-26 बजे
		कुंभ	01-25 बजे
		मीन	02-56 बजे

विशेष: कवि टैगोर ज.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-49 से 15-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05-52 - 07-25	शुभ	अमृत	18-33 - 20-01	शुभ
रोग	07-25 - 09-01	अशुभ	चंचल	20-01 - 21-25	शुभ
उत्पात	09-03 - 10-37	अशुभ	रोग	20-25 - 22-49	अशुभ
चंचल	10-37 - 12-13	शुभ	काल	22-49 - 00-13	अशुभ
लाभ	12-13 - 13-49	शुभ	लाभ	00-14 - 01-37	शुभ
अमृत	13-49 - 15-25	शुभ	उत्पात	01-37 - 03-00	अशुभ
काल	15-25- 17-01	अशुभ	शुभ.	03-00 - 04-24	शुभ
शुभ	17-01 - 18-33	शुभ	अमृत	04-24 - 05-52	शुभ

पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक ही पासवर्ड होगा

अब बार-बार ओटीपी से राहत मिलेगी; देश में 4 लाख हॉट स्पॉट ट्राई ने सुझाव मांगे

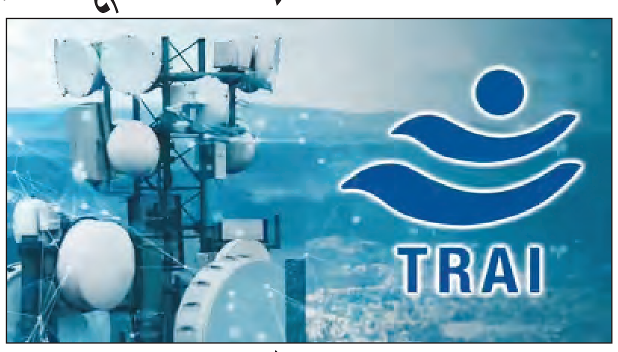

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है।

इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं। सार्वजनिक वाई-फाई को सुरक्षित बनाने के लिए 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' जैसे मानक लागू होंगे। इससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षित यूपीआई और डिजिटल पेमेंट के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिलेगा।

कमाई का मॉडल बनाना मकसद

पेपर के अनुसार, मौजूदा वाई फाई सिस्टम इसलिए नहीं चला क्योंकि यह यूजर की जरूरत नहीं बन पाया। साथ ही ऑपरेटर की कमाई नहीं बनी। इसलिए सरकार प्रस्तावित वाईफाई सिस्टम को ऑपरेटर के लिए कमाई का मॉडल बनाना चाहती है। इसके लिए विज्ञापन-आधारित मॉडल, पेड प्लान व सब्सिडी (वायबिलिटी गैप फंडिंग) जैसे विकल्प दिए जाएंगे। शहरों में हाई-स्पीड इंटरनेट और गांवों में कम लागत वाला 'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा। देश की 140 करोड़ की आबादी में अभी महज 2% लोग पब्लिक वाई-फाई उपयोग करते हैं। दक्षिण कोरिया में 80%, अमेरिका में 70%, यूरोप-चीन में 60% व इंग्लैंड में 50% आबादी पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करती है।

सोना 3 हजार रुपये बढ़कर 1.51 लाख रुपये पर पहुंचा

चांदी 6 हजार रुपये चढ़कर 2.46 लाख रुपये किलो हुई

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1.48 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 6 हजार रुपए बढ़कर 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 2.40 लाख रुपए थी। 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था।

सोना इस साल 18 हजार और चांदी 16 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 16 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सेंसेक्स 941 अंक चढ़कर 77,959 के स्तर पर बंद

निफ्टी भी 298 अंक चढ़ा, फार्मा और सरकारी बैंकिंग शेयर्स सबसे ज्यादा चढ़े

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी बुधवार, 6 मई को तेजी रही। सेंसेक्स 941 अंक की तेजी के साथ 77,959 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 298 अंक की तेजी रही, ये 24,331 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट रही। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, बैंकिंग और रिअल्टी शेयर्स में 2% से ज्यादा की बढ़त रही।

घरेलू मांग से सर्विस सेक्टर को मजबूती : अप्रैल में पीएमआई बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत के सेवा क्षेत्र में अप्रैल 2026 के दौरान मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। घरेलू मांग में तेजी, नए ऑर्डर और कारोबारी गतिविधियों में सुधार के चलते देश का सर्विस सेक्टर पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एचएसबीसी की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सर्विस पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) अप्रैल में बढ़कर 58.8 हो गया, जबकि मार्च में यह 57.5 था। यह पिछले नवंबर के बाद सबसे तेज विस्तार दर मानी जा रही है।

पीएमआई के आंकड़ों का मतलब

पीएमआई में 50 से ऊपर का आंकड़ा आर्थिक गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है। ऐसे में 58.8 का स्तर यह बताता है कि देश का सेवा क्षेत्र मजबूत गति से आगे बढ़ रहा है।

किन क्षेत्रों में बढ़ी मांग?

सर्वे के मुताबिक, प्रतिस्पर्धी कीमतों, ई-कॉमर्स गतिविधियों और लॉजिस्टिक्स व रिलोकेशन सेवाओं की बढ़ती मांग ने कारोबार को मजबूती दी। कंपनियों ने बताया कि घरेलू ग्राहकों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है, जिससे नए ऑर्डर और आउटपुट दोनों में तेजी आई।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में मांग का रुख विदेशी बाजारों से घरेलू उपभोक्ताओं की ओर शिफ्ट होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला, हालांकि नए निर्यात ऑर्डर की गति धीमी हुई है।

पश्चिम एशिया तनाव का कैसे पड़ा असर?

रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और विदेशी पर्यटकों की कम आमद के कारण भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग कमजोर पड़ी है। इससे निर्यात आधारित सेवाओं के विस्तार पर असर देखा गया। वहीं, कंपनियों की लागत में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। खाद्य तेल, अंडे, मांस, सब्जियों, गैस और श्रम लागत में वृद्धि के कारण परिचालन खर्च ऊंचे स्तर पर बना रहा। कुछ कंपनियों ने गैस की कमी का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला, जिसके चलते सेवा शुल्कों में महंगाई की दर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। प्रांजुल भंडारी ने कहा कि इनपुट लागत में कुछ नरमी जरूर आई है, लेकिन यह अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। वहीं, आउटपुट प्राइस इन्फ्लेशन सीमित रहने से यह संकेत मिलता है कि कई कंपनियां अतिरिक्त लागत खुद वहन कर रही हैं। रोजगार के मोर्चे पर भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। वित्त वर्ष की पहली तिमाही की शुरुआत में कंपनियों ने अधिक कर्मचारियों की भर्ती की। कंपनियों के अनुसार, नए कारोबार में बढ़ोतरी के कारण अस्थायी कर्मचारियों और जूनियर स्तर के प्रशिक्षुओं की नियुक्तियां बढ़ाई गईं।

गैस की कीमत ने तोड़ दिया 3 साल का रेकॉर्ड

भारत में कम हुई डिमांड

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने सिर्फ तेल संकट ही पैदा नहीं किया, बल्कि एलपीजी गैस की परेशानी भी हुई है। आपूर्ति बाधाओं के कारण वैश्विक स्तर पर एलएनजी (एलएनजी) की कीमतें तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। अप्रैल 2026 में स्पॉट एलएनजी की कीमतें 17 से 18 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक बढ़ गई हैं, जो पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले 10 से 11 डॉलर के स्तर पर थीं। बीच में कीमतों ने 22 डॉलर का स्तर भी छुआ था। इस मूल्य वृद्धि और आपूर्ति में कमी का सीधा असर भारत की गैस खपत पर पड़ा है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक मार्च महीने में सालाना आधार पर गैस की मांग में 15% की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं महीने-दर-महीने के आधार पर मांग में 20% की गिरावट आई है। एलएनजी आयात में भी 34% की गिरावट दर्ज हुई, जो घटकर 68 एमएमएससीएमडी रह गया। वहीं घरेलू उत्पादन लगभग 88 एमएमएससीएमडी पर स्थिर बना रहा।

भारतीय रेल को मिल गया 18वां जोन, नाम दक्षिण तट रेलवे

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। यह साल 2019 का बजट था। उसमें एक नए रेलवे जोन की घोषणा की गई थी। उसका मुख्यालय आंध्र प्रदेश में होना था। उसके करीब सात साल वह दिन आ गया जबकि रेलवे के इस नए जोन के लिए भारत सरकार के गजट या राजपत्र में इस नए जोन का नोटिफिकेशन पब्लिश हो गया। यह भारतीय रेल का 18वां जोन होगा। अधिसूचना के मुताबिक अगले महीने की पहली तारीख से यह जोन फंक्शनल हो जाएगा।

नाम क्या रखा गया

इसी सप्ताह आए रेल मंत्रालय द्वारा जारी इस गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक इसका नाम दक्षिणी तट रेलवे रखा गया है। इसका मुख्यालय आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगा। इस जोन को अभी के ईस्ट कोस्ट रेलवे और साउथ सेंट्रल रेलवे जोन से कुछ हिस्से को काट कर बनाया गया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ईस्ट कोस्ट रेलवे ईसीओआर का मुख्यालय ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में है जबकि साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) का मुख्यालय तेलंगाना की राजधानी वाले शहर हैदराबाद के पास सिकंदराबाद में है।

इस जोन में कितने डिवीजन

इस नवगठित जोन में करीब 3,300 रूट किलोमीटर का रेल मार्ग होगा। ये रेल मार्ग आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में फैले हैं। दक्षिण तट रेलवे जोन में साउथ सेंट्रल रेलवे के अंतर्गत आने वाले गुंतकल, गुंटूर और विजयवाड़ा डिवीजन शामिल किए जाएंगे। इसके अलावा, रेलवे ईसीओआर के पुराने वाल्टेयर डिवीजन को बांट दिया गया है। इसका ओडिशा वाला हिस्सा पूर्वी तट रेलवे में रह जाएगा। इसे मैनेज करने के लिए वहां एक नया रायगड डिवीजन बनाया गया है। शेष हिस्से को मैनेज करने के लिए एक नया विशाखापत्तनम डिवीजन बनाया गया है।

मुख्यालय कहां होगा

दक्षिण तट रेलवे का हेडक्वार्टर विशाखापत्तनम में होगा। इस जोन के गठन को 7 फरवरी 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक्स पोस्ट फैक्टो मंजूरी दी गई थी। इसका अर्थ है कि निर्णय के बाद औपचारिक स्वीकृति प्रदान की गई। इस जोन का मुख्यालय बनना शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने जनवरी 2025 में इसका शिलान्यास कर दिया था। नए जोन का मुख्यालय बनाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार ने अगस्त 2024 में मुदासरलोवा क्षेत्र में 52.2 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई थी। इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 184 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिक्कत खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं ।आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विपक्ष के आरोपों पर मदन राठौड़ का पलटवार

बोले- जनादेश पर सवाल उठाना लोकतंत्र का अपमान

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर उठाए गए सवालों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्वभर में पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए जाना जाता है, ऐसे में इस पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास है।

राठौड़ ने कहा कि देश में चुनाव पूरी तरह संवैधानिक ढांचे के तहत संपन्न होते हैं और भाजपा ने हमेशा सेवा, समर्पण और संघर्ष के आधार पर जनता का विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी दल अपनी हार को स्वीकार करने के बजाय जनादेश पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के प्रति अनादर को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राठौड़ ने कहा कि राजनीति में बदले की भावना से ऊपर उठकर विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां राजनीतिक हिंसा और कानून व्यवस्था की स्थिति लंबे समय तक चिंता का विषय रही।

भाजपा समर्थकों को निशाना बनाए जाने और तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सभी पक्षों से संयम बरतने और राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करने की अपील की, जो एक जिम्मेदार नेतृत्व का उदाहरण है।

राठौड़ ने विपक्ष की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि केरल और तमिलनाडु में मिली जीत पर विपक्ष गर्व करता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में हार के बाद निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाने लगता है। यह चयनात्मक रवैया लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति असंगत दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने सभी दलों से जनादेश का सम्मान करने और सकारात्मक राजनीति करने की अपील की।

आरजीएचएस योजना को लेकर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य योजना को बंद करना नहीं, बल्कि इसे अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर दुरुपयोग की शिकायतों के चलते जांच की जा रही है और जहां गड़बड़ी नहीं होगी, वहां सेवाएं पुनः शुरू की जाएंगी। साथ ही भ्रष्टाचार पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन आम जनता की सुविधाओं से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कलक्टर टीना डाबी ने की सरकारी दफ्तरों में 'रेड'

कर्मचारियों से अफसरों तक में मचा हड़कंप

टोंक, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की चर्चित आईएएस और टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी अपने कड़े अनुशासन और कार्यशैली के लिए जानी जाती हैं। टोडारायसिंह उपखंड मुख्यालय पर कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब कलेक्टर की गाड़ी अचानक सरकारी दफ्तरों के बाहर आकर रुकी। कलेक्टर के औचक निरीक्षण की खबर जैसे ही फैली, दफ्तरों में तैनात अधिकारी और कर्मचारी अपनी सीटें छोड़कर रिकॉर्ड व्यवस्थित करने और फाइलें छिपाने की जद्दोजहद में जुट गए।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बिना किसी पूर्व सूचना के उपखंड अधिकारी कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय और पंचायत समिति का रुख किया। अभिलेखों की जांचः कलेक्टर ने सीधे दफ्तरों के अंदर जाकर हाजिरी रजिस्टर और लंबित फाइलों के रिकॉर्ड खंगाले।

अधिकारियों की क्लासः निरीक्षण के दौरान कई कमियां पाए जाने पर कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों की क्लास लगाई और रिकॉर्ड को अपडेट न रखने पर कड़ी नाराजगी जताई।

कलेक्टर ने केवल कार्यालयों का भौतिक निरीक्षण ही नहीं किया, बल्कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी जांची। त्वरित समाधान का आदेशः टीना डाबी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को अपने जायज काम के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। डेडलाइन तयः लंबित प्रकरणों के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का दायित्वः उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि प्रशासन का प्राथमिक कर्तव्य जनता को राहत पहुंचाना है, न कि उन्हें परेशान करना।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर टीना डाबी का मानवीय चेहरा भी सामने आया। दफ्तरों के बाहर अपनी शिकायतों के समाधान का इंतजार कर रहे पीड़ितों को देखकर कलेक्टर ने उन्हें पास बुलाया और उनकी समस्याएं सुनीं।

स्पॉट डिसीजनः पीड़ितों की व्यथा सुनने के बाद कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को 'तत्काल प्रभाव' से कार्रवाई करने के आदेश दिए।

सीधी निगरानीः उन्होंने चेतावनी दी कि इन शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई, इसकी रिपोर्ट वे खुद मंगवाएंगी।

निरीक्षण के बाद बार एसोसिएशन टोडारायसिंह के अध्यक्ष राकेश गांगवाल के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से शिष्टाचार भेंट की।

स्मृति चिन्हः अधिवक्ताओं ने कलेक्टर को टोडारायसिंह की ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़ा एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

स्थानीय मुद्देः इस दौरान अधिवक्ताओं ने क्षेत्र की न्यायिक और प्रशासनिक समस्याओं पर भी संक्षिप्त चर्चा की।

टीना डाबी के इस 'छापेमार' स्टाइल निरीक्षण के बाद टोडारायसिंह के प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि क्या कुछ लापरवाह कर्मचारियों पर गाज गिरने वाली है? कलेक्टर ने जिस तरह से फाइलों की जांच की और रिकॉर्ड में विसंगतियां देखीं, उससे संकेत मिल रहे हैं कि जल्द ही कुछ कड़े प्रशासनिक आदेश देखने को मिल सकते हैं। आखिर टीना डाबी ने अपनी डायरी में किन खामियों को नोट किया है, इसका खुलासा होना अभी बाकी है।

भारत-पाक बॉर्डर पर अचानक हाई अलर्ट

'लॉकडाउन' जैसे आदेशों सहित कई पाबंदियां

श्रीगंगानगर, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर से बड़ी खबर सामने आई है। भारत और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बढ़ती राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और घुसपैठ की आशंकाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। इसी के मद्देनज़र जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने एक बड़ा फैसला लेते हुए सरहद से सटे 3 किलोमीटर के दायरे में प्रतिबन्धात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के बाद अब सीमावर्ती इलाकों में शाम ढलते ही सन्नाटा पसर जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने कुछ कड़े नियम तय किए हैं:

आवागमन पर रोकः रात 7 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक किसी भी आम नागरिक का सीमा से सटे 3 किमी क्षेत्र में घूमना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यानी कि यहां इन 11 घंटे तक 'लॉकडाउन' जैसी स्थिति रहेगी।

रोशनी और शोर पर लगामः सीमा क्षेत्र में तेज प्रकाश का उपयोग, लाउडस्पीकर, डीजे, बैंड और पटाखों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सुरक्षा घेराः यह आदेश राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

यह प्रतिबंध केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रीगंगानगर जिले के उन सभी प्रमुख हिस्सों को कवर करता है जो सीधे पाकिस्तान की सीमा से सटे हुए हैं। इनमें शामिल हैं: श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, पदमपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़, घडसाना।

किसानों के लिए 'बीएसएफ' का सुरक्षा कवच

खेती-किसानी राजस्थान की जीवन रेखा है। बॉर्डर के पास रहने वाले किसानों को सिंचाई के लिए रात में भी खेतों में जाना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने एक विशेष रियायत दी है। यदि रात के समय सिंचाई के लिए जाना अनिवार्य है, तो किसानों को सीमा सुरक्षा बल या सेना के अधिकारी से लिखित अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति के सीमा क्षेत्र में प्रवेश कानूनी अपराध माना जाएगा।

जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 का प्रयोग करते हुए यह आदेश प्रभावी किया है। यह आदेश आगामी 15 सितंबर 2026 तक लागू रहेगा। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकृत कर्मचारी, जो ड्यूटी पर तैनात हैं, उन्हें इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

ठेकेदारों के बिल पास कराने के एवज में वसूली

एसीबी ने 4.04 लाख की रिश्वत लेते 3 को दबोचा

भीलवाड़ा, 6 मई (एजेंसियां)। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो प्रथम की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता सहित तीन लोगों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी ने भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट परिसर में ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोचा। इस दौरान अधिशाषी अभियंता के पास से 4 लाख 4 हजार रुपये की नकद रिश्वत राशि बरामद की गई। एसीबी प्रथम के उप अधीक्षक पुलिस पारसमल ने बताया कि विभाग में चल रहे भ्रष्टाचार की गुप्त सूचना मिलने के बाद टीम लगातार निगरानी कर रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शाहपुरा पीडब्ल्यूडी में अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद ठेकेदारों के बिल पास करने के बदले भारी कमीशन वसूल रहा था। आरोप है कि यह राशि वह अपने साथ-साथ अधीक्षण अभियंता खेमचंद मीणा के लिए भी ले रहा था। कलेक्ट्रेट में ठेकेदार मोडूराम धाकड़ और बनवारीलाल से बिल पास करने के एवज में रिश्वत ली जानी थी। इस सूचना पर एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान शहजाद मोहम्मद के पास से 4.04 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। कार्रवाई के बाद एसीबी की एक अन्य टीम ने जहाजपुर स्थित शहजाद मोहम्मद के घर पर भी दबिश दी, जहां दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की जा रही है। एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। आरोपियों से पूछताछ कर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

चलती बस में लगी भीषण आग, यात्रियों ने गेट से कूदकर बचाई जान; कैसे हुआ हादसा?

उदयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र के बलीचा में बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब 38 यात्रियों से भरी एक निजी स्लीपर कोच बस में अचानक आग लग गई। बस में धुआं उठते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई और पूरे इलाके में हड़कंप की स्थिति बन गई।

यह बस जयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रही थी और नाथद्वारा होते हुए उदयपुर पहुंची ही थी कि अचानक उसमें धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस लपटों में घिर गई। बस में करीब 38 यात्री सवार थे, जिनमें लगभग 10 महिलाएं भी शामिल थीं।

ॉआग लगते ही ड्राइवर और कंडक्टर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया। यात्रियों ने घबराहट के बीच इमरजेंसी खिड़कियों और मुख्य दरवाजे से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कई यात्रियों को एमरजेंसी गेट से कूदना पड़ा। कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई और उसमें रखा यात्रियों का सामान जलकर राख हो गया।

दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी के अनुसार, समय पर सूचना मिलने से बड़ी जनहानि टल गई। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हादसे की सूचना पर डीएसपी गोपाल चंदेल और गोवर्धन विलास थानाधिकारी राजेंद्र सिंह चारण पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इस घटना ने एक बार फिर यात्री सुरक्षा और वाहनों की नियमित जांच की आवश्यकता को उजागर किया है। समय रहते यात्रियों और चालक दल की तत्परता के चलते बड़ा हादसा टल गया, लेकिन घटना ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

'ऑपरेशन शटर डाउन' : झोलाछाप डॉक्टरों पर प्रशासन सख्त, अवैध क्लिनिकों पर होगी कार्रवाई

सलूंबर, 6 मई (एजेंसियां)। जिले में अवैध क्लिनिक और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी.पी. ने आदेश जारी कर जिलेभर में ऑपरेशन शटर डाउन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन को जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना वैध पंजीकरण और आवश्यक योग्यता के अवैध क्लिनिक, फार्मेसी, आयुर्वेदिक और एलोपैथिक केंद्र, सोनोग्राफी तथा एक्सरे सेंटर संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं। आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने के लिए अब इन संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत जिला स्तर पर कार्रवाई की जिम्मेदारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपी गई है, जबकि प्रत्येक उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी के नेतृत्व में संयुक्त प्रवर्तन टीम गठित की जाएगी।

इस टीम में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर, औषधि निरीक्षक, पुलिस अधिकारी, राजस्व विभाग के प्रतिनिधि, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकास अधिकारी और नगरीय क्षेत्रों के लिए नगर परिषद के आयुक्त या अधिशाषी अधिकारी शामिल रहेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना डिग्री और पंजीकरण के क्लिनिक चलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर संस्थानों को तत्काल सील किया जाएगा। इसके अलावा फार्मेसी और मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री तथा लाइसेंस की जांच भी की जाएगी। सोनोग्राफी और एक्सरे केंद्रों पर पीएनडीटी एक्ट सहित अन्य सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना कराई जाएगी।

एमएलए रविंद्र सिंह भाटी का 'शिव थाने' पर ज़ोरदार हंगामा

बाड़मेर, 6 मई (एजेंसियां)। सरहदी जिले बाड़मेर के शिव विधानसभा क्षेत्र में पिछले चार महीनों से एक परिवार की रातों की नींद और दिन का चैन उड़ा हुआ है। 14 साल की एक मासूम बच्ची, जो चार महीने पहले घर से निकली थी, आज तक वापस नहीं लौटी। पुलिस की फाइलें धूल फांक रही हैं और परिवार की आंखें पथरा गई हैं। लेकिन अब इस मामले में शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी की एंट्री ने प्रशासन की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

4 महीने, 120 दिन और शून्य नतीजा

शिव क्षेत्र के गवारिया समाज की यह 14 वर्षीय बालिका पिछले चार महीनों से लापता है। परिवार का आरोप है कि उन्होंने कई बार गुहार लगाई, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

मैदान में उतरे रविंद्र, शिव थाने का घेराव

बुधवार को शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी खुद पीड़ित परिवार के साथ खड़े नजर आए। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ शिव पुलिस थाने का घेराव किया और धरने पर बैठ गए। भाटी ने कड़े शब्दों में कहा, ₹एक 14 साल की बच्ची का चार महीनों तक लापता रहना कोई सामान्य बात नहीं है। यह अत्यंत चिंताजनक और संवेदनशील विषय है। पुलिस और प्रशासन की यह विफलता दुर्भाग्यपूर्ण है।

घेराव के दौरान रविंद्र सिंह भाटी ने सीधे तौर पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

गंभीरता की मांगः भाटी ने मांग की कि पुलिस इस मामले को प्राथमिकता पर ले और स्पेशल टीमें गठित कर बालिका को ढूंढ निकाले।

जवाबदेही तय होः विधायक ने कहा कि इतने लंबे समय तक सुराग न मिलना प्रशासनिक मशीनरी के फेल होने का सबूत है। आंदोलन की राहः भाटी ने संकेत दिए कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह प्रदर्शन केवल थाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे जिले में आंदोलन की चिंगारी फैलेगी।

भावुक हुआ पीड़ित परिवारः सिर्फ न्याय चाहिए

थाने के बाहर धरने पर बैठे परिवार के सदस्यों की आंखों में आंसू और दिल में उम्मीद थी। विधायक भाटी ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक उनकी बेटी वापस नहीं आ जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि रविंद्र सिंह भाटी के दखल के बाद अब पुलिस पर दबाव बढ़ा है और मामले में नई कड़ियां जुड़ने की संभावना है।

आखिर कहाँ है वो मासूम?

आखिर 120 दिनों तक एक बच्ची को जमीन खा गई या आसमान निगल गया? क्या यह मानव तस्करी का मामला है या इसके पीछे कोई स्थानीय रंजिश? रविंद्र सिंह भाटी की हुंकार के बाद अब जिला पुलिस अधीक्षक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। सूत्रों की मानें तो अब इस केस को सुलझाने के लिए साइबर सेल और विशेष जांच दल की मदद ली जा सकती है।

खाकी में छिपा 'गद्दार': *एसपी दफ्तर का हवलदार निकला ड्रग्स तस्करों का साथी*

पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने में मदद की

श्रीगंगानगर, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर से एक बेहद गंभीर और सुरक्षा तंत्र को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स सिंडिकेट ने पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कॉल डिटेल रिकॉर्ड सेल में ही सेंध लगा दी। मामले में पुलिस ने अपनी ही टीम के एक हवलदार मंगतराम को तस्करों के साथ मिलीभगत और सरकारी ड्यूटी में गद्दारी करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, सीडीआर सेल में तैनात हवलदार मंगतराम ने पाकिस्तानी तस्करों और अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के साथ साठगांठ कर ली थी। बता दें कि वह न केवल पुलिस की गोपनीय सूचनाएं तस्करों तक पहुंचा रहा था, बल्कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई जाने वाली हेरोइन की खेप की सुरक्षित डिलीवरी में भी मदद कर रहा था। यह खुलासा तब हुआ, जब जिला पुलिस और सीआईडी (आईबी) की संयुक्त टीम ने रावला थाना क्षेत्र में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। बीती 26 मार्च को रावला थाना क्षेत्र के चक 7-8 एसकेएम की रोही में पाकिस्तानी तस्करों द्वारा ड्रोन के माध्यम से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ गिराए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने घेराबंदी कर 10 किलो 830 ग्राम (कुल 20 पैकेट) उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की। इस कार्रवाई में पंजाब के फाजिल्का निवासी तस्कर हरमेश, रणजीत सिंह, सोनू सिंह, गुरप्रीत सिंह और कीर्तन सिंह को गिरफ्तार किया गया। इस संवेदनशील ऑपरेशन के दौरान रावला क्षेत्र में तैनात पुलिस टीम तकनीकी मदद के लिए एसपी कार्यालय स्थित सीडीआर सेल से संदिग्धों की फोन लोकेशन और कॉल डिटेल्स मांग रही थी।

'20 हजार रुपए सैलरी, खाना-पीना फ्री', झारखंड से नाबालिग बच्चों को लाकर जयपुर में करवाते चोरी, 'मीना बाजार गैंग' बेनकाब

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। जयपुर के महेश नगर पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है जो नाबालिग बच्चों को 'प्रोफेशनल सैलरी' पर रखकर उनसे मोबाइल चोरी करवाता था। झारखंड की कुख्यात 'मीना बाजार गैंग' के इस नेटवर्क ने पुलिस को भी चौंका दिया है। गैंग का सबसे छोटा 12 साल का सदस्य 20 हजार रुपए महीने के वेतन पर भीड़ में हाथ साफ करता था, जबकि उसके रहने और खाने का पूरा खर्च गैंग का सरगना उठाता था।

डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज के अनुसार, महेश नगर 80 फीट रोड पर हटवाड़ा बाजार में एक ही दिन में कई मोबाइल चोरी किए थे। मामले में झारखंड निवासी दिलवर मंडल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इसके दो नाबालिग साथियों को बाल सुधार गृह भेजा गया। 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की मदद और ग्राउंड इंटेलिजेंस के बाद पुलिस महेश नगर पुलिस ने इस 'सैलरी वाली गैंग' का भंडाफोड़ किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गैंग किसी बड़ी कंपनी की तरह काम करता है। इसमें तीन स्तर के कर्मचारी होते हैं।

यह गैंग खास तौर पर उन जगहों को निशाना बनाता है जहां लोगों का ध्यान बंटा रहता है, जैसे भागवत कथा, आइपीएल मैच, हटवाड़ा बाजार और धार्मिक उत्सव। पुलिस ने साहिबगंज (झारखंड) निवासी दिलवर मंडल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7 मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपी झालाना कच्ची बस्ती में किराए का कमरा लेकर अपनी 'टीम' को ऑपरेट कर रहा था।

24 घंटे में सुलझा ब्लाइंड मर्डर केस, बानसूर में मजदूर की हत्या करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़, 6 मई (एजेंसियां)। जिले के बानसूर क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने 24 घंटे से भी कम समय में खुलासा कर दिया है। एसी डक्टिंग साइट पर कार्यरत मजदूर रामसिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए चार चाकू भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मृतक रामसिंह फलोदी जिले के केरला गांव का निवासी था और बानसूर के सरकारी अस्पताल के निर्माणाधीन भवन में एसी डक्टिंग का कार्य करता था। 3 मई की रात वह अपने साथियों के साथ काम खत्म कर कमरे में सो गया था। अगले दिन सुबह करीब 6 बजे उसके साथी विजेंद्र सिंह ने उसे सीढ़ियों के पास खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा। मौके पर काफी खून फैला हुआ था, जबकि पास स्थित बिजली उपकरणों के स्टोर का गेट टूटा मिला। स्टोर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था और कई कीमती सामान गायब थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए बहुस्तरीय जांच शुरू की गई।

थाना बानसूर पुलिस के साथ जिला स्पेशल टीम, एजीटीएफ और साइबर सेल कोटपूतली को जांच में लगाया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद गुरुग्राम, दिल्ली, निजामुद्दीन और सराय काले खां सहित कई स्थानों पर दबिश दी गई। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फैजान, बिलाल, हिमांशु, सोहेल और सायमान के रूप में हुई है। सभी की उम्र 19 से 21 वर्ष के बीच बताई जा रही है और वे उत्तरप्रदेश व दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वारदात का मुख्य आरोपी फैजान था, जिसने मामूली रकम के लिए लूट की योजना बनाई थी। उसने अपने साथियों के साथ चोरी के इरादे से स्टोर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। इसी दौरान रामसिंह के सामने आने पर आरोपियों ने चाकुओं से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त चार चाकू बरामद कर लिए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। यह मामला पुलिस के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा था लेकिन तकनीकी जांच, त्वरित कार्रवाई और विभिन्न टीमों के बेहतर समन्वय से पुलिस ने बेहद कम समय में केस का खुलासा कर दिया।

18,000 स्वास्थ्य पद भरे गए, जल्द आएंगे और परिणाम : मंत्री राजनरसिम्हा

संगारेड्डी, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दामोदर राजा नरसिम्हा ने बुधवार को बताया कि राज्य सरकार ने सत्ता में आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में 18,000 रिक्त पदों को भर दिया है। नारायणखेड़ के बालसदन में राज्य के 99-दिवसीय कार्य योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मल्टी पर्पज वर्कर्स, एएनएम और नर्सिंग अधिकारियों के परिणाम जल्द जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, बाल कल्याण तथा वृद्ध एवं दिव्यांगजनों के समर्थन को प्राथमिकता दे रही है। इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को सीएसआर फंड से उन्नत किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि 3 से 6 वर्ष के बच्चों को पौष्टिक भोजन और 3 वर्ष तक के शिशुओं को टेक-होम राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं के कार्यों की सराहना की तथा बालसदन में उपस्थित बालिकाओं से बातचीत भी की।

फर्जी मूवी ऐप से 1.75 लाख की ठगी, मामला दर्ज

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद क्षेत्र में एक व्यक्ति फर्जी मूवी ऐप डाउनलोड करने के बाद साइबर ठगी का शिकार हो गया और लगभग 1.75 लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने फेसबुक पर दिखे एक विज्ञापन के जरिए ऐप डाउनलोड किया था। इस ऐप में मैलवेयर मौजूद था, जो मोबाइल के एसएमएस और ओटीपी तक पहुंच बना सकता था। जालसाजों ने इस माध्यम से पीड़ित के बैंक खाते से करीब 80,000 रुपये और उसी फोन से जुड़े उसकी मां के खाते से 95,000 रुपये निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लोगों से अपील की है कि वे अनजान लिंक या ऐप डाउनलोड करने से बचें।

तेलंगाना में इस सीजन में रिकॉर्ड धान खरीद का लक्ष्य : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा है कि रबी 2025-26 सीजन के तहत राज्य में धान खरीद इस बार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने वाली है। बुधवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में मंत्री ने कहा कि सरकार मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों, किसानों की सुरक्षा और उनके कल्याण को ध्यान में रखते हुए मजबूत रणनीति के साथ खरीद प्रक्रिया चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने खेती, उत्पादन और खरीद के क्षेत्र में पिछली बीआरएस सरकार की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। साथ ही उन्होंने बीआरएस पर किसानों को भ्रमित करने और गलत प्रचार फैलाने का आरोप लगाया।

मंत्री के अनुसार इस बार राज्य में 67 लाख एकड़ में धान की खेती हुई है और कुल उत्पादन 141 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने 90 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा है और किसानों को एमएसपी भुगतान के लिए 21,501 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक राज्य में 17.28 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है और किसानों के खातों में 2,310 करोड़ रुपये सीधे जमा किए गए हैं। सरकार ने खरीद व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 8,575 केंद्र स्थापित किए हैं, जो पिछली बार की तुलना में अधिक हैं। साथ ही फसलों को बारिश से बचाने के लिए 2.63 लाख तिरपाल उपलब्ध कराए गए हैं।

इसके अलावा 18.75 करोड़ गनी बैग, 11.20 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त भंडारण क्षमता और 6,200 से अधिक ट्रकों की व्यवस्था की गई है ताकि धान को तेजी से मिलों तक पहुंचाया जा सके। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना देश में धान उत्पादन और खरीद दोनों में अग्रणी राज्य बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि खरीद केंद्रों पर किसानों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता या धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर आरोप लगाया कि लगातार चुनावी हार के बावजूद वे किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

नादरगुल में 'भूमि माफिया' पर कार्रवाई की मांग

हरीश राव ने सीएम से की अपील

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपनेता टी. हरीश राव ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से नादरगुल क्षेत्र में सरकारी जमीन को कथित अतिक्रमण से बचाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की। नादरगुल के सैकड़ों किसानों ने हरीश राव से मुलाकात कर आरोप लगाया कि रियल एस्टेट समूह, कथित तौर पर पुलिस के समर्थन से, रंगा रेड्डी जिले के बालापुर मंडल के कासुबाग क्षेत्र में सर्वे नंबर 613 (119) की 373 एकड़ सरकारी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों ने अतिक्रमणकारियों द्वारा की गई फेंसिंग, क्षतिग्रस्त बोरवेल और हमलों में लगी चोटों के फोटो और वीडियो भी सौंपे।

हरीश राव ने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार, जिसका नेतृत्व के. चंद्रशेखर राव ने किया था, ने इन जमीनों की रक्षा के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट में भूमि सीमा कानून के तहत कानूनी लड़ाई लड़ी थी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर यह माना है कि यह भूमि राज्य की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस जमीन को निजी लोगों को सौंपने की साजिश रची जा रही है। हैद्रा पहल पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि क्या यह केवल गरीबों को निशाना बनाने के लिए है, जबकि बड़े पैमाने पर अतिक्रमण को नजरअंदाज किया जा रहा है। किसानों की समस्या सुनने के बाद हरीश राव ने रंगा रेड्डी जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार तथा स्थानीय राजस्व अधिकारियों से बात कर अवैध फेंसिंग हटाने, किसानों के अधिकार बहाल करने, जल स्रोतों की सुरक्षा और फीडर चैनलों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो वे बीआरएस प्रतिनिधिमंडल के साथ मौके का दौरा करेंगे।

डीजीपी ने तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मुलाक़ात की

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह से शिष्टाचार मुलाक़ात की। इस मुलाक़ात के दौरान, डीजीपी ने न्यायाधीश पी. सैम कोशी से भी मुलाक़ात की। ये मुलाकातें एक शिष्टाचार बातचीत के तौर पर की गईं।

शहर में तीन नए एमएमटीएस स्टेशन प्रस्तावित

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में उपनगरीय रेल सेवाओं को मजबूत करने के लिए अलवाल के लोयोला कॉलेज, आनंदबाग और मौला-अली में तीन नए एमएमटीएस स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड की मंजूरी के लिए भेज दिया है और अब स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है। यह पहल घटकेसर-सनथनगर एमएमटीएस कॉरिडोर पर बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए की गई है। यात्री संगठनों के अनुसार, इस मार्ग पर लंबे समय से अतिरिक्त स्टेशनों की मांग की जा रही थी। अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थानों की व्यवहार्यता का अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी है।

प्रस्तावित स्टेशनों में आनंदबाग एक महत्वपूर्ण स्थान है, जहां चेर्लापल्ली और नेरेडमेट के बीच लंबी दूरी होने के कारण यात्रियों को परेशानी होती है। इसी तरह, अलवाल के लोयोला कॉलेज और मौला-अली क्षेत्र में स्टेशन बनने से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। इस बीच, ट्रेन ट्रैवलर्स एसोसिएशन ने अलुगड्डा बावी में एक नया स्टेशन बनाने की भी मांग की है, जिससे सिकंदराबाद क्षेत्र में रेल संपर्क और बेहतर हो सके। इसके अलावा, यादाद्री मंदिर नगर तक एमएमटीएस सेवा शुरू करने की योजना भी तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रस्तावित परियोजना के तहत सिकंदराबाद से रायगीर तक लगभग 33 किलोमीटर लंबा रेल मार्ग विकसित किया जाएगा, जिस पर करीब 430 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। रेलवे अधिकारियों का लक्ष्य है कि अगले तीन वर्षों में इस परियोजना को पूरा कर यात्रियों के लिए शुरू किया जाए, जिससे शहर और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम हो सके।

विशेष बच्चों के लिए 'हैप्पी व्हील्स' पहल

18 सीटर वैन से मिलेगी सुविधा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीप ट्रस्ट ने 'हैप्पी व्हील्स' पहल की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य विशेष जरूरतों वाले बच्चों की आवाजाही को आसान बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत ऑक्टेव इंडिया के सहयोग से 18 सीटर टाटा विंगर वाहन महेंद्र हिल्स स्थित श्री विद्यस सेंटर फॉर स्पेशल चिल्ड्रेन को प्रदान किया गया। इससे छात्रों को लंबे समय से आ रही परिवहन संबंधी समस्याओं का समाधान मिलेगा। करीब 27 वर्षों से संचालित यह संस्थान लगभग 150 बौद्धिक और विकासात्मक रूप से विशेष बच्चों को निःशुल्क समग्र शिक्षा प्रदान करता है, जिसमें आत्मनिर्भरता और जीवन कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हालांकि सुरक्षित और नियमित परिवहन की कमी के कारण बच्चों की उपस्थिति प्रभावित होती रही है। कार्यक्रम में ऑक्टेव इंडिया के मुख्य वित्त अधिकारी बल्लव मुंद्रा और डीप ट्रस्ट की संस्थापक एवं ट्रस्टी डॉ. मधु वसेपल्ली ने वाहन को श्री विद्यस की संस्थापक शांति वेंकट को सौंपा। इस अवसर पर डीप ट्रस्ट की सीईओ स्वाति मोहंती सहित अभिभावक और छात्र भी उपस्थित रहे। इस पहल से छात्रों को सुरक्षित दैनिक आवागमन, नियमित उपस्थिति और शिक्षा, थेरेपी व अन्य गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित होगी।

डॉ. मांगी लाल जाट के द्वारा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र में उन्नत न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने संस्थान के अनुसंधान में हुई प्रगति, बुनियादी ढांचे के विकास एवं देश में श्री अन्न परितंत्र को सुदृढ़ करने पर केंद्रित लोक-संपर्क पहलों की समीक्षा हेतु 6 मई को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र), हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता तथा सतत आजीविका सुनिश्चित करने में श्री अन्न के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

डॉ. मांगी लाल जाट ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान को सुदृढ़ करने तथा बेहतर बनाने हेतु निर्मित इस अत्याधुनिक न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला की समीक्षा की। यह उन्नत सुविधा पूरी तरह से स्वचालित, उच्च प्रवाह क्षमता जीनोमिक के माध्यम से श्री अन्न में अग्रणी जीनोमिक व आण्विक प्रजनन अनुसंधान में सहायता हेतु विकसित की गई है। यह सुविधा चिह्नक सहाय प्रजनन, कृत्रिम मेधा (एआई)-सक्षम उत्पादक प्रजनन एवं जीन-संपादन उपयोग को तीव्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, ताकि जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु सक्षम, पोषण से भरपूर एवं ज़्यादा पैदावार वाली श्री अन्न किस्मों का तेजी से विकास किया जा सके।

इस नई प्रयोगशाला से यह आशा है कि यह शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, स्टार्ट-अप्स एवं व्यावसायिक कंपनियों के सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से उन्नत जीनोमिक सहायता प्रदान करके वैश्विक श्री अन्न अनुसंधान एवं नवोन्मेष को आगे बढ़ाएगी। यह सुविधा पोषण जीनोमिक, तनाव जीवविज्ञान, प्रकार्यात्मक लक्षण खोज तथा अगली पीढ़ी के प्रजनन प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान को सुदृढ़ करेगी, जिससे खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का सामना करने एवं सतत कृषि में सहायता मिलेगी।

डॉ. जाट और डॉ.डी के यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) ने उन्नत फेनोमिक सुविधा का भी दौरा किया तथा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के भवन निर्माण की प्रगति की समीक्षा की, जहां उन्होंने श्री अन्न अनुसंधान एवं नवोन्मेष को आगे बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय वैज्ञानिक आधारिक संरचना के निर्माण में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

डॉ.सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान ने टीएसपी, एसीएसपी, एनईएच तथा एफपीओ कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा विशेष पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने देशभर में आदिवासी किसानों, महिला समूहों, किसान उत्पाद संगठनों एवं छोटे किसान समुदायों के बीच श्री अन्न से होने वाली आजीविका, मूल्य-वर्धन, उद्यमशीलता तथा सतत खेती को बढ़ावा देने में संस्थान के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

डॉ. जाट ने प्रदर्शन क्षेत्र में वैज्ञानिकों से चर्चा की तथा संस्थान द्वारा विकसित श्री अन्न की नई किस्मों, समृद्ध जननद्रव्य संग्रहण, एवं नई श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन प्रौद्योगिकियों की समीक्षा की।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड की बड़ी योजनाओं को मंजूरी

161 करोड़ की विकास परियोजनाएं स्वीकृत

तिरुमला, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने बुधवार को अन्नामय्या भवन में हुई बैठक में कई बड़े विकास, आधारभूत ढांचे और तीर्थयात्री सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड चेयरमैन बी.आर. नायडू ने की। शिक्षा और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए 43.40 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, जिससे कुल आवंटन बढ़कर 161.40 करोड़ रुपये हो गया है। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए श्रीवारी सर्वदर्शन कतारों में अतिरिक्त शौचालयों के निर्माण हेतु 4.55 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गोगर्भम डैम से फिल्टर प्लांट तक नई पाइपलाइन के लिए 6 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। मंदिर विकास के तहत वेणकटपालम (अमरावती) में बड़े कार्यों के लिए 36.95 करोड़ रुपये और अनंतवरम मंदिर के राजगोपुरम के लिए 2.71 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। साथ ही खम्मम में राज्य सरकार द्वारा आवंटित 20 एकड़ भूमि पर श्रीवारी मंदिर निर्माण को भी मंजूरी दी गई। धार्मिक ढांचे के तहत अलिपिरी में श्रीनिवास दिव्यानुग्रह होमम के लिए यागशाला निर्माण हेतु 4.75 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। कल्याण एवं सामाजिक योजनाओं के तहत अक्षर गोविंदम योजना के अंतर्गत बच्चों को मुफ्त किट, श्रवणम योजना के तहत 150 बच्चों को मुफ्त श्रवण यंत्र तथा कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य प्रतिपूर्ति राशि को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है।

अन्य प्रमुख निर्णयों में एपीसीओ और को-ऑप्टेक्स से 44.20 करोड़ रुपये के रेशमी वस्त्र और कंबल खरीद, वराहस्वामी रेस्ट हाउस के विकास के लिए 3.61 करोड़ रुपये, तिरुमला में केंद्रीकृत प्रशासनिक भवन निर्माण, लेपाक्षी में कल्याण मंडपम निर्माण और दान नीति समिति के गठन को मंजूरी शामिल है।

इसके अलावा कोयंबटूर में दान की गई 19.43 एकड़ भूमि को टीटीडी में शामिल करने और नवी मुंबई स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के लिए स्टाफ नियुक्त करने का भी निर्णय लिया गया।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-North-WAT-18-2026, दिनांक 01.05.2026

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के सहायक मंडल अभियंता/रायगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अधीन 12 इकाई टाइप-IV क्वार्टरों तथा 12 इकाई टाइप-III क्वार्टरों का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 8,85,40,614.19, EMD: रु. 17,70,800.00, कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 25.05.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-117/R/26-27

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'एक दशक में ...

> भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत औषधि प्रशासन (डीएवी) के बीच चिकित्सा उत्पाद विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

> मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और हो ची मिन्ह सिटी पीपल्स कमेटी के बीच मित्रता और सहयोग बढ़ाने पर समझौता।

> आईसीसीआर और यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड एजुकेशन (दा नांग विश्वविद्यालय) के बीच 'आईसीसीआर चेयर ऑफ इंडिया स्टडीज' की स्थापना पर समझौता।

> राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय और हनोई स्थित हो ची मिन्ह नेशनल एकेडमी ऑफ पॉलिटिक्स (एचसीएमए) के बीच समझौता।

> एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और वियतनाम के नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनएपीएएस) के बीच समझौता।

> भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) कार्यालय और वियतनाम के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की लेखा परीक्षा के क्षेत्र में समझौता।

> भारत के पर्यटन मंत्रालय और वियतनाम के खेल, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय के बीच पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

> आईसीसीआर और यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यमैनिटीज के बीच 'आईसीसीआर चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज' की स्थापना पर समझौता।

>भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वियतनाम के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

> संस्कृति मंत्रालय के 'ज्ञान भारतम' और वियतनाम नेशनल यूनिवर्सिटी (हो ची मिन्ह सिटी) के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यमैनिटीज के बीच 'चाम पांडुलिपियों' को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने पर समझौता।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति लाम के साथ बैठक की। इससे पहले दिन में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में उनका औपचारिक स्वागत किया गया, जिससे उनके भारत के पहले राजकीय दौरे की शुरूआत हुई।

वियतनाम के राष्ट्रपति का स्वागत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दिखाता है। स्वागत समारोह में बच्चों ने पारंपरिक पोशाक पहनकर भारत और वियतनाम के राष्ट्रीय ध्वज लहराए।

वंदे मातरम गीत ...

गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए। इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

ईरान जंग 48 ...

यूएई पर फिर हमला :

ईरान ने यूएई पर लगातार दूसरे दिन मिसाइल और ड्रोनों से हमला किया। यूएई ने कहा कि उसके डिफेंस सिस्टम ने मिसाइल और ड्रोन को आसमान में ही रोक लिया।

अमेरिका ने होर्मुज में प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश वॉरशिप भेजा। इसका मकसद उन जहाजों को सुरक्षित निकालना था, जो होर्मुज में फंसे हुए हैं।

भारत ने कहा कि तीन भारतीय नागरिकों का घायल होना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा रोकने की अपील की है।

साथ ही कहा कि आम लोगों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए।

चीनी कंपनियों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए वहां की सरकार ने एक कानून बनाया है। इसके तहत विदेशी प्रतिबंधों को मानने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जा सकती है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-20-2026, दिनांक 01.05.2026

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के सहायक मंडल अभियंता/ट्रैक के अधिकार क्षेत्र के अधीन ठेकेदार के यांत्रिक क्रशर के प्रयोग द्वारा तोड़े गए 50MM गेज के 23391 घन मी (विनिर्देशनों के अनुसार) हार्डस्टोन बैलास्ट की आपूर्ति, इसकी कंटकापल्ली (KPL) स्टेशन डिपो तक परिवहन, जमीन पर अनलोडिंग एवं ढेरी लगाने के साथ भूमि पर ड्रेसिंग एवं कंटकापल्ली (KPL) स्टेशन डिपो में रेलवे वैगनों में उसकी लदाई।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 3,46,41,369.27, EMD: रु. 6,92,800.00, कार्य समापन की अवधि: 09 महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 26.05.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-116/R/26-27

हिंदू-टू-हिंदू बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू-टू-हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग हिंदू-टू-हिंदू 5 परमपरा (तारनाका चैप्टर) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक बिज़नेस मीट का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ाना था।

यह कार्यक्रम नागोल मेट्रो स्थित होटल एसवीएम ग्रैंड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल बालदावा थे, जो एक प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष गोपीचंद के साथ-साथ अन्य सदस्यों जैसे संगीता गणेश, उषाश्री, शिवप्रसाद, मुरली मोहन तथा क्षेत्रीय प्रमुख किरण वेमुला ने भी भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

यह कार्यक्रम सभी के द्वारा बहुत सराहा गया। यह बैठक अध्यक्ष गोपीचंद जेवी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस अवसर पर हिंदू-टू-हिंदू के संस्थापक गीतेश काटे तथा हिंदू-टू-हिंदू 8 ऊर्जा (सैनिकपुरी) की अध्यक्ष उमा कार्तिक भी उपस्थित थीं।

निर्माणाधीन घर में हादसा, महिला की मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतलमनेपल्ली मंडल के कोरसिनी गांव में निर्माणाधीन इंदिराम्मा घर में हुए हादसे में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम को तेज हवा और बेमौसम बारिश के दौरान निर्माण कार्य में लगे लोहे के खंभे और मचान गिर गए, जिसकी चपेट में आकर 45 वर्षीय विधवा सिदाम सुगुना गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया गया कि लोहे के बक्से गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट आई और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय महिला निर्माण स्थल पर काम कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2026 प्लेऑफ का शेड्यूल जारी

अहमदाबाद में फाइनल, धर्मशाला और चंडीगढ़ में प्लेऑफ मुकाबले होंगे; फाइनल 31 मई को

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों का शेड्यूल जारी हो गया है। इसकी शुरुआत 26 मई को क्वालीफायर-1 मुकाबले से होगी। टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने प्लेऑफ मुकाबलों का डिटेल जारी किया। आईपीएल 2026 में 5 मई तक 48 मैच खेले जा चुके हैं। प्लेऑफ मुकाबले 70 मैच के बाद खेले जाएंगे।

धर्मशाला में क्वालीफायर-1, चंडीगढ़ को मिली 2 मैचों की मेजबानी

आईपीएल 2026 का पहला प्लेऑफ मुकाबला यानी क्वालीफायर-1 धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में 26 मई को खेला जाएगा। इसमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद टूर्नामेंट चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट होगा। यहां 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को क्वालीफायर-2 के मैच खेले जाएंगे।

अहमदाबाद में लगातार दूसरे साल फाइनल मुकाबला

सीजन का ग्रैंड फिनाले 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मोदी स्टेडियम लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

पंजाब किंग्स टेबल में टॉप पर

आईपीएल 2026 में 70 लीग मैचों के साथ कुल 74 मैच खेले जाएंगे। 28 मार्च 2026 को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में, अब तक 48 मैच हो चुके हैं और प्लेऑफ की दौड़ रोमांचक हो गई है। पंजाब किंग्स अभी 13 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स सबसे निचले पायदान पर है।

बेंगलुरु से अहमदाबाद क्यों शिफ्ट हुआ फाइनल?

इस साल प्लेऑफ के लिए तीन अलग-अलग वेन्यू चुने गए हैं। पहले फाइनल की मेजबानी बेंगलुरु को दी गई थी।

हालांकि, स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगें थीं जो बीसीसीआई के प्रोटोकॉल और गाइडलाइंस के दायरे से बाहर थीं। इसी कारण वेन्यू को बदलना पड़ा और अहमदाबाद को फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

भारत टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर बरकरार

वर्ल्डकप जीतने का फायदा मिला, इंग्लैंड दूसरे स्थान पर

दुबई, 6 मई (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में इस साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम ने आईसीसी की टी-20 टीम रैंकिंग में भी अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। आईसीसी ने सालाना अपडेट जारी किया है। अपडेशन के बाद टी-20 में टीम इंडिया 275 अंकों के साथ पहले पायदान पर काबिज है, जबकि इंग्लैंड (262 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया (258 अंक) तीसरे स्थान पर है।

ICC टी-20 टीम रैंकिंग

रैंकिंग	टीम	रेटिंग
1	भारत	275
2	इंग्लैंड	262
3	ऑस्ट्रेलिया	258
4	न्यूजीलैंड	247
5	साउथ अफ्रीका	244
6	पाकिस्तान	240
7	वेस्टइंडीज	233
8	बांग्लादेश	225
9	श्रीलंका	221
10	अफगानिस्तान	220

आईसीसी रैंकिंग में तीन साल के डेटा होते हैं। पिछले 12 महीनों में हुए मुकाबलों का वेटेज 100% होता है। उससे पहले के 2 साल के डेटा का वेटेज 50% होता है। मौजूदा रैंकिंग में मई 2023 से अप्रैल 2024 और मई 2024 से अप्रैल 2025 तक हुए मैचों को 50-50% दिया गया है। वहीं, मई 2025 के बाद के मैचों का वेटेज 100% है। यहां से अप्रैल 2026 तक होने वाले मैचों को भी 100% वेटेज मिलेगा। यानी जब अगले साल मई में नया अपडेट होगा तो उसमें से 2023 से 2024 तक हुए मैचों को रैंकिंग गणना से बाहर कर दिया जाएगा। फिर 2024 से 2025 और 2025 से 2026 तक के मैचों का वेटेज 50% हो जाएगा और 1 मई 2026 के बाद हुए मैचों को ही 100% वेटेज मिलेगा।

श्रीलंका को 6 रेटिंग अंकों का नुकसान हुआ है, जिससे वे फिसलकर 9वें स्थान पर आ गए हैं। इसका फायदा बांग्लादेश को मिला है, जो अब 8वें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, उत्तर अमेरिका में क्रिकेट की उभरती ताकत 'यूएसए' ने 6 अंकों के फायदे के साथ 13वां स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिका ने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड जैसी अनुभवी टीमों को पीछे छोड़ दिया है।

टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार शामिल हुई इटली की टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगाई है। नेपाल को 10 विकेट से हराने वाली इतालवी टीम अब 23वें स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, आईसीसी रैंकिंग में शामिल टीमों की संख्या 102 से घटकर 98 रह गई है। फिजी, गाम्बिया, ग्रीस और इज़राइल को रैंकिंग से बाहर कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में न्यूनतम 8 टी20 मैच नहीं खेले थे।

विमेंस टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपना नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है। ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 287 पॉइंट्स हैं। इंग्लैंड 275 पॉइंट्स लेकर दूसरे और भारतीय टीम 264 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। रैंकिंग के टॉप-16 पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आईपीएल का गणित-लगातार दो जीत से चेन्नई की उम्मीदें कायम: दिल्ली के पास भी चांस

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। टीम ने सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से सुपर किंग्स ने प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं। दिल्ली के पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका है। बशर्ते टीम को बाकी के सभी मैच जीतने होंगे।

मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जीत के बाद चेन्नई की टीम छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली 7वें स्थान पर है। दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है।

पंजाब टेबल के टॉप पर, प्लेऑफ के लिए 2 जीत जरूरी

श्रेयस अय्यर की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 9 मैचों में 6 जीत के बाद 13 अंक हैं। एक मैच नो-रिजल्ट रहा था। ऐसे में एक और जीत पंजाब को प्लेऑफ की देहलीज में पहुंचा देगी। आम तौर पर 16 अंक के बाद टीमों टॉप-4 में फिनिश करती हैं। पंजाब को भी 3 मैच घरेलू मैदान पर खेलने हैं।

राहुल टॉप स्कोरर बने, ऑरेंज कैप मिली

मैच के बाद दिल्ली के केएल राहुल सीजन के टॉप स्कोरर बन गए हैं। वे 10 मैचों में 445 रन बना चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (440 रन) को पीछे छोड़ा। हैदराबाद के ही हेनरिक क्लासन 425 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आज केएल राहुल टॉप पर आ सकते हैं।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड में बदलाव नहीं

मैच के बाद टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में बदलाव नहीं हुआ है। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज एक समान 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 16 विकेट लेकर नंबर-3 पर हैं।

विनेश फोगाट को डोपिंग एजेंसी का नोटिस: बेंगलुरु में टेस्ट के लिए नहीं मिलीं, देना होगा जवाब

बेंगलुरु, 6 मई (एजेंसियां)। 10 से 12 मई के बीच गोंडा में होने वाले सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से पहले विनेश फोगाट को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ITA) ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस डोपिंग टेस्ट के लिए तय समय और स्थान पर मौजूद नहीं रहने के कारण दिया गया है।

पिछले 12 महीनों में यह उनकी पहली ऐसी गलती है। हालांकि, इस चेतावनी का उनके आगामी टूर्नामेंट में भाग लेने पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन नियमों के अनुसार, अगर भविष्य में ऐसी दो और चूक होती हैं, तो उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

18 दिसंबर को टेस्ट के लिए पहुंची टीम, बेंगलुरु में नहीं मिलीं विनेश फोगाट

इंटरनेशनल टेस्टिंग एंजेसी के नोटिस के मुताबिक, मामला 18 दिसंबर 2025 का है। डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर (DCO) विनेश फोगाट के बताए बेंगलुरु पते पर पहुंचे थे, लेकिन वे 60 मिनट के तय टाइम स्लॉट में वहां मौजूद नहीं थीं।

नियम के अनुसार, 'रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल' में शामिल खिलाड़ियों को रोज एक घंटा ऐसा बताना होता है, जब वे बिना नोटिस टेस्ट के लिए उपलब्ध रहें। उस समय विनेश वहां नहीं मिलीं, जिसे नियम का उल्लंघन माना गया

20 महीने बाद अखाड़े में वापसी

विनेश फोगाट करीब 20 महीने बाद एक बार फिर कुश्ती के अखाड़े में वापसी करने जा रही हैं। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक के बाद कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था, लेकिन कुछ महीनों बाद वापसी की घोषणा कर दी।

एशियन गेम्स ट्रायल के लिए आखिरी मौका

जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच होने वाले एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए यह विनेश के पास आखिरी मौका है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के मुताबिक एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना जरूरी है। चूंकि नेशनल चैंपियनशिप पहले ही हो चुकी है, इसलिए अब विनेश को नेशनल रैंकिंग चैंपियनशिप में पदक जीतकर ट्रायल के लिए क्वालिफाई करना होगा

विनेश की सफाई: 'विधानसभा सत्र और बच्चे की वजह से अपडेट नहीं कर पाई लोकेशन'

विनेश को 5 जनवरी 2026 को इस बारे में सूचित किया गया था, जिसका जवाब उन्होंने 19 जनवरी को दिया। विनेश ने बताया कि वे उस दिन हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने के लिए बेंगलुरु से चंडीगढ़ गई थीं। उन्होंने अपनी नई पारिवारिक जिम्मेदारियों और हाल ही में हुए बच्चे के जन्म का भी हवाला दिया। विनेश ने कहा कि व्यस्तता के कारण वे अपनी लोकेशन अपडेट नहीं कर पाईं।

एजेंसी ने दलील ठुकराई: 'एसएमएस और ऐप से जानकारी देना खिलाड़ी की जिम्मेदारी'

आईटीए ने विनेश की दलील को नाकाफी माना है। एजेंसी ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के तौर पर उनकी व्यस्तता हम समझते हैं, लेकिन डोपिंग नियमों का पालन करना पूरी तरह खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।

नोटिस में कहा गया कि विनेश के पास एसएमएस, ईमेल या मोबाइल ऐप के जरिए लोकेशन अपडेट करने के कई रास्ते थे, जिनका उन्होंने उपयोग नहीं किया। एजेंसी ने विनेश को इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 7 दिन का समय दिया है।

क्या है नियम?

वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी के नियमों के मुताबिक, अगर कोई खिलाड़ी 12 महीने के भीतर 3 बार अपनी लोकेशन बताने में फेल होता है या टेस्ट के लिए मौजूद नहीं रहता, तो इसे 'एंटी डोपिंग रूल वायलेशन' माना जाता है। इसमें खिलाड़ी पर 2 साल तक का प्रतिबंध लग सकता है। विनेश के केस में यह अभी पहली गलती है, इसलिए उन्हें केवल चेतावनी दी गई है।

थॉमस कप में पदक के बावजूद कोई चर्चा नहीं

निराश सात्विक का टूटा दिल; चिराग-प्रणय ने दिया झकझोर देने वाला बयान

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थॉमस कप 2026 में कांस्य पदक जीतने के बाद बड़ा बयान देकर खेल जगत में बहस छेड़ दी है। दोनों खिलाड़ियों ने साफ कहा कि भारत अभी भी खेल राष्ट्र नहीं बना है और यहां बैडमिंटन जैसी उपलब्धियों को वह सम्मान नहीं मिलता, जो मिलना चाहिए। सबसे चौंकाने वाला बयान सत्विक का रहा, जिन्होंने कहा कि वह अपने बच्चे को बैडमिंटन नहीं खिलाना चाहेंगे।

डेनमार्क में थॉमस कप में पदक जीतने के बाद जब भारतीय टीम स्वदेश लौटी, तो खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि देश इस सफलता पर गर्व करेगा, लेकिन एयरपोर्ट पर जो हुआ, उसने खिलाड़ियों को निराश कर दिया। सत्विक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लिखा था, 'घर लौट आए हैं। हमेशा की तरह किसी को नहीं पता कि पिछले दो हफ्तों में क्या हुआ, और लगता है किसी को फर्क भी नहीं पड़ता।' बाद में उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में बताया, 'हम जर्मनी से सात घंटे की फ्लाइट लेकर हैदराबाद पहुंचे। किसी ने यह तक नहीं पूछा कि हम कौन हैं या कौन सा मेडल जीतकर आए हैं। हम थॉमस कप की जर्सी पहने थे, लेकिन सब लोग आईपीएल, राजनीति या दूसरी चीजों में व्यस्त थे।' सत्विक ने याद दिलाया कि 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप गोल्ड जीता था, लेकिन तब भी जश्न वैसा नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'जब हम 2022 में जीते थे, तब भी इसे और बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए था। लोग नहीं समझते कि ऐसे मौके बार-बार नहीं आते। थॉमस कप जीतना बहुत मुश्किल है, मेडल जीतना भी आसान नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'एयरपोर्ट पर प्रणय, श्रीकांत और ध्रुव जैसे खिलाड़ी खुद कैब बुक कर रहे थे। मेरे दोस्त मुझे लेने आए थे, लेकिन वह दृश्य देखकर मैं बहुत दुखी था।' सत्विक ने सबसे बड़ा बयान तब दिया जब उन्होंने भविष्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैंने प्रणय से कहा कि मैं अपने बच्चे को बैडमिंटन नहीं खेलने दूंगा। अगर आप मानसिक रूप से मजबूत हैं तो संभाल लेंगे, वरना जब देश का बड़ा हिस्सा आपकी मेहनत से अनजान हो, तब आगे बढ़ना बहुत मुश्किल हो जाता है।' हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें बड़े सम्मान की अपेक्षा नहीं है। सात्विक ने कहा, 'हैदराबाद अकादमी में हमें सम्मान मिला, छोटा सा बुके मिला, केक कटा, वही काफी था। हमें कुछ भव्य नहीं चाहिए।'

लखनऊ में आईपीएल मैच के रेट दोगुने

एलएसजी से भिड़ंत से पहले विराट की 2 घंटे प्रैक्टिस

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ मुकाबले के लिए दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली लखनऊ पहुंच चुके हैं। 5 मई को उन्होंने इकाना स्टेडियम में 2 घंटे पसीना बहाया। इस दौरान विराट ने बल्लेबाजी करते हुए जमकर छक्के लगाए। स्पिनर्स के खिलाफ भी बैटिंग प्रैक्टिस की। पूरे स्टेडियम में बाउंड्री पर दौड़ लगाई।

विराट की एक झलक पाने के लिए स्टेडियम के बाहर फैंस की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि, अंदर जाने की इजाजत नहीं मिलने से फैंस के चेहरे पर मायूसी दिखी। इकाना स्टेडियम में कल यानी 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और एलएसजी के बीच मैच होना है। इसे लेकर फैंस का रोमांच चरम पर है।

ग्राउंड से लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक फैंस एक्टिव हैं। सबसे ज्यादा क्रेज विराट कोहली को लेकर है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा रहा है कि टिकट के दामों में दोगुना का इजाफा होने के बावजूद टिकट बिक्री की रफ्तार थम नहीं रही है।

ऑनलाइन टिकट रेट की बात करें तो 2 हजार से लेकर 50 हजार तक के टिकट बिक रहे हैं। यह इस सीजन में लखनऊ में अब तक हुए मैचों में सबसे ज्यादा है। इस मैच से पहले टिकटों के रेट 1000 रुपए से 25 हजार रुपए तक थे। हालांकि, ब्रोकर और दलाल, मार्केट में टिकट इससे कई गुना ज्यादा में बेच रहे।

किंग कोहली की एक झलक पाने को बेताब लखनऊ

7 मई को होने वाला ये मुकाबला वैसे तो लखनऊ सुपरजायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा लेकिन हकीकत ये है कि लखनऊ में फैंस के बीच विराट कोहली का ही क्रेज है। अधिकतर फैंस कोहली को ही देखने के लिए टिकट पर कई गुना खर्च कर रहे हैं। इसका फायदा टिकट बेचने वाले उठा रहे और अभी से मैच को 'मेगा शो' कहकर हाउसफुल करार दे रहे हैं।

9 कैटेगरी के टिकट रेट में सबसे ज्यादा डिमांड 6 हजार वाले टिकट की है। ये साउथ वीआईपी टेरेस का एरिया है। ईस्ट और वेस्ट स्टैंड के टिकट के रेट 2 हजार रुपए हैं। इन दोनों ही कैटेगरी की सबसे ज्यादा डिमांड है। 2500 और 3000 की कैटेगरी भी फास्ट फिलिंग में है।

खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन बायकॉट की चेतावनी दी

सबालेंका बोलीं-इनामी राशि नहीं बढ़ी तो खिलाड़ी टूर्नामेंट छोड़ सकते हैं

पेरिस, 6 मई (एजेंसियां)। महिला वर्ल्ड नंबर-1आर्यना सबालेंका ने कहा कि अगर फ्रेंच ओपन में प्राइज मनी नहीं बढ़ाई गई तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकते हैं। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने भी इसका समर्थन किया। पुरुष वर्ग के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर और टॉप-10 के कई अन्य खिलाड़ियों ने भी इनामी राशि को लेकर नाराजगी जताई है।

सबालेंका का बयान ऐसे समय आया है, जब आयोजकों और खिलाड़ियों के बीच कमाई के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस साल फ्रेंच ओपन की प्राइज मनी 9.5% बढ़कर 61.7 मिलियन यूरो (686 करोड़ रुपए) हो गई है, लेकिन खिलाड़ी इसे कम मानते हैं।

खिलाड़ियों ने सोमवार को दावा किया कि टूर्नामेंट रेवेन्यू में उनकी हिस्सेदारी 2024 के 15.5% से घटकर 2026 तक 14.9% हो सकती है। खिलाड़ी रेवेन्यू में 22% हिस्सेदारी चाहते हैं, जो एटीपी और डब्ल्यूटीए के 1000 लेवल टूर्नामेंट्स के बराबर है।

इटालियन ओपन के दौरान 28वां जन्मदिन मना रहीं आर्यना सबालेंका ने कहा, 'हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होगा और न ही कोई मनोरंजन। मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से रेवेन्यू का ज्यादा प्रतिशत पाने के हकदार हैं।'

उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा आएगा जब हम इसका बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका बचा है। खिलाड़ी सिर्फ इनामी राशि ही नहीं, बल्कि चारों ग्रैंड स्लैम-ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन चैंपियनशिप और यूएस ओपन से बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य सुविधाएं और पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट करोड़ों का मुनाफा कमाते हैं, लेकिन एथलीटों को उनके श्रम के अनुपात में लाभ नहीं मिलता।

खिलाड़ियों के कड़े विरोध और साझा बयान पर फ्रेंच ओपन आयोजकों ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टेनिस में ऐसे मतभेद पहले भी हुए हैं, लेकिन महिला और पुरुष वर्ग के दोनों नंबर-1 खिलाड़ियों का साथ आना टूर्नामेंट की छवि पर असर डाल सकता है।

आर्सेनल 20 साल बाद चैंपियंस लीग के फाइनल में: एटलेटिको मैड्रिड को हराया

खेल डेस्क, 6 मई (एजेंसियां)। इंग्लिश क्लब आर्सेनल एफ.सी ने 20 साल बाद यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में जगह बनाई। एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे लेग में आर्सेनल एफ.सी. ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराया। टीम की जीत के हीरो बुकायो साका रहे। उन्होंने पहले हाफ के अंतिम मिनटों में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले मैड्रिड में पहला लेग 1-1 से ड्रॉ रहा था। इसके बाद आर्सेनल एफ.सी. ने एग्रीगेट स्कोर 2-1 से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। आर्सेनल एफ.सी. के लिए यह 2006 के बाद पहला यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल होगा। तब टीम को एफसी बार्सिलोना से 2-1 से हार मिली थी। आर्सेनल अब 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा। डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी के पास फिलहाल बायर्न पर 5-4 की बढ़त है। मैच की शुरुआत रोमांचक रही। एटलेटिको के जूलियन अल्वारेज और सिमियोने ने शुरुआती मौके बनाए, लेकिन आर्सेनल एफसी के डिफेंस ने उन्हें रोक दिया। 44वें मिनट में मैच का टर्निंग पॉइंट आया। विक्टर ग्योकेरेस के क्रॉस पर लिएंड्रो ट्रॉसार्ड का शॉट एटलेटिको के गोलकीपर जान ओबलाक ने रोकने की कोशिश की, लेकिन रिबाउंड पर बुकायो साका ने गोल कर दिया। गोल के बाद स्टेडियम जश्न में डूब गया। दूसरे हाफ में एटलेटिको मैड्रिड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आर्सेनल एफ.सी. के डिफेंडरों और गोलकीपर डेविड राया ने शानदार बचाव किया। गैब्रियल मागाल्हाएस ने आखिरी समय में एटलेटिको के हमले रोके। वहीं, एंटोनी ग्रिजमैन के खतरनाक शॉट को रोककर राया ने आर्सेनल की बढ़त कायम रखी।

घरेलू मैदान बस नाम का, पिच पर हमारा कंट्रोल नहीं

सीएसके से हार के बाद डीसी के कोच हेमांग बदानी ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सीएसके के खिलाफ मुकाबला गंवाने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमांग बदानी का दर्द छिपाए नहीं छिपा. पिच को लेकर दिल में दबी उनकी भड़ास जुबां पर आ ही गई. कहने को अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली कैपिटल्स का होम ग्राउंड है. लेकिन, जब आईपीएल 2026 में अक्षर पटेल की टीम के इस मैदान पर आंकड़े देखेंगे तो पता चलेगा कि होम ग्राउंड तो बस नाम का ही है. अपने मैदान की पिच को हर घरेलू टीम अपनी ताकत के अनुसार ढालती है. लेकिन, अरुण जेटली की पिच के आंकड़े देख लगता है जैसे वो विरोधी टीमों के जीतने के लिए ही बनाई जाती है. दिल्ली कैपिटल्स मे आईपीएल 2026 में अब तक 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 4 ही उसने जीते हैं. यानी 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. अब जरा अपने होम ग्राउंड की पिच पर दिल्ली कैपिटल्स का रिकॉर्ड देखिए. अरुण जेटली स्टेडियम पर इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक 5 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है. यानी देखा जाए तो बाहर के मुकाबले घर में हालत और भी ज्यादा खराब है. दिल्ली कैपिटल्स ने घर से बाहर कम से कम 3 मुकाबले तो 5 मैचों में जीते हैं. घरेलू मैदान पर टीम की इसी बदहाल स्थिति से तंग आकर दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमांग बदानी ने सीएसके से हार के बाद सारी सच्चाई बयां कर दी. उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि पिच पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं.

हेमांग बदानी ने कहा कि दिल्ली में पिच पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं है. भले ही हम ये सोचना चाहें कि जिस पिच पर हम खेलना चाहते हैं उस पर हमारा कंट्रोल है, तो ऐसा नहीं है. हमें उसी पिच पर खेलना होता है है, जो हमें उपलब्ध कराया जाता है.

दिल्ली की पिच पर खेले 5 मुकाबलों में बने रनों के अंतर के बीच काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला. आईपीएल 2026 में दिल्ली की पिच पर 2 मैचों में स्कोर बोर्ड ने 200 प्लस रन का आंकड़ा पार किया. यहां तक कि 264 रन का विशाल स्कोर भी दिल्ली की ग्राउंड पर चेज होता दिखा. अब एक ओर जहां ये सब देखकर लगता है कि दिल्ली की पिच रनों से भरी है और बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग है. वहीं दूसरी ओर दिल्ली के ही ग्राउंड पर इस सीजन में 75 रन जैसा छोटा टोटल भी बनता दिखा.

बाजरा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय मिशन शुरू

नागार्जुन ने किया समर्थन

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देश में स्वस्थ खान-पान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक रूप से प्रेरित स्टार्टअप मिलेट मार्वल्स ने 'दिन में एक बार बाजरा के साथ भोजन' नामक राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत की है। यह पहल भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) और न्यूट्रीहब के सहयोग से शुरू की गई है। इस मिशन को देशभर में फैलाने के लिए मिलेट मार्वल्स ने अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन के साथ साझेदारी की है। उन्होंने एक वीडियो संदेश के जरिए लोगों से अपने दैनिक भोजन में बाजरा शामिल करने की अपील की और इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ विधायक जनमपल्ली अनिरुद्ध रेड्डी ने किया। इस अवसर पर मिलेट मार्वल्स के संस्थापक एवं सीईओ डॉ. भरत रेड्डी, आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ.सी. तारा सत्यवती और न्यूट्रीहब के निदेशक एवं सीईओ डॉ.जे. स्टेनली भी उपस्थित रहे।

आम जनता को न हो असुविधा : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद में मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को निर्देश दिए हैं कि उनके और अन्य वीआईपी के आवागमन के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनके काफिले के कारण लोगों को सड़कों पर लंबे समय तक इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को दिल्ली जाते समय हवाई अड्डे के पास भारी ट्रैफिक जाम पर चिंता जताई। उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आम यातायात प्रभावित न हो। रेवंत रेड्डी ने कहा कि विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों को अनावश्यक रूप से न रोका जाए और ट्रैफिक प्रबंधन इस तरह किया जाए कि जनता को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद डीजीपी सी.वी. आनंद ने राज्य के सभी कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की लगातार चिंता इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाती है और अधिकारियों को इसे प्राथमिकता के साथ हल करना चाहिए। डीजीपी ने बताया कि राज्य में ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत करने के लिए जल्द ही अतिरिक्त डीजीपी के नेतृत्व में एक समर्पित ट्रैफिक ब्यूरो स्थापित किया जाएगा, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम के काफिले के दौरान वाहनों को पूरी तरह रोकने के बजाय ट्रैफिक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए और विशेषकर व्यस्त समय में वैकल्पिक मार्ग पहले से तैयार रखें। उन्होंने हवाई अड्डे के आसपास विशेष सतर्कता बरतने को कहा और आगामी मानसून को देखते हुए जलभराव रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए, ताकि ट्रैफिक

जाम से बचा जा सके। ट्रैफिक अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहकर त्वरित निर्णय लेने और कर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए भी कहा गया। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि आउटर रिंग रोड पर अवैध पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक पुलिस, आईएसडब्ल्यू और सीएसडब्ल्यू इकाइयों के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभिन्न कमिश्नरेट के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए।

एसीबी की कार्रवाई, रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

निजामाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने निजामाबाद जिले में बोधन टाउन पुलिस थाने में तैनात उपनिरीक्षक चितन्नोजु भास्करचारी को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी दरोगा ने शिकायतकर्ता के भाई के बेटे को एक आपराधिक मामले में फंसाने से बचाने के लिए रिश्वत की मांग की थी। पहले उसने 10 हजार रुपये मांगे थे, जिसे बाद में घटाकर 7 हजार रुपये कर दिया गया। बताया गया कि आरोपी के पास से 7 हजार रुपये की रिश्वत की राशि बरामद की गई है। एसीबी ने कहा कि इस तरह रिश्वत लेकर आरोपी ने अपने पद का दुरूपयोग किया और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है। एसीबी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे हैदराबाद के नामपल्ली स्थित विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की आगे जांच जारी है।

तेलंगाना में विभिन्न निगमों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को विभिन्न निगमों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर नियुक्तियों के आदेश जारी किए। इनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष के लिए की गई है।

जारी आदेश के अनुसार प्रमुख नियुक्तियां इस प्रकार हैं–

ब्राह्मण कल्याण परिषद : बसवराजु श्रीनिवास को अध्यक्ष तथा पोननाडा सुब्रह्मण्य प्रसाद को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वॉशरमैन को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : डॉ. दसरिराजु अजय कुमार को अध्यक्ष और बंगारू बाबू को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

ताड़ी ताड़ीगर (टॉडी टैपर्स) को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : मोटुकुरी चंद्रशेखर गौड़ अध्यक्ष तथा केसम नागराजू गौड़ उपाध्यक्ष बनाए गए हैं।

पेरिका को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : डोंगरी वेंकटेश्वरलु को अध्यक्ष और बुदागम श्रीनिवास को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मेरा को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : संगा वेंकटाराजम को अध्यक्ष तथा एम. लक्ष्मी नारायण को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वाल्मीकि बोया को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : गट्टू थिम्मप्पा अध्यक्ष और बोया नागेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

मुनुरकापु को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : बोम्मा श्रीराम अध्यक्ष तथा अल्लम भास्कर उपाध्यक्ष बनाए गए हैं।

यादव को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : एम. रघुनाथ यादव को अध्यक्ष और गज्जी भास्कर यादव को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वड्डेरा को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : गुंजा रेनुका नारायण को अध्यक्ष तथा बत्तुला वेंकटेश को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

तेलंगाना हैंडलूम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड : डुडेम वेंकट रमणा को अध्यक्ष और जक्कानी अनीथा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कम्मा कॉरपोरेशन लिमिटेड : बंडी रमेश अध्यक्ष और परुचुरी मुरली उपाध्यक्ष बनाए गए हैं।

पद्मशाली को-ऑपरेटिव कॉरपोरेशन लिमिटेड : गुडूरु श्रीनिवास को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

तेलंगाना भट्टाराजा को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन लिमिटेड : च. बलराजू को अध्यक्ष बनाया गया है।

वेलामा कॉरपोरेशन लिमिटेड : जुव्वाडी नरसिंग राव को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

तेलंगाना शीप एंड गोट डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड : कोल्ले सरिता को अध्यक्ष बनाया गया है।

तेलंगाना लाइवस्टॉक डेवलपमेंट एजेंसी (टीजीएलडीए) : चरण कौशिक यादव को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

तेलंगाना तेलुगु अकादमी : प्रो. वेंकट नारायण को अध्यक्ष बनाया गया है।

इसके अलावा, सुदिनी रामि रेड्डी को तेलंगाना ग्राम पंचायत ट्रिब्यूनल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि कृष्ण कुमार नागुलुरी और बूसा वेणुगोपाल यादव को सदस्य बनाया गया है।

हैदराबाद में 'शून्य छाया दिवस' शनिवार को

दोपहर में कुछ मिनट गायब होगी परछाईं

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शनिवार को एक अनोखी खगोलीय घटना 'शून्य छाया दिवस' देखने को मिलेगी, जब कुछ मिनटों के लिए वस्तुओं की परछाईं पूरी तरह गायब हो जाएगी। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना ठीक दोपहर 12:12 बजे घटित होगी, जब सूर्य पृथ्वी के ठीक ऊपर 90 डिग्री के कोण पर होगा। इस दौरान सूर्य की किरणें सीधी नीचे पड़ती हैं, जिससे किसी भी वस्तु की छाया उसी के नीचे सिमट जाती है और दिखाई नहीं देती। यह दुर्लभ घटना केवल कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच के क्षेत्रों में ही होती है। 'शून्य छाया दिवस' न केवल एक रोचक दृश्य प्रस्तुत करता है, बल्कि यह पृथ्वी की संरचना और उसकी गति को समझने का भी अवसर देता है।

इस अवसर पर हैदराबाद स्थित बिरला तारामंडल में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक विशेष निशुल्क अवलोकन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विज्ञान शिक्षक विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से पृथ्वी के झुकाव और सौर मंडल की कार्यप्रणाली को समझाएंगे। विशेषज्ञों ने बताया कि यह दृश्य केवल लगभग दो मिनट तक ही रहता है, लेकिन यह पृथ्वी की निरंतर गति का अनोखा अनुभव कराता है। लोगों को सलाह दी गई है कि इस दौरान तेज धूप से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां जरूर बरतें।

एनएम एसएस काउंसलिंग में देरी पर डॉक्टरों की चिंता

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने एनएम एसएस 2025 काउंसलिंग प्रक्रिया में हो रही लगातार देरी को लेकर चिंता जताई है और मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) से जल्द समाधान की अपील की है। एसोसिएशन के अनुसार, बार-बार काउंसलिंग स्थगित होने से हजारों सुपर-स्पेशियलिटी उम्मीदवारों को आर्थिक और पेशेवर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के मूल कार्यक्रम के अनुसार, दूसरे चरण के परिणाम 7 अप्रैल को घोषित होने थे और नया शैक्षणिक सत्र 10 अप्रैल से शुरू होना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में चल रही कानूनी कार्यवाही, विशेष रूप से तमिलनाडु के सेवा कोटा से जुड़े मामलों के कारण पूरी प्रक्रिया फिलहाल रुकी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर डॉक्टरों की चिंता

राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा की मांग

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (एचआरडीए) ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर चिंता जताई है, जिसमें कहा गया है कि चिकित्सा लापरवाही के मामलों में मुआवजे की कार्यवाही डॉक्टर की मृत्यु के बाद भी जारी रह सकती है। एचआरडीए ने अपने बयान में कहा कि वह न्यायपालिका और सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार का सम्मान करता है, लेकिन इस फैसले के व्यापक प्रभावों को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा और विधायी पुनर्विचार की आवश्यकता है। संस्था का कहना है कि यदि ऐसे मामलों में डॉक्टर के परिवार के सदस्यों को, जो इलाज से जुड़े नहीं थे, मुकदमे में शामिल किया जाता है तो इससे उन्हें भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

एचआरडीए के अनुसार, यह फैसला अनजाने में रक्षात्मक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दे सकता है और युवा डॉक्टरों को जोखिम वाले क्षेत्रों तथा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में काम करने से हतोत्साहित कर सकता है। संस्था ने यह भी कहा कि चिकित्सा लापरवाही को सामान्य व्यावसायिक विवादों की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि उपचार के परिणाम कई कारकों पर निर्भर करते हैं, जैसे रोग की गंभीरता, मरीज की स्थिति और आपात परिस्थितियां। एचआरडीए ने केंद्र सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और अन्य चिकित्सा संगठनों से इस फैसले के दीर्घकालिक प्रभावों की गंभीरता से समीक्षा करने की अपील की है।

सुरक्षा सलाहकार बने पूर्व डीजीपी शिवाधर रेड्डी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व डीजीपी बी. शिवाधर रेड्डी ने मंगलवार को यहां इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में तेलंगाना राज्य के सुरक्षा सलाहकार (एसएसए) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्त किए गए शिवाधर रेड्डी कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, अपराध नियंत्रण, मादक पदार्थों पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सलाह देंगे। आंतरिक सुरक्षा और नक्सल विरोधी अभियानों में व्यापक अनुभव रखने वाले शिवाधर रेड्डी अपने करियर के दौरान पुलिसिंग, खुफिया और सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से लोक भवन में मुलाकात की। इस अवसर पर हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। गृह एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, राजेंद्रनगर जोन की टीम ने कलापत्थर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो पोस्ट कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एआई आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत वीडियो बनाता था।

इन वीडियो में वह खुद को पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाता था और हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों को गुमराह करता था, जिससे आम जनता में भ्रम और घबराहट की स्थिति पैदा हो सकती थी। इस संबंध में कलापत्थर थाने में अपराध संख्या 89/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 205 और आईटी एक्ट 2000 की धारा 66

व 66डी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे ये वीडियो पूरी तरह फर्जी थे और इनका किसी भी वास्तविक पुलिस गतिविधि से कोई संबंध नहीं था। आरोपी ने गैरकानूनी तरीके से पुलिस अधिकारी का रूप धारण कर भ्रामक डिजिटल सामग्री तैयार की, जो कानून के तहत दंडनीय अपराध है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स टीम ने आरोपी को मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 10 हजार रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद अबू बकर अली तबस्सुम (27) के रूप में हुई है, जो पेशे से फूड डिलीवरी का काम करता है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और इस तरह की गतिविधियों में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर ने टास्क फोर्स, राजेंद्रनगर टीम और कालापत्थर पुलिस द्वारा फर्जी वीडियो बनाकर पुलिस अधिकारी का रूप धारण करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी में किए गए सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है। यह कार्रवाई विभव गायकवाड़, पुलिस उपायुक्त (टास्क फोर्स) की देखरेख में की गई।

बकरीद से पहले गौ-रक्षा संगठनों की मांग

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बकरीद पर्व से पहले गौ-रक्षा संगठनों ने राज्य सरकार से संविधान के अनुच्छेद 48 के अनुरूप कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग की है। जसराज श्रीश्रिमल, जो भारतीय प्राणिमित्र संघ के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि सरकार को तेलंगाना गौ-हत्या निषेध अधिनियम को पूरी तरह लागू करना चाहिए। इसके लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और धार्मिक व राजनीतिक भावनाओं से ऊपर उठकर निर्दोष गायों के वध को रोका जाए। संगठन के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में पशुओं को वध के लिए हैदराबाद लाया जा रहा है। उन्होंने इस पर रोक लगाने के लिए कानून का कड़ाई से पालन कराने और अवैध पशु परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस की सख्त निगरानी के अभाव में पशु तस्कर विभिन्न रास्तों और छोटे मार्गों से शहर में प्रवेश कर रहे हैं। संगठनों ने प्रशासन से निगरानी बढ़ाने और प्रभावी कदम उठाने की अपील की है।

अनाज नहीं खरीदा गया तो करना पड़ेगा विरोध का सामना

किसानों के समर्थन में केटीआर का सरकार पर हमला

वारंगल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए किसानों की फसलों की तुरंत खरीद सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हर किसान का अनाज नहीं खरीदा गया तो सरकार को किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। बुधवार को वारंगल में आयोजित 'रैतु संग्राम सभा' को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि बीआरएस तब तक पीछे नहीं हटेगी जब तक किसानों की पूरी उपज नहीं खरीदी जाती। यह सभा कांग्रेस द्वारा चार साल पहले किए गए किसान घोषणा पत्र की याद में आयोजित की गई थी।

केटीआर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा किया गया यह घोषणा पत्र पूरी तरह विफल रहा है और एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों के साथ धोखा किया है और तेलंगाना में फिर से कृषि संकट पैदा हो गया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या वह फसलों की खरीद करेगी या 70 लाख किसानों के गुस्से का सामना करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि खरीद में देरी हुई तो राज्यभर में किसान आंदोलन तेज करेंगे। केटीआर ने कहा कि सरकार ने कर्ज माफी, आर्थिक सहायता, फसल बोनस और खाद की आपूर्ति जैसे प्रमुख वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बोनस देने से बचने के लिए जानबूझकर खरीद में देरी कर रही है।

किसानों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे हिम्मत न हारें और आत्महत्या जैसे कदम न उठाएं, बल्कि एकजुट होकर सरकार से जवाब मांगें। उन्होंने गांव स्तर पर जनप्रतिनिधियों से सवाल करने की भी अपील की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए केटीआर ने कहा कि सरकार को तुरंत किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, नहीं तो उसे कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने हाल में किसानों की मौतों पर भी चिंता जताई और इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। केटीआर ने कहा कि राज्य में फसल खरीद की कमी, बकाया भुगतान, खाद की कमी और बिजली आपूर्ति की अनियमितता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वास्तविक मुद्दों की बजाय सिर्फ कार्यक्रमों और प्रचार पर ध्यान दे रही है। बीआरएस नेता ने मांग की कि सभी फसलों की बिना शर्त खरीद हो, किसान घोषणा पत्र को पूरी तरह लागू किया जाए, कर्ज माफी पूरी की जाए, बकाया भुगतान किया जाए और मृत किसानों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। सभा में किसानों के समर्थन में कई प्रस्ताव भी पारित किए गए और सरकार पर तुरंत कार्रवाई का दबाव बढ़ाने की बात कही गई।

गैरकानूनी तरीके से गैस सिलेंडर बेचने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सिकंदराबाद जोन की टीम ने गांधी नगर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जरूरतमंद ग्राहकों को अधिक कीमत पर गैरकानूनी तरीके से कमर्शियल गैस सिलेंडर बेच रहे थे।

पुलिस ने उनके कब्जे से 129 गैस सिलेंडर, एक मालवाहक वाहन, एक स्कूटी, चार मोबाइल फोन और 26,700 रुपये नकद बरामद किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 7 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में यलम पार्थिप कुमार (21), जल्लेला मल्लेश (25), मोरा नागार्जुन उर्फ अर्जुन (32) और नागुलापल्ली मल्लेश (56) शामिल हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी गैस एजेंसी में काम करने वाले डिलीवरी बॉय थे, जिन्होंने अपने साथी के साथ मिलकर सिलेंडरों की कालाबाजारी की योजना बनाई। वे एजेंसी की अनुमति के बिना कमर्शियल गैस सिलेंडर सस्ते दाम पर लेकर उन्हें बाजार में अधिक कीमत पर बेचते थे। बताया गया कि आरोपी 3,500 से 3,800 रुपये में सिलेंडर लेकर उन्हें 5,000 रुपये तक में बेच रहे थे, जिससे वे अवैध रूप से मुनाफा कमा रहे थे और आम लोगों का शोषण कर रहे थे। इस कार्रवाई में टास्क फोर्स और गांधी नगर पुलिस के अधिकारियों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मलकाजगिरी में महिला सुरक्षा पर सख्त कार्रवाई

सीपी सुमति ने अंडरकवर ऑपरेशन में छेड़छाड़ करने वालों को पकड़ा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने महिला सुरक्षा को लेकर एक साहसिक कदम उठाते हुए देर रात अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर छेड़छाड़ करने वालों को पकड़ने की कार्रवाई की। इस कार्रवाई से पूरे राज्य में चर्चा हो रही है। नई नियुक्त पुलिस आयुक्त सुमति ने मंगलवार देर रात (5 मई) बिना किसी सुरक्षा के आम महिला बनकर दिलसुखनगर बस स्टैंड पर यह गुप्त अभियान चलाया। यह क्षेत्र महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं के लिए पहले से चिन्हित रहा है। साधारण महिला के रूप में बस का इंतजार करते हुए खड़ी सुमति को पहचान न पाने वाले कई मनचले उनके पास आए और उनके साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा वे आमतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ करते हैं। इस दौरान उन्होंने देर रात महिलाओं को होने वाली परेशानियों को खुद महसूस किया।

अभियान के दौरान करीब 40 लोगों ने आयुक्त को घेर लिया और उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इनमें कई छात्र बताए जा रहे हैं और कुछ लोग शराब व नशे के प्रभाव में भी थे। यह ऑपरेशन रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक चला, लेकिन इस दौरान कोई गश्ती पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। करीब 3:30 बजे एक बीट कांस्टेबल वहां पहुंचा।

इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उन्हें समझाइश दी और बाद में छोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार, आयुक्त सुमति पिछले तीन दिनों से इस क्षेत्र पर नजर रख रही थीं। उन्हें यहां महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। अभियान के तहत संदिग्ध लोगों की पहचान, देर रात की गतिविधियों का निरीक्षण और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया गया। पुलिस के अनुसार, दिलसुखनगर क्षेत्र में कई हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और छात्र आवास होने के कारण रात में भी काफी गतिविधियां रहती हैं। स्थानीय लोगों ने देर रात बढ़ती अव्यवस्थित गतिविधियों और छेड़छाड़ की घटनाओं पर चिंता जताई है।

बारिश से किसानों को नुकसान

मंचेरियल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार रात हुई मध्यम बारिश से किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। मौसम रिपोर्ट के अनुसार, जिले में औसतन 16.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

सबसे अधिक बारिश मंचेरियल मंडल में 46.1 मिमी और भीमाराम मंडल में 45.5 मिमी रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा लक्सेटिपेट, वेमनपल्ली, मंदामरि, चेन्नर और जयपुर मंडलों में 20 मिमी से अधिक वर्षा हुई, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा। वहीं, जयशंकर भूपालपल्ली जिले के महादेवपुर, पालिमेला और मलहरराव मंडलों में 30 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। भूपालपल्ली और मुथाराम मंडलों में क्रमशः 27.4 मिमी और 25 मिमी वर्षा हुई। अन्य क्षेत्रों में बेज्जर मंडल में 21.6 मिमी, दाहेगांव में 16.1 मिमी और पेंचिकलपेट मंडल में 15.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.